ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-113

भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ बड़े पैमाने पर किया विरोध प्रदर्शन @ नम्मा बेंगलूरु

अलीगढ़ की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण पर लगा अलीगढ़ का ताला

अलीगढ़ के पास है अच्छे भविष्य और विकसित भारत की चाबी

दंगे, हत्या, गैंगवार, फिरौती समाजवादी पार्टी का असली ट्रेडमार्क

माओवादी और कम्युनिस्ट सोच ने कई देशों को तबाह किया है

रामलला का भव्य मंदिर विकसित भारत का आशीर्वाद दे रहा है

अलीगढ़, 22 अप्रैल (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अलीगढ़ की जनता ने कांग्रेस और सपा के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की फैक्ट्री में ऐसा मजबूत ताला लगा दिया है कि दोनों शहजादों को इसकी चाबी नहीं मिल रही है। पीएम मोदी ने कहा, अपने अच्छे भविष्य और विकसित भारत की चाबी आपके ही पास है। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि अब देश को गरीबी, भ्रष्टाचार और परिवारवादी राजनीति से पूरी तरह से मुक्त कराने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को अलीगढ़ और हाथरस लोकसभा सीटों से भाजपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीगढ़ से सतीश गौतम और हाथरस से अनूप वाल्मीकि को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। मोदी ने कहा कि आप भले अपना वोट भाजपा प्रत्याशियों को देंगे, वो वोट सीधे मुझे मिलेगा। मैं आपसे मोदी के लिए वोट मांगने आया हूं। प्रधानमंत्री ने पहले मतदान, फिर जलपान की अपील करते हुए कहा कि तमाम कामों से बड़ा देश है और आपका एक एक वोट बहुत ही महत्वपूर्ण है।

पीएम मोदी ने कहा, पहले आए दिन बॉर्डर पर बम गोले चलते थे और हमारे वीर सैनिक शहीद होते थे। आज शत्रु के सारे तोप, बंदूक और बारूद बिक गए हैं। देश में पहले सीरियल बम ब्लास्ट होते थे।

सरकारों की ओर से इश्तेहार देकर लावारिस वस्तुओं को न छूने की अपील की जाती थी। यह मोदी-योगी का कमाल है कि आज सब बंद हो गया है। पहले कश्मीर में अनुच्छेद 370 के नाम पर अलगाववादी तत्व बड़े शान से जीते थे और हमारे फौजियों पर पत्थर चलाते थे। इन सब पर फुल स्टॉप लग गया। जब देश को शांति और सुरक्षा मिलती है तो देश का विकास होता है।

योगी जी जैसा साथी मेरे लिए गर्व की बात है : मोदी

अलीगढ़, 22 अप्रैल (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि योगी जी जैसा साथी होना उन्हें गर्व की अनुभूति देता है। पीएम मोदी ने यहां आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब हमारी बहन बेटियां घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं। योगी जी की सरकार में अपराधियों में हिम्मत नहीं है कि वो नागरिकों का अमन चैन बिगाड़ें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग योगी जी की पहचान केवल बुलडोजर से करते हैं उन्हें अपनी आंख खोल लेनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी में आजादी के बाद जितना औद्योगिक विकास हुआ, उतना अकेले योगी जी के कालखंड में हुआ है। ओडीओपी का उनका मिशन आज पूरे देश में नई इज्जत प्राप्त कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में अगर विकास को नई ऊंचाइयों पर कोई ले गया है तो योगी जी की सरकार लेकर गई है। काशी का सांसद होने के नाते ये मेरे भी माननीय मुख्यमंत्री हैं। मैं गर्व की अनुभूति करता हूं कि मेरे पास ऐसे साथी हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में बड़ी कार्रवाई

कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दी सारी नियुक्तियां

अवैध रूप से नियुक्त 25,753 शिक्षकों की नौकरियां खत्म

शिक्षकों को ब्याज समेत देना होगा लिया गया पूरा वेतन

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कथित तौर पर अवैध रूप से प्राप्त सभी नौकरियां रद्द कर दीं। जज देबांशु बसाक और जज मोहम्मद शब्बीर रशीद की कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा, जो लोग लंबे समय से अवैध तरीके से काम कर रहे हैं, उन्हें ब्याज समेत सैलरी लौटानी होगी। इस फैसले के तहत 25,753 नौकरियां रद्द कर दी गईं। उन्हें 2016 के पैनल में नौकरी मिली थी। पैनल का कार्यकाल खत्म होने के बाद जिन लोगों को नौकरी मिली है, उन्हें भुगतान करना होगा।

वादी पक्ष के वकील ने कहा, 2016 का पूरा पैनल रद्द कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि चार सप्ताह के अंदर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करें। हाईकोर्ट ने वर्ष 2016 की सभी चार भर्ती प्रक्रियाएं ग्रुप सी, ग्रुप डी, 9वीं-10वीं, 11वीं-12वीं के पैनल को रद्द कर दिया है। सभी को वेतन वापस करना होगा। हाईकोर्ट ने कहा है कि छह सप्ताह के भीतर वेतन वापस करना होगा। संबंधित डीआई को यह देखने की जिम्मेदारी दी गई है कि वेतन वापस किया गया है या नहीं। हाईकोर्ट ने कहा कि जिन लोगों को एसएससी पैनल की समाप्ति के बाद नौकरी मिली, उन्हें जनता के पैसे से भुगतान किया गया। सभी को चार सप्ताह के अंदर ब्याज सहित वेतन लौटाना होगा। सभी को 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ पैसा लौटाना होगा। बता दें कि 23 हजार 753 नौकरियां रद्द कर दी गईं। नए लोगों को नौकरी मिलेगी।

पूर्व जज ने मांगा ममता का इस्तीफा

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के जरिए हुईं 25 हजार से अधिक नियुक्तियों को कलकत्ता हाईकोर्ट से रद्द किए जाने के बाद कोलकाता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और तमलुक लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अभिजीत गांगुली ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा, अदालत ने उचित फैसला दिया है लेकिन आज मेरे लिए राहत का दिन नहीं है। क्योंकि मेरा राज्य इसी मुख्यमंत्री के अधीन चल रहा है। वास्तविक पात्र नौकरी चाहने वाले इतने लंबे समय से वंचित हैं। आशा है उनके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। अभिजीत ने कहा, योग्य उम्मीदवारों को वंचित कर दिया गया है। वंचितों में हिंदू और मुस्लिम भी शामिल हैं। राष्ट्रपति शासन के तहत चुनाव होने चाहिए। हाईकोर्ट के जज रहते हुए जस्टिस अभिजीत गांगुली ने ही शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामलों की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। उनके कई फैसलों पर लगातार खंडपीठ की रोक लगी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक पत्र लिखकर खंडपीठ के उन जजों पर उन्होंने सवाल खड़ा किया था जो रोक लगा रहे थे। आखिरकार देश की शीर्ष अदालत में उन्हीं के फैसले को हरी झंडी देते हुए मामले की सीबीआई जांच जारी रखने का आदेश दिया था। इसकी वजह से आज यह फैसला आया है।

चुनाव के नतीजों से पहले ही भाजपा का खाता खुला

सूरत से मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित

सूरत, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खाते में एक सीट आ गई है। दरअसल, गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। एक अधिकारी के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने और अन्य सभी प्रत्याशियों के अपने नामांकन वापस लेने के बाद ऐसे समीकरण बने हैं। नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन आठ उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसमें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्यारेलाल भारती के अलावा अधिकतर निर्दलीय हैं। इससे पहले भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने कहा, सूरत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला कमल भेंट किया है।

मैं सूरत लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं। रविवार को निर्वाचन अधिकारी ने सूरत सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुम्भाणी का नामांकन प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में विसंगति पाने के बाद रद्द कर दिया था। कुम्भाणी का नामांकन रद्द होने के बाद पार्टी के वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल करने वाले सुरेश पडसाला का नामांकन पत्र भी रद्द कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट : चुनाव के पहले दो खेप में 501 प्रत्याशी दागी

327 प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले

दोषी सिद्ध हुए तो जाएंगे जेल, खत्म हो जाएगा खेल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया गया कि पिछले साल देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज कुल मामलों में से दो हजार से ज्यादा मामलों में फैसला हुआ। वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने एक हलफनामा दाखिल कर यह जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका के जरिए यह मांग की गई थी कि जनप्रतिनिधियों के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जानी चाहिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया को न्याय मित्र नियुक्त किया है।

विजय हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अदालत द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद एमपी/एमएलए कोर्ट में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई में तेजी आई है। हंसारिया ने साथ ही यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा और सख्त दिशा निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि लंबित मामलों की जल्द सुनवाई हो सके। हलफनामे में कहा गया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की समीक्षा के लिए उच्च न्यायालयों द्वारा सख्ती से समीक्षा की जानी चाहिए। वकील विजय हंसारिया ने कोर्ट में एनजीओ एडीआर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में कुल 2,810 उम्मीदवारों में से 501 उम्मीदवार यानी कि 18 प्रतिशत उम्मीदवार दागी हैं।

इनमें से भी 327 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें जनप्रतिनिधि अगर दोषी पाए गए तो उन्हें पांच साल या ज्यादा की सजा हो सकती है।

2019 के लोकसभा चुनाव में भी 7928 उम्मीदवारों में से 1500 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 1070 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। 17वीं लोकसभा (2019-2024) के लिए चुने गए 514 उम्मीदवारों में से 225 सदस्यों यानी कि 44 फीसदी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे। मामले में सुप्रीम कोर्ट की मदद कर रहे वकील हंसारिया ने हलफनामे में बताया कि 1 जनवरी 2023 तक 4,697 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 2,018 मामलों में बीते साल फैसला हो गया। हलफनामे में बताया गया कि साल 2023 में नेताओं के खिलाफ 1746 नए मामले दर्ज हुए। ऐसे में 1 जनवरी 2024 तक नेताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की कुल संख्या 4,474 हो गई है।हलफनामे के अनुसार, उत्तर प्रदेश की एमपी-एमएलए कोर्ट में दर्ज 1300 मामलों में से 766 बीते साल निपटाए गए। दिल्ली में दर्ज 105 मामलों में से 103 का निपटारा बीते साल कर दिया गया। इसी तरह महाराष्ट्र में 476 मामलों में से 232 में फैसला हो गया। बंगाल के 26 में से 13 में, कर्नाटक में 226 में से 150 मामलों, केरल में 370 में से 132, बिहार में 525 मामलों में से 171 में फैसला हो चुका है।

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पहुंचे रक्षा मंत्री

सियाचिन भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी

जम्मू/लेह, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और इसे भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी बताया। उन्होंने लद्दाख में सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर तैनात सशस्त्र बल के जवानों से भी बातचीत की। उन्होंने उनके साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान भी किया।

राजनाथ सिंह ने कहा, दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर आप जिस तरह से देश की रक्षा करते हैं, उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। सियाचिन की भूमि कोई सामान्य भूमि नहीं है। यह देश की संप्रभुता और दृढ़ता का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है, मुंबई हमारी आर्थिक राजधानी है, हमारी तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है, लेकिन सियाचिन वीरता और साहस की राजधानी है।

राजनाथ सिंह ने सियाचिन बेस कैंप में युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित की और बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, सियाचिन हमारे राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है, मुंबई हमारी आर्थिक राजधानी है और हमारी तकनीकी राजधानी बेंगलुरु है। सियाचिन भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी है। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी रक्षा मंत्री के साथ थे। लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में कुमार की पोस्ट पर भारत माता की जय के नारे हवा में गूंज उठे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के बाद जवानों ने नारे लगाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 24 मार्च को सैनिकों के साथ होली मनाने के लिए सियाचिन जाने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण कार्यक्रम को बदलकर लेह कर दिया गया, जहां रक्षा मंत्री ने लेह सैन्य स्टेशन पर सशस्त्र बलों के साथ इस अवसर का जश्न मनाया। सियाचिन ग्लेशियर हिमालय में पूर्वी काराकोरम रेंज में स्थित है और इसे दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र माना जाता है। इससे पहले 13 अप्रैल को, भारतीय वायु सेना ने प्रसिद्ध ऑपरेशन मेघदूत की 40वीं वर्षगांठ मनाई थी, जिसे भारतीय सेना ने सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा करने के पाकिस्तान के प्रयासों को विफल करके उस पर नियंत्रण हासिल करने के लिए चलाया था।

दिल्ली हाईकोर्ट में केजरीवाल की याचिका खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने लॉ के छात्र पर ठोका 75,000 का जुर्माना

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को असाधारण जमानत देने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने केजरीवाल की पैरवी कर रहे याचिकाकर्ता पर 75000 रुपए का जुर्माना भी ठोका।

केजरीवाल के लिए सभी मामलों में असाधारण जमानत की मांग लॉ के चौथे वर्ष के एक छात्र ने की थी। हाईकोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए कहा कि अपने रिट क्षेत्राधिकार में अदालतें उच्च पदों पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ लंबित मामलों में असाधारण अंतरिम जमानत नहीं दे सकती हैं।

स्थिति यह रही कि केजरीवाल की ओर से इस मामले की सुनवाई के लिए पेश हुए वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने भी जनहित याचिका को पूरी तरह से अस्वीकार्य और गुमराह करने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता छात्र अदालत को एक राजनीतिक मंच के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,648.62
+560.29 +0.77% ↑

एनएसई :22,336.40
189.40 (0.86%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,690/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,485/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 23^0

त्वचा संबंधित रोगों का परामर्श शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक पर तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा मानव सेवा के अंतर्गत जैन युवा संगठन द्वारा फ्रीडम पार्क, कुंडलपुर नगरी में आयोजित जन्म कल्याणक महोत्सव में नि:शुल्क बोन मिनिरल डेंसिटी चेक-अप एवं त्वचा संबंधित रोगों का परामर्श प्रदान किया गया। कैम्प की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। मशीनरी के माध्यम से लोगों की हड्डियों की क्षमता की जांच करते

हुए ऑर्थोपेडिक डॉक्टर ने परामर्श दिया। त्वचा विशेषज्ञ डॉ.सुनील कुमार ने त्वचा संबधित रोगों का परामर्श प्रदान किया। लगभग चार घंटे तक चले इस कैंप में 202 सदस्यों ने बोन की जांच एवं 100 सदस्यों ने त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श प्राप्त किया। तेयुप सदस्यों ने एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाएं, डॉक्टरों की उप-लब्धता एवं अन्य जानकारी से सभी को अवगत कराया। जैन समाज के सदस्यों ने मानव सेवा के उपक्रम की खूब खूब सराहना करते हुए परिषद परिवार के प्रति मंगल कामनाएं संप्रेषित की। इस अवसर पर महातपस्वी युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वीश्री उदितयशाजी ने शिविर स्थल पर पधारकर मंगल पाठ फरमाया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में निवर्तमान अध्यक्ष अरविंद गन्ना, अध्यक्ष कमलेश गन्ना, कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, अरविंद कोठारी, अजिंक्या चौधरी, मुकेश भंडारी, मुकेश नाहर, दीपक गिलुण्डिया, हरीश पोरवाड़ एवं एटीडीसी स्टाफ दीपा, श्यामला, दीपाश्री का विशेष श्रम नियोजित हुआ।

जैन संस्कार विधि की भव्य स्टॉल एवं जन जागृति गतिविधियां आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा फ्रीडम पार्क में बेंगलूरु स्तरीय सामूहिक कार्यक्रम में जैन संस्कार विधि की भव्य स्टॉल एवं जन जागृति गतिविधियां आयोजित की गई। लगभग 15000 से अधिक लोगों की उपस्थिति में अभातेयुप के आयाम जैन संस्कार विधि की सम्पूर्ण जानकारी के पर्चे एवं मंगल भावना पत्रक वितरित किए गए। जैन संस्कार विधि के विभिन्न संस्कारों के वीडियो क्लिप प्रदर्शित किए गए।

इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने जैन संस्कार विधि को जैन जन विधि बनाने का प्रयास का आह्वान किया। जैन संस्कार विधि के राष्ट्रीय सहप्रभारी विकास बांठिया ने जैन संस्कार विधि को आडंबर रहित बताया।

इस अवसर पर संस्कारक छत्र सिंह मालू, श्रेयांस गोलछा, कमलेश चोपड़ा, धीरज भादानी, पवन बैद, संजय भटेवरा, देवांग बैद, आशीष सिंघी का विशेष श्रम रहा। इस मौके पर अभातेयूप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, अभातेयुप पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेयुप पूर्व अध्यक्ष महेंद्र टेबा, दिनेश मरोठी, महावीर टेबा, अभिषेक कावड़िया, अमित दक, तेयुप कोषाध्यक्ष अशोक मारू, कार्यकारिणी सदस्य अमित नाहटा, जिग्नेश मेहता, करण मांडोत, रतन बरड़िया सहित परिषद साथियों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस आयोजन में जैन संस्कार विधि संयोजक धीरज भादानी, सह संयोजक आशीष सिंघी का विशेष श्रम रहा।

सीपीएस कार्यशाला का आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कॉंफिडेंट पब्लिक स्पीकिंग (सीपीएस) जो एक व्यक्ति विशेष के अंदर विश्वास से अपने भावना जन समूह में रखने की क्षमता बढ़ाता है, का आगाज किया गया।

स्टेज पर किस तरह प्रस्तुति दी जाये सिखाता है। अभातेयुप द्वारा यह आयोजन युवा उम्र में स्टेज फियर कम कर उनकी गुणवत्ता को उजागर करने का प्रयास है। यह कार्यशाला 6 सत्र में होगी। उसके बाद सभी सहभागियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। तेरापंथ सभा भवन हनुमंत नगर परिसर में कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद ने सभी का स्वागत किया।

सत्र गुवाहाटी से प्रशिक्षिका दिया ओसवाल ने लिया। नेशनल ट्रेनर अरविंद मांडोत ने व्यवस्था की जानकारी ली और टीम का उत्साह वर्धन किया। विभिन्न प्रकार के प्रयोगों से सत्र को रोचक बनाया। इस आयोजन को सफल बनाने में सीपीएस संयोजक ललित बाफना, मोहित भण्डरी, दीपक बोलिया, निवर्तमान अध्यक्ष महावीर चावत, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, उपाध्यक्ष द्वितीय विजय कटारिया, सहमंत्री द्वितीय सुमित चिंडालिया, संगठन मंत्री दीक्षित सोलंकी का विशेष सहयोग रहा। सफल संचालन मंत्री राजीव हिरावत ने किया।

जन्म कल्याणक महोत्सव पर नवकार मंत्र जाप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रवण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संस्कार के अंतर्गत जैन युवा संगठन द्वारा फ्रीडम पार्क, कुंडलपुर नगरी में आयोजित जन्म कल्याणक महोत्सव में नवकार महामंत्र जाप का आयोजन किया गया। उसमें तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर को जाप कक्ष की व्यवस्था का दायित्व संभालने का अवसर मिला।

जाप का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ और 10 बजे से 1.30 बजे तक चला। सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं ने जाप के क्रम को आगे बढ़ाते हुए अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। जाप में तेयुप राजाजीनगर से अजिंक्या चौधरी एवं अनिल भंडारी, किशोर मंडल से दीपक कटारिया और संयम पोरवाड़ मौजूद थे।

भिक्षु भक्ति धम्म जागरण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। त्यागराजनगर में स्थित आंचलिया निवास पर रविवार को चैत्र सुदी तेरस को भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन महाश्रमण सुर संगम द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। सामूहिक ओम भिक्षु का जाप किया गया।

महाश्रमण सुर संगम से सह प्रभारी सुरेश कोठारी, अध्यक्ष अंकुश बैद, परमार्शक विक्रम पुगलिया, सह मंत्री देवेंद्र आँचलिया, राहुल मेहता, विक्रम दुगड़ व जितेन्द्र घोषल ने अपनी प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को भिक्षुमय बना दिया। तेयुप एचबीएसटी अध्यक्ष अंकुश बैद ने आंचलिया परिवार को साधुवाद

देते हुए परिषद् के इस उपक्रम हर घर भिक्षु स्वर के बारे में जानकारी दी। आंचलिया परिवार ने प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए तेयुप हनुमंतनगर व परिषद् संचालित महाश्रमण सुर संगम टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस उपलक्ष्य में अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप एचबीएसटी परमार्शक राजेंद्र बैद, पवन बोथरा, निवर्तमान अध्यक्ष महावीर चावत, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, कोषाध्यक्ष गौतम चावत, कार्यकारणी सदस्य ललित बाफना, सवरूप चोपड़ा, नवरत्न बरडिया, राकेश खटेड़ व परिषद् साथियों सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

जल संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली झांकी निकाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ चामराजपेट की तरफ से भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर वर्धमान जैन धार्मिक पाठशाला के संयोजन में उक्त प्रसंग पर जल संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली झांकी निकाली गई। जिसमें पाठशाला के टीचर्स एवं बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर चामराजपेट पाठशाला की झांकी को सभी झांकियों में दूसरा स्थान प्राप्त किया। शाम को आयोजित समारोह में जैन युवा संगठन द्वारा पाठशाला मंडल को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

वीतरागता के लक्ष्य की ओर करें गति: साध्वी उदितयशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री उदितयशा जी के सान्निध्य एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा श्रमण भगवान महावीर के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में हां मै महावीर बन सकता हूं, नामक व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अर्हत् वंदना के मंगल संगान के साथ शुरू हुई इस कार्यशाला में साध्वी भव्ययशा जी एवं साध्वी शिक्षाप्रभा जी ने थीम सॉन्ग मुझे

महावीर बनना है का सुमधुर संगान किया। भगवान महावीर की साधना का प्रारंभिक और अंतिम बिंदु जागरूकता है। हम उनकी देह ज्योति, शब्द ज्योति एवं आत्म ज्योति से प्रेरणा प्राप्त कर लक्ष्य की ओर गति करेंगे। साधना करेंगे तो हम भी एक दिन महावीर बन सकते हैं। उपरोक्त विचार साध्वी उदितयशा जी ने कार्यशाला के संभागियों को प्रेरणा देते हुए व्यक्त किए। साध्वी श्री ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य वी-तरागता होना चाहिए फिर चाहे उसकी प्राप्ति में कितने ही जन्म लग जाए। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोकरणा ने मंगलकामना एवं कृतज्ञता के स्वर व्यक्त किए। तेयुप अध्यक्ष रजत बैद ने आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला में पारमार्थिक शिक्षण संस्था के अध्यक्ष बजरंग जैन, महिला मंडल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, संयोजक विमल धारीवाल, तेयुप पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं अनेकों श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थी।

चारित्र के लिए राग नहीं, वैराग्य चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में नवपद जी की ओली की आराधना करवा रही साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने फरमाया कि संसार और मोक्ष के बीच जो पुल है उसका नाम चारित्र है। आठ कर्मो का नाश करना हो तो इस आंठवें पद की आराधना करनी चाहिए। चारित्र के बिना कोई मोक्ष नही है। यह चारित्र 2 प्रकार का पहला देश विरति चारित्र जिसमें श्रावक जो छोटे नियम व्रत का पालन करता है और दूसरा सर्व

विरति जिसमें साधू जो 5 महाव्रत का पालन करते हैं। राग और चारित्र में कट्टर शत्रुता है, दोनों में से कोई एक ही रह सकता है। हमारे ह्रदय में राग इतना जोरदार चिपक गया है कि वैराग्य भाव टिक नहीं रहा है। चारित्र के लिये राग नहीं, वैराग्य चाहिए।

लंबी चुनावी प्रक्रिया के बीच एक राष्ट्र एक वोट संभव नहीं: वीरप्पा मोइली

युवा बेरोजगारी बढ़ गई है

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा कि आज, महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति के बावजूद, पूरी चुनावी प्रक्रिया को पूरा करने में 60 दिन से अधिक का समय लगता है। इसके बीच, प्रधान मंत्री एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रस्ताव दे रहे हैं। यह देखते हुए कि इसमें पहले से ही 60 दिन लगते हैं। एक चुनाव पूरा करने के बाद, कोई केवल कल्पना ही कर सकता है कि इस प्रस्तावित नई प्रणाली के लिए कितने अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। यहां सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा किसी को भी यह मानकर राष्ट्र पर अपना व्यक्तिगत दृष्टिकोण नहीं थोपना चाहिए कि लोग केवल उन्हें वोट देंगे। जनता के बीच असंतोष की लहर है, लोकतांत्रिक थकान की स्थिति है।

नागालैंड में 6 जिलों के 4 लाख लोगों ने चुनाव का बहिष्कार किया और मोदी के आश्वासन के बावजूद 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार उछाला जा रहा है। साथ ही विशिष्ट समुदायों के खिलाफ सांप्रदायिक बयानबाजी भी की जा रही है, तानाशाही मानसिकता सद्दाम, मुसोलिनी और हिटलर जैसे नेताओं की याद दिलाती है। यह दृष्टिकोण देश के सर्वोत्तम हितों की पूर्ति नहीं करता है। जब भी संभावित हार का सामना करना पड़ता है, वे सर्जिकल स्ट्राइक और राष्ट्रवादी उत्साह का सहारा लेते हैं। हालांकि, यह रणनीति इस बार कारगर नहीं होगी। युवा बेरोजग-ारी बढ़ गई है, जो 40 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भूख सूचकांक और लैंगिक असमानता जैसी वैश्विक रैंकिंग में हम अफसोसजनक रूप से नीचे खिसक गए हैं। भारत, जो कभी चीन के साथ एक प्रतियोगी था, अब पिछड़ गया है क्योंकि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में चिंताजनक रूप से वृद्धि हुई है, जबकि निर्भया फंड जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए समर्पित धन अपर्याप्त रूप से आवंटित किया गया है। पिछले 182 वर्षों से, हर दस साल में एक जनगणना आयोजित की जाती रही है। हालाँकि, 182 वर्षों में पहली बार जनगणना नहीं की गई है। देश में लोकतांत्रिक थकान की अंतर्धारा बह रही है और आगामी चुनाव में इसके फूटने की संभावना है। उन्होंने कहा उडुपी-चिक्कमगलूरु में जेपी हेगड़े और शिवमोग्गा में गीता शिवराजकुमार विजयी होंगी। शिवमोग्गा में, भाजपा के विद्रोही नेता ईश्वरप्पा ने चुनौती पेश की है। हम बंगारप्पा और राजकुमार दोनों परिवारों के प्रति कृतज्ञता के ऋणी हैं। हमने मोगावीरा समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने का प्रस्ताव दिया था। विधेयक को मंजूरी के लिए कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उस समय जनगणना रजिस्ट्रार की रिपोर्ट की अनुपलब्धता के कारण यह लंबित हो गया। क्या भाजपा वास्तव में मोगावीरा समुदाय को महत्व देती है?

उन्होंने अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान इस पहल को आगे क्यों नहीं बढ़ाया? शिवमोग्गा-बिंदूर निर्वाचन क्षेत्र के लिए कांग्रेस उम्मीदवार गीता शिवराजकुमार ने कहा हमें लोगों से मजबूत समर्थन मिला है। बिंदूर और शिवमोग्गा क्षेत्रों के सामने आने वाली समस्याएं अलग हैं। हमने विकास के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है, जिसके कार्यान्वयन के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मैं लोगों की चिंताओं को दूर करने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उनके साथ मिलकर सहयोग करने के लिए समर्पित हूं।

हर जगह लागू किया जा रहा कर्नाटक मॉडल: रणदीप सिंह सुरजेवाला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि इस समय दो मॉडल हैं। कर्नाटक मॉडल एक आजमाया हुआ और परखा हुआ दृष्टिकोण है जिसने अपने वादों को पूरा किया है। यह भारत में एकमात्र मॉडल है जिसे वर्तमान में हर जगह लागू किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया, हमने गृहलक्ष्मी को सफलतापूर्वक लागू किया है और शक्ति योजना के अपने वादे को पूरा किया है, जिससे 35 लाख महिलाओं को हर दिन मुफ्त यात्रा करने की अनुमति मिलती है। रविवार तक 195 करोड़ मुफ्त बस यात्राएं दर्ज की जा चुकी हैं। मोदी के कर्नाटक को चावल देने से इनकार करने के बावजूद, हम इसके मूल्य के बराबर मौद्रिक मुआवजा प्रदान कर रहे हैं। कर्नाटक भारत का एकमात्र राज्य है जो लाभार्थियों को सीधे 58,000 करोड़ रुपये हस्तांतरित करता है। यह तीव्र प्रगति का सूचक है। हमारा गारंटी मॉडल इतना सफल रहा है कि

प्रधान मंत्री भी हमारे वादों को दोहरा रहे हैं। अब, केंद्र में कांग्रेस ने नई गारंटी पेश की है। 4 जून को लोगों के आशीर्वाद से कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बनने के बाद, वह महिलाओं को हर महीने 8,500 रुपये स्थानांतरण करेगी। कर्नाटक की महिलाओं को दोहरा लाभ मिलेगा। जिसमें 2,000 रुपये का गृहलक्ष्मी लाभ भी शामिल है, जो जारी रहेगा। राहुल गांधी ने युवाओं को नौकरियों के लिए प्रशिक्षण देने और उन्हें कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने की कल्पना की है। दूसरा मॉडल बीजेपी का 'चोम्बू' मॉडल है। कन्नडिगाओं द्वारा दूसरे सबसे अधिक करों का भुगतान करने के बावजूद, जब 15वें वित्त आयोग से 58,000 करोड़ रुपये की बात आती है तो उन्हें खाली बर्तन दिए जाते हैं। हमने अपने किसानों का समर्थन करने के लिए सूखा राहत का अनुरोध किया, लेकिन सभी हमें चोंबू मिला। जब हमने हर खाते के लिए 15 लाख रुपये मांगे, तो उन्होंने हमें चोंबू दिया। यह विकास, समावेशिता और कांग्रेस पार्टी के लिए प्यार की लड़ाई है।

बिगड़ती कानून व्यवस्था की निंदा

भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ बड़े पैमाने पर किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपने सहपाठी द्वारा बेरहमी से हत्या की गई नेहा हत्याकांड की निंदा करते हुए विपक्षी भाजपा ने सोमवार को राज्य भर में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और चेतावनी संदेश भेजा कि अगर तुष्टीकरण बंद नहीं किया गया, तो इसके परिणाम लोकसभा चुनाव में भुगतने होंगे। भाजपा की राज्य इकाई ने बेंगलूरु को छोड़कर सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र के नेतृत्व में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मैसूरु, धारवाड़, तुमकुरु, हावेरी, बेलगावी, बेल्लारी, बागलकोट, कलबुर्गी, हुब्बल्ली-धारवाड़, चित्रदुर्ग, रामनगर, मांड्या, विजयनगर, दावणगेरे, शिवमोग्गा और अन्य जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया और अपनी भड़ास निकाली। हुब्बल्ली की तरह ही बीजेपी कार्यकर्ताओं ने सीएम सिद्धरामैया का पुतला जलाकर आक्रोश जताया है। इसके अलावा उन्होंने टायरों में आग लगा दी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया। नेताओं ने डीके ब्रदर्स के खिलाफ अवमानना के नारे लगाये। इतना ही नहीं कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर अपना गुस्सा उतारा। हुब्बल्ली के ओल्ड हुब्बल्ली सर्कल में सैकड़ों बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए टायर में आग लगा दी और फैयाज की तस्वीर भी

जला दी। इतना ही नहीं गुस्साई महिला कार्यकर्ताओं ने आरोपी फैयाज की फोटो पर तमाचा जड़ दिया। एबीवीपी और कुछ हिंदू समर्थक संगठनों ने बीजेपी से हाथ मिला लिया। सांस्कृतिक शहर मैसूरु में बी.वाई विजयेंद्र, पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा और रघु कौटिल्य के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शहर के मुख्य घेरे में विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इसके अलावा तुमकुरु, हावेरी, बेल्लारी, बागलकोट, कलबुर्गी में भी घाटानुघाटी नेताओं की मौजूदगी में विरोध प्रदर्शन किया गया। हुब्बल्ली-धारवाड़ में विरोध प्रदर्शन को व्यापक प्रतिक्रिया मिली। हुब्बल्ली-धारवाड़, बेलगावी, चिक्कोडी, हावेरी, बागलकोट और अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से विरोध प्रदर्शन किया। नेहा हिरेमथ की हत्या की निंदा करते हुए धारवाड़ के अंजुमन इस्लाम संगठन द्वारा बुलाए गए बंद को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। शहर में मुस्लिम समुदाय ने सभी दुकानें बंद कर दीं और बंद का समर्थन किया। इसके अलावा बंद दुकानों पर नेहा की श्रद्धांजलि के पोस्टर चिपकाए गए। अंजुमन संगठन से डीसी कार्यालय तक ब्लैक बेल्ट और फ्लैग मार्च की योजना बनाई थी। नेहा हिरेमथ की हत्या की निंदा करते हुए सभी दुकानें स्वेच्छा से बंद कर दी गईं। उन्होंने सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आधे दिन के बंद का आह्वान किया। उन्होंने अंजुमन संगठन से कलेक्टर कार्यालय तक झंडे लेकर, काली बेल्ट पहनकर और दुकानों में 'जस्टिस फॉर नेहा लिखे पोस्टर चिपकाकर मार्च किया। जुलूस में अंजुमन संस्था के सदस्य व लोग शामिल हुए। इसके अलावा, हिंदू समर्थक संगठनों ने अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए शहर के प्रमुख इलाकों में सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और टायरों में आग लगा दी। उन्होंने हत्यारे फैयाज को कड़ी सजा देने की मांग की। तुमकुरु में बीजीएस सर्कल से डीसी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाए और अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने सिद्धरामैया हत्यारे हैं, सिद्धारमुल्ला खान है के नारे लगाकर आक्रोश जताया। विरोध प्रदर्शन में महिलाओं सहित भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

आरोपियों को 3 महीने के अंदर फांसी दी जाए

व्यापक पुलिस सुरक्षा मुहैया करायी गयी। पूर्व विधायक सोमशेखर रेड्डी ने बेल्लारी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के माध्यम से जिला कलेक्टर को एक याचिका सौंपी। नेहा हिरेमथ की हत्या के विरोध में हजारों बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध मार्च बेल्लारी के कनक दुर्गम्मा मंदिर से शुरू हुआ और जिला कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचा। इस बीच बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर धावा बोल दिया। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। राज्य सरकार की अति तुष्टिकरण की नीति के कारण ऐसे नरसंहार हो रहे हैं। कुछ लोगों की यह मनोवृत्ति हो गई है कि हमें कोई कहने-सुनने वाला ही नहीं है। नेहा की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपियों को 3 महीने के अंदर फांसी दी जाए। किसी भी वकील को उसकी ओर से अदालत में पैरवी नहीं करनी चाहिए। निर्णय लिया गया कि जब तक छात्रा को न्याय नहीं मिल जाता तब तक संघर्ष नहीं रुकना चाहिए। बीजेपी का आरोप है कि नेहा हत्याकांड में लव जिहाद है। इस मौके पर विधायक टीएस श्रीवत्स, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आर रघु कौटिल्य, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल थॉमस, जिला अध्यक्ष एल नागेंद्र समेत पार्टी के अन्य नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस को वोट देना बर्बादी है: डॉ अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व डीसीएम डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस को वोट देना बर्बादी है जो दृढ़ रुख नहीं रखती, लोगों में भ्रम पैदा करती है और आतंकवादियों का समर्थन करती है। यहां भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली में छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या कर दी गई। हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने सुरक्षा को लेकर कोई बात नहीं की। कांग्रेसी ने अपनी बेटी के बारे में बयान देने के लिए अपनी पार्टी के पार्षद की आलोचना की। हत्यारे को बचाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने मामले को सीबीआई जांच के लिए सौंपे जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी की संपत्ति जब्त कर उसका बंटवारा किया जायेगा। उन्होंने मांग की कि पहले उनकी संपत्ति का पुनर्वितरण किया जाए। वे लोगों की संपत्ति निगलने वाले हैं। उनमें ऐसा बयान देने का साहस होना चाहिए। भाजपा सभी को

समान रूप से देखती है। गरीबों का पहला हक होना चाहिए। हालाँकि, कांग्रेस यह कहकर अल्पसंख्यकों को खुश कर रही है कि यह अल्पसंख्यकों का पहला अधिकार है। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि वह गरीब विरोधी हैं। भाजपा के 2 करोड़ रुपए जब्त कर लिए गए हैं। ड्राइवर के पास सारे कागजात थे। पैसा किस बैंक से निकाला गया, इसका विवरण था। गाड़ी का नंबर, बैंक डिटेल सब कुछ था। आयकर विभाग को इसके वैध होने की भनक तक नहीं लगी। पैसा अवैध रूप से पुलिस हिरासत में रखा गया है। डॉ सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि हम इसके खिलाफ हाई कोर्ट जायेंगे। हमारी पार्टी के विज्ञापन से पता चला है कि कांग्रेस ने हमारे समाज में क्या योगदान दिया है। उन्होंने अनुरोध किया कि देश के समग्र विकास के लिए हमें भाजपा का समर्थन करना चाहिए।

सीबीआई जांच की मांग पर आपत्ति नहीं

हुब्बल्ली हत्या मामले में कर्नाटक सरकार अपने तरीके से करेगी जांच: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार को हुब्बल्ली हत्या मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच पर कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस मामले से अपने तरीके से निपटेगी। यह टिप्पणी तब आई जब भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक में कांग्रेस पार्षद की बेटी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग की, जिसकी पिछले हफ्ते बीवीबी कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया है कि पुलिस मामले को भटकाने की कोशिश कर रही है। डीके शिवकुमार ने कहा कि वे जो करना चाहते हैं उन्हें करने दें, उससे हमें कोई आपत्ति नहीं है। कर्नाटक सरकार इस मामले से अपने तरीके से निपटेगी, इसका कोई सवाल ही नहीं है। हुब्बल्ली में मारी गई

लड़की के पिता निरंजन हिरेमथ ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी मांग की कि मामले के प्रभारी पुलिस आयुक्त को कथित लापरवाही के लिए स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मैंने खुले तौर पर 8 लोगों के नाम दिए हैं। उन्होंने एक भी व्यक्ति को नहीं पकड़ा है। मैं अब विश्वास खो रहा हूं। वे मेरे मामले को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते तो इसे सीबीआई को दे दें। इस मामले में कमिश्नर एक महिला हैं। फिर भी वह एक लड़की की हत्या को गंभीरता से नहीं ले रही हैं। वह किसी दबाव में काम कर रही है। मैं मामले में लापरवाही के लिए कमिश्नर का तबादला करने की मांग करता हूं।

इससे पहले, बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा ने भी रविवार को हिरेमठ की ओर से सीबीआई जांच की मांग उठाई थी। यह एक चौंकाने वाली घटना है और हम इसकी निंदा करते हैं। इस घटना पर सीएम सिद्धरामैया और गृह मंत्री जी परमेश्वर के बयान आपत्तिजनक हैं। उनके बयान जांच को कमजोर कर रहे हैं।

कर्नाटक के लोग मौजूदा सरकार को उसकी तुष्टिकरण की राजनीति के लिए नहीं बख्शेंगे। उन्होंने कहा अगर राज्य पुलिस निष्पक्ष जांच करने में असमर्थ है तो राज्य सरकार को मामला सीबीआई को सौंप देना चाहिए। हिरेमथ ने भी घटना की सीबीआई जांच की मांग की है क्योंकि उन्हें राज्य पुलिस पर कम भरोसा है।

मोदी लोगों के लिए वरदान हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी के लिए शनि : बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार की उस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए शनि (अपशकुन) हैं, भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने कहा कि प्रधानमंत्री देशभक्तों, युवाओं और महिलाओं के लिए वरदान हैं, जबकि भ्रष्ट और देशद्रोहियों के लिए शत्रु है और इसलिए कांग्रेस पार्टी के लिए शनि है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, पूर्व भाजपा मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि रमेश कुमार कितने ईमानदार थे।

वास्तव में, मोदी रमेश कुमार और कांग्रेस पार्टी के लिए शनि बन गए हैं क्योंकि वह भ्रष्ट, राष्ट्र-विरोधी और जन-विरोधी को नहीं बख्शेंगे। लेकिन वह देशभक्तों, युवाओं और महिलाओं को वरदान देंगे। रमेश कुमार इसके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने कहा कि रमेश कुमार को विश्वगुरु प्रधानमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचना चाहिए। बोम्मई ने मोदी सरकार के खिलाफ चोम्बू (खाली

बर्तन या अपमानजनक गाली) देने के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के विज्ञापन अभियान की भी आलोचना की और दावा किया कि कांग्रेस ने बिना किसी तैयारी के गारंटी और सोच के नाम पर राज्य को दिवालिया बना दिया है।

वित्त मामले में वह पक्ष हताशा के कारण बहुत निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने पिछले दस वर्षों में कई बदलाव किये हैं। आपदा प्रबंधन का पैमाना बदल गया है। केंद्र सरकार की ओर से राज्य के कर हिस्से में बढ़ोतरी की गयी है। लेकिन राज्य सरकार ने सब कुछ दबा दिया है और अपनी गलतियों पर पर्दा डालने के लिए बहुत नीचे उतर गयी है। कांग्रेस पार्टी वित्त को लेकर निराश हो गई है और उसके नेता निम्न स्तर की भाषा का उपयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का दावा है कि राज्य ने 4 लाख करोड़ रुपये की कर राशि दी है लेकिन प्रत्यक्ष कर संग्रह में राज्य को उसका हिस्सा नहीं मिला। यह पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से ही चलन में है। यह केवल जीएसटी पर लागू होगा। भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र सरकार को दोष देने के बजाय, कांग्रेस पार्टी को यूपीए और एनडीए शासन के बीच कर संग्रह में धन और हिस्से की तुलना करनी चाहिए। 2004 और 2014 के बीच यूपीए शासन के दौरान, राज्य को कर संग्रह में हिस्सेदारी के रूप में 81795 करोड़ रुपये मिले और एनडीए शासन के तहत 2014 से 2024 तक कर्नाटक को 2,82,791 करोड़ रुपये मिले। कांग्रेस नेता दावा कर रहे थे कि यूपीए शासन में राज्य को चार पैसे मिलते थे लेकिन एनडीए शासन में अब 13 रुपये मिलते हैं। यूपीए शासन के दौरान राज्य को 60,799 करोड़ रुपये केंद्रीय निधि और मोदी सरकार से 2,33,930 करोड़ रुपये मिले। राज्य को विकास कार्यों के लिए 6012 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण मिला है, जिसे 50 वर्षों में चुकाना होगा। मोदी सरकार से पहले सभी राज्यों को टैक्स वसूली में 27 फीसदी हिस्सा मिलता था और उन्होंने इसे बढ़ाने की मांग की थी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और मोदी ने इसे बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया।

विशेष अदालत सीओडी को सौंपी गई नेहा हत्याकांड की जांच: सीएम

त्वरित सुनवाई के लिए

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली कॉलेज की छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या पर भाजपा कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। इसी बीच सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हरकत में आए और त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी जांच कॉर्प्स ऑफ डिटेक्टिव्स (सीओडी) को सौंप दी और इसके गठन की भी घोषणा की। उन्होंने शिवमोग्गा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा सीओडी पूरी जांच अपने हाथ में लेगी और विशेष अदालत समयबद्ध तरीके से सुनवाई करेगी। भाजपा के इस आरोप का जवाब देते हुए कि मुख्यमंत्री ने मृत लड़की के माता-पिता से मुलाकात नहीं की है, सिद्धरामैया ने कहा कि कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल पहले ही कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ दौरा कर चुके हैं।

उन्होंने कहा जब मैं धारवाड़ जाऊंगा तो माता-पिता से मिलूंगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार जांच को लेकर

बहुत गंभीर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दिंगलेश्वर स्वामीजी से केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के खिलाफ धारवाड़ संसदीय क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का अनुरोध करेगी और स्वामीजी से कांग्रेस उम्मीदवार को अपना समर्थन घोषित करने की अपील करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को दिंगलेश्वर मठ स्वामीजी के समर्थन की जरूरत है क्योंकि यह एक धर्मनिरपेक्ष धार्मिक संस्था है और स्वामीजी की लड़ाई प्रह्लाद जोशी के खिलाफ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था की है कि सूखे की स्थिति और मानसून में देरी के कारण पीने के पानी की कोई समस्या न हो और मवेशियों को चारा उपलब्ध रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाति और धर्म के बावजूद सभी नागरिकों का ख्याल रखने के लिए कर्तव्यबद्ध हैं। मोदी का सार्वजनिक बयान कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया ब्लॉक हिंदू महिलाओं से मंगलसूत्र छीन लेंगे और मुस्लिम महिलाओं को बांट देंगे, पूरी तरह से गलत था और प्रधान मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के लिए उपयुक्त नहीं था। उन्हें मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए इस तरह की निम्न रणनीति नहीं अपनानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने भाजपा और मोदी के खिलाफ सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के विज्ञापन अभियान का बचाव किया, जिसमें राज्य और कन्नड़ लोगों के लिए शून्य योगदान या चोम्बू का अर्थ खाली बर्तन दर्शाया गया है और कहा कि भाजपा को पहले धन के हस्तांतरण में अन्याय को सुधारना चाहिए और सभी लंबित परियोजनाओं को मंजूरी देनी चाहिए।

उन्होंने कहा, मोदी शासन पूरी तरह विफल रहा है क्योंकि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों के दौरान अपने किसी भी वादे को लागू नहीं किया है। हम कर्नाटक के खिलाफ केंद्र और मोदी के सौतेले रवैये की कड़ी निंदा करते हैं।

भाजपा एक वॉशिंग मशीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा के इस बयान की निंदा करते हुए कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का स्रोत है, सिद्धरामैया ने कहा हर कोई जानता है कि भाजपा एक वॉशिंग मशीन है। जो लोग ईडी, आईटी छापे का सामना कर रहे हैं और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं, वे भाजपा में शामिल हो जाएं तो सभी मामले धुल जाएंगे। वे एकदम साफ हो जाते हैं। भाजपा नेताओं को ईडी, आईटी छापे और जांच का सामना क्यों नहीं करना पड़ रहा है।

क्या बी एस येदियुरप्पा, बी वाई विजयेंद्र और अन्य नेता भ्रष्ट नहीं हैं? शोभा करंदलाजे, आर अशोक, बसवराज बोम्मई के खिलाफ छापेमारी और जांच क्यों नहीं हो रही है? यदि भाजपा इतनी ईमानदार और गैर-भ्रष्ट है, तो भाजपा के सभी उम्मीदवारों ने करोड़ों रुपये की संपत्ति कैसे अर्जित की है।

नेहा मामले में किसी को बचाया नहीं जाएगा: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि नेहा हत्याकांड के आरोपी फैयाज को एक घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया था और सभी जरूरी कदम उठाये गये हैं। कानून प्रवर्तन के संबंध में कोई रियायत नहीं दी गई है। हालांकि, बीजेपी इस मामले को राजनीति के लिए इस्तेमाल कर रही है। वे नेहा का इस्तेमाल वोट बैंक के लिए कर रहे हैं। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा नेहा के घर गए थे। सोशल मीडिया पर लोगों से नेहा के लिए वोट मांगने का क्या मतलब है? इसका इस्तेमाल पूरी तरह से राजनीति के लिए किया जा रहा है। यही वजह है कि वे ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। वे हमारे और मुख्यमंत्री के खिलाफ अनुचित आलोचना कर रहे हैं। देश में कानून सबके लिए एक समान है। हम हिंदू, मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी धर्म के हों, कानून के मुताबिक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि कानून के अलावा किसी की भी रक्षा नहीं

की जायेगी। ऐसी आलोचनाएं हो रही हैं कि आरोपी को इसलिए बचाया जा रहा है क्योंकि वह समुदाय विशेष से है। हमें इसकी जरूरत क्यों है? वह एक आदमी है जिसने हत्या की है। इसे सजा मिलनी चाहिए। इसके अलावा पुलिस विभाग सभी जरूरी कदम उठा रहा है।

घटना के एक घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और सभी आवश्यक कदम उठाए गए। कहा जा रहा है कि आरोपी के पीछे कोई और भी है। इसकी भी जांच की जा रही है। मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सीबीआई भी एक जांच एजेंसी है। कोई बड़ी व्यवस्था नहीं है। हमने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अगर आरोपी दूसरे देश भाग गया होता तो फिर सीबीआई जांच के बारे में सोच सकते थे। हमने आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। जांच चल रही है। आइए नतीजे का इंतजार करें। इससे पहले राज्य में हमने कई मामले सीबीआई को सौंपे हैं। उन्होंने कहा कि इससे क्या होगा यह हमारी आंखों के सामने है। अगर हम कुछ कहें तो उसे तोड़-मरोड़कर पेश करना, अनावश्यक आलोचना करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें उसी के अनुरूप आगे बढ़ना होगा। इस लोकसभा चुनाव में पहले जैसी स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री खुद धर्म के आधार पर वोट मांग रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं था। मुझे नहीं पता कि लोग ये सब कैसे स्वीकार करेंगे। जब नेता कोई बयान देते हैं तो लोगों का तालियां बजाना सामान्य बात है। लेकिन हमारा व्यक्तित्व उसी आधार पर मापा जाता है।

नक्सलियों और माओवादियों के खिलाफ

ऑपरेशन-ऑलआउट

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सलियों के मारे जाने की खबर आने के बाद कथित मानवाधिकार वाली संताप भले न दिखे, मगर लोकतंत्र, व्यवस्था को ललकारने वाली आवाजें जब शांत होती हैं तो, बूढ़ा बाबा, मां दंतेश्वरी के इस क्षेत्र का एक उत्पात शांत होता है। नक्सलियों ने न केवल अशांति फैलाई और उत्पात मचाया, बल्कि जनजातीय समाज में दरार भी पैदा की है। 6 अप्रैल, 2010 को नक्सलियों ने सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के संयुक्त दल पर हमला किया और पहले उनके वाहन को लैंड माइन से उड़ाया, फिर उन पर गोलियों की बौछार कर दी। इस दोहरे हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान बलिदान हुए थे। तब पूरा देश आंसुओं में डूब गया था, लेकिन मानवाधिकार के चैम्पियन उस समय चुप थे। आज 29 नक्सली मारे गए हैं, तो मरोड़ उठनी शुरू हो गई है। कांग्रेस अगर भूल गई है तो 25 मई, 2013 की उस घटना को याद करे, जब विधानसभा चुनाव प्रचार कर सुकमा से जगदलपुर लौट रहे छत्तीसगढ़ के उसके शीर्ष नेताओं को नक्सलियों दरभाघाटी में ऐसी जगह घेर कर मार डाला था, जहां से भागने का कोई रास्ता नहीं था। नक्सलियों ने लगभग पूरी पार्टी का ही सफाया कर दिया था। नक्सलियों ने कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा की निर्ममता से हत्या करने के बाद उनके शव पर नाच-कूद कर जश्न मनाया था। ऐसे क्रूर नक्सलियों को ग्रामीण कहना गलत है। ठीक वैसे ही, जैसे आतंकियों को सामान्य नागरिक बताना।

लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान से ठीक दो दिन पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली। बस्तर संभाग के कांकेर जिले के हिदूर और कलपर के बीच जंगलों में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 29 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया। इनमें शीर्ष नक्सली कमांडर शंकर राव, ललिता, माधवी और राजू जैसे लाखों रुपए के इनामी नक्सली शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को बधाई देते हुए कहा, ऑपरेशन को अपनी जांबाजी से सफल बनाने वाले सभी सुरक्षाकर्मियों को बधाई देता हूं और जो वीर पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। नक्सलवाद विकास, शांति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं। सरकार की आक्रामक नीति और सुरक्षाबलों के प्रयासों के कारण आज नक्सलवाद दायरा सिमट कर एक छोटे से क्षेत्र तक सीमित रह गया है। जल्द ही छत्तीसगढ़ और पूरा देश पूर्णत: नक्सल मुक्त होगा।

सुरक्षाबलों को हापाटोला-छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के जंगलों में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद 16 अप्रैल को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के 1,000 से अधिक जवानों ने 60 नक्सलियों को घेर लिया। दोपहर एक बजे मुठभेड़ शुरू हुई, जो लगभग तीन घंटे तक चली। इसमें 29 नक्सली मारे गए, बाकी जान बचा कर भाग गए। मुठभेड़ में बीएसएफ के इंस्पेक्टर के साथ डीआरजी के दो भी जवान घायल हुए हैं। बस्तर के आईजी पी. सुंदरराज बताते हैं कि कांकेर में मारे गए नक्सली लोकसभा चुनाव के दौरान हिंसक गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

बीएसएफ के डीआईजी आलोक सिंह ने कहा, हमने हमले का तरीका बदला, जिसके चलते इतनी बड़ी सफलता मिली है। खुफिया सूचना पर बीएसएफ का यह बहुत बड़ा ऑपरेशन था। बीएसएफ और डीआरजी की टीम पिछले कुछ दिनों से इस ऑपरेशन में जुटी हुई थी। हमने अपनी रणनीति बदली और नक्सलियों पर जिस तरफ से हमला किया, उसके बारे में वह सोच भी नहीं सकते थे।

नक्सल उन्मूलन

वर्ष	मारे गए नक्सली	नक्सली घटनाएं
2019	65	330
2020	40	334
2021	51	253
2022	30	240
2023	20	278
2024	80	-

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा जारी आंकड़े बस्तर के हैं

यही वजह है कि हमने खूंखार नक्सलियों को मार गिराया है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में नक्सली घायल भी हुए हैं, जिनकी तलाश में जल्दी ही ऑपरेशन चलाया जाएगा।

सुरक्षाकर्मियों ने घटनास्थल से सात एके-47 राइफल, दो इंसास राइफल, .303 राइफल, 1 एसएलआर, 1 कार्बाइन और भारी मात्रा में हथियार गोला-बारूद बरामद किए हैं। डीआरजी कांकेर एवं बीएसएफ 94वीं वाहिनी की संयुक्त कार्रवाई में मारे गए नक्सलियों में 15 महिला नक्सली भी शामिल थीं। इन सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए 29 में से 28 नक्सली पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) की वर्दी में थे। शंकर राव, ललिता सहित 16 नक्सलियों की पहचान की जा चुकी थी, शेष की पहचान की प्रक्रिया जारी है। शंकर राव, ललिता पर 25-25 लाख, जबकि माधवी पर 8 लाख रुपए का इनाम था।

बीते चार माह के दौरान सुरक्षाबलों ने बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ घेराबंदी को मजबूत करते हुए 24 नई छावनियां स्थापित की हैं, जिनमें 3 नई हैं। इनमें बीजापुर के 8, सुकमा के 6, नारायणपुर व कांकेर के 3-3 तथा दंतेवाड़ा के 1 शिविर शामिल हैं। जिस जगह मुठभेड़ हुई, वहां से बीएसएफ की कंपनी करीब 12 किलोमीटर दूर थी। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि रणनीतिक दृष्टि से स्थापित ये शिविर इस बात की ओर संकेत करते हैं कि केंद्रीय सुरक्षा बल पूरे इलाके से नक्सलियों का खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस इलाके से नक्सली धीरे-धीरे भाग रहे हैं। हम अपनी आक्रामक कार्रवाई तब तक जारी रखेंगे, जब तक पूरे बस्तर से नक्सल समस्या को उखाड़कर फेंक नहीं देंगे।

मुठभेड़ पर कांग्रेस का विलाप

कांग्रेस ने मुठभेड़ को फर्जी करार देते हुए इस पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा शासनकाल में फर्जी नक्सली मुठभेड़ होते हैं। बीते चार महीनों के दौरान ऐसे मामले बढ़े हैं। बस्तर में पुलिस भोले-भाले आदिवासियों को डराती है। जैसे ही उनके बयान की चौतरफा आलोचना शुरू हुई, उन्होंने इससे पल्ला झाड़ते हुए कहा, मैं जवानों को बहुत बधाई देता हूं। वे बहुत बहादुरी से लड़े और बड़ी सफलता हासिल की है। मुठभेड़ को फर्जी बताने पर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भूपेश बघेल को लताड़ लगाते हुए कहा कि यदि मुठभेड़ फर्जी है तो वह इसे साबित करें। उन्हें हर चीज पर प्रश्न चिह्न खड़ा नहीं करना चाहिए। इससे पहले उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक को भी काल्पनिक कहा था। राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हर बात में राजनीति ठीक नहीं है। बघेल को सुरक्षाबलों के जवानों और राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए। यह पहला मौका नहीं है, जब देश की सबसे बुजुर्ग पार्टी के नेता टुकड़े-टुकड़े गैंग या नक्सलियों के पक्ष में खुलकर सामने आए हैं। इससे पहले भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, राज बब्बर, रंजीत रंजन नक्सलियों की वकालत कर चुके हैं। कोई नक्सलियों को भटका हुआ साथी कहता है तो कोई यह कह कर सुरक्षाबलों को चिढ़ाता रहा है कि नक्सली बुरे नहीं होते। यहां तक कि राहुल गांधी भी नक्सलियों को क्लीन चिट दे चुके हैं।

हत्यारों की ढाल हैं अर्बन नक्सली

मोटे तौर पर समझा जाए तो आंध्र प्रदेश के नक्सलियों के दो गढ़ हैं। पहला, आंध्र प्रदेश का मैदानी क्षेत्र, जिसमें निजामाबाद, करीमनगर, वारंगल, मेडक, हैदराबाद, नलगोंडा जिले शामिल हैं। दूसरा क्षेत्र है दंडकारण्य, जिसमें सीमांध्र/तेलंगाना के आदिलाबाद, खम्मम, पूर्वी गोदावरी, विशाखापत्तनम, ओड़ीशा का कोरापुट, महाराष्ट्र के भण्डारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, छत्तीसगढ़ के बस्तर, राजनांदगांव तथा मध्य प्रदेश के बालाघाट, मंडला जिले शामिल हैं। नक्सल प्रभावित दंडकारण्य कुल 1,88,978 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। नक्सली गुटों ने आपस में हाथ मिलाने के बाद अबूझमाड़ क्षेत्र को अपना ठिकाना बनाया है। गुरिल्ला जोन और गुरिल्ला बेस के बीच केवल शाब्दिक अंतर नहीं है। गुरिल्ला जोन को माओवाद प्रभावित इलाका कह सकते हैं यानी वह क्षेत्र जहां नियंत्रण के लिए संघर्ष हो रहा है।

मध्य माड़ इलाके को छोड़कर बस्तर संभाग के बहुतायत सघन वन क्षेत्र गुरिल्ला जोन के अंतर्गत आते हैं, जो नक्सलियों का आधार क्षेत्र है। यहां सुरक्षाबल आसानी से नहीं घुस सकते हैं। यहां नक्सलियों की एक समानांतर सरकार है, जिसे वे जनताना सरकार कहते हैं। लेकिन धीरे-धीरे उनका यह प्रभाव क्षेत्र भी दरकने लगा है और बस्तर नक्सलियों का आखिरी गढ़ बच गया है। यदि अबूझमाड़, बीजापुर और सुकमा के अंदरूनी इलाकों में सिमटे नक्सलियों के आधार क्षेत्र को समाप्त कर दिया जाए, तो नक्सली संगठनों के लिए दूसरा आधार क्षेत्र बनाना कभी संभव नहीं हो सकेगा। इसलिए वे अपने इस गढ़ को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे।

यह लड़ाई केवल बंदूक से नहीं लड़ी जा सकती, क्योंकि शहरी नक्सली इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। कांग्रेस नेता महेंद्र कर्मा ने एक साक्षात्कार में कहा था कि सलवा जुडूम की लड़ाई हम जमीन पर नहीं हारे, बल्कि दिल्ली के पावर पाइंट प्रेजेंटेशनों से हार गए। विवेचना का प्रश्न है कि जो लोग सलवा जुडूम के सशस्त्र संघर्ष के खिलाफ थे, वही माओवादियों के समर्थन में क्यों मुखर रहते हैं? इतना ही नहीं, नक्सली कैडर हमेशा मिलता रहे, इसके लिए शहरी नक्सलियों द्वारा हजारों साल से सह संबद्ध 30 से अधिक वनवासी जनजातियों को फांकों में बांटने की कोशिश हो रही है। यही प्रयास आदिम भाषा-बोली के साथ भी किया जा रहा है। आदिम देवगुड़ियां-मातागुड़ियां और घोटुल अब वीरान हो गए हैं। गायता, माझी, ओझा सब महत्वहीन हो गए हैं और समाज में अपनी परंपरागत जगह खोने लगे हैं।

सरकार की रणनीति

नक्सलियों के खिलाफ त्रिआयामी रणनीति के तहत कार्रवाई की गई। इसमें नक्सलियों पर नकेल कसने के लिए कुशल रणनीति, राज्य और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय और विकास के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सैन्य बलों का बनोबल ऊंचा रखने के लिए जरूरी कदम तो उठाए ही, उन्हें बेहतर हथियार और आधुनिक तकनीक भी उपलब्ध कराई। साथ ही, नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ लगातार बैठकें कीं। राज्य की चिंताओं को दूर करने का प्रयास करते हुए केंद्र ने अनेक विकास कार्यों को गति दी, जिससे नक्सली इलाकों में तेजी से सड़कों, बुनियादी ढांचों का विकास और संचार सुलभ हुआ है।

नक्सलियों पर अंकुश लगाने की केंद्र की इच्छाशक्ति को इसी से समझा जा सकता है कि जब सरकार पूरी तरह आश्वस्त हो गई कि वाम-अतिवाद कोई सामाजिक-आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि इसके विशुद्ध राजनीतिक कारक हैं और यह लोकतंत्र के विरुद्ध सीधी, किंतु छद्म लड़ाई है। इसके बाद ही सरकार ने उन पर नकेल कसने की पहल की। नक्सल दखल को कम करने के लिए उनके सुरक्षा वैक्यूम तथा कोर एरिया को कम करने की जरूरत महसूस की गई, क्योंकि भौगोलिक और प्राकृतिक कारणों से कोर एरिया नक्सलियों की ताकत होते हैं। इसलिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की घेराबंदी करते हुए लगातार सुरक्षाबलों के नए शिविर स्थापित किए गए। जरूरत पड़ने पर शिविरों के स्थान भी बदले गए।

चार नए ज्वाइंट टास्क फोर्स शिविर के साथ सीआरपीएफ की अनेक जवानों को पुन: तैनात किया गया। कुछ जवानों को अन्य राज्यों से निकाल कर उन परिक्षेत्रों में प्रतिस्थापित किया गया, जो माओवादी कोर एरिया माने जाते हैं। इसके अलावा, प्रतिरोधात्मक या रक्षात्मक नीति की जगह आक्रामक नीति अपनाई गई।

सुरक्षाबलों ने नए तरीकों और योजनाओं से चुनौती देकर माओवादी थिंक टैंक को चौंका दिया है। सैन्य बलों की विशेषज्ञता और नॉलेज शेयरिंग की सहायता से केंद्रीय तथा राज्यों पुलिस बलों में विशेष ऑपरेशन दलों का गठन किया गया। माओवादी क्षेत्र कठिन होने तथा बार-बार उनके द्वारा आम लोगों को ढाल बनाने वाले गुरिल्ला तरीकों से निपटने के लिए सरकार ने सैन्य बलों को हवाई सुविधा भी मुहैया करा रही है। ऑपरेशन में मदद और घायलों को निकालने के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हेलीकाप्टर तैनात किए गए हैं। सरकार आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर नक्सलियों का दमन कर रही है। इसके लिए लोकेशन, फोन, मोबाइल, साइंटिफिक कॉल लॉग्स, सोशल मीडिया विश्लेषण आदि के लिए विभिन्न तकनीकी और फॉरेंसिक संस्थाओं से सहयोग लिया जा रहा है। इस प्रकार, केंद्र सरकार माओवाद की जड़ पर प्रहार कर रही है, जो राज्य सरकार के साथ समन्वयन के बिना संभव नहीं था। केंद्र सरकार बिना भेदभाव के राज्यों को मनोवांछित सुविधाएं व तकनीक दे रही है, नक्सल प्रभावित राज्यों को सीआरपीएफ, हेलीकॉप्टर, प्रशिक्षण तथा राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए धन, उपकरण, हथियार और खुफिया जानकारी उपलब्ध करा रही है। सरकार द्वारा उठाए गए ये कदम किस तरह नक्सलियों की कमर तोड़ रहे हैं, उसे समझने के लिए 2022 में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के निकट माओवादी थिंक टैंक दिलिप तेलतुम्बडे को धराशायी करने से लेकर कांकेर की घटनाओं को समग्रता से देखना होगा।

विकास बना हथियार

छत्तीसगढ़ में पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त प्रयासों से नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगा है। सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित करने के साथ-साथ विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए भी सुरक्षाबलों की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षाबलों द्वारा सुरक्षा का माहौल निर्मित करने के कारण नक्सली और उनके समर्थक समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

सुरक्षाबलों की कार्रवाई में दिसंबर 2023 से 10 अप्रैल, 2024 तक 64 मुठभेड़ों में 80 नक्सली मारे गए और 304 गिरफ्तार किए गए। इस वर्ष अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबलों के 24 शिविर स्थापित किए गए हैं, जबकि आने वाले दिनों में 29 नए आधार शिविरों स्थापित किए जाने हैं। साथ ही, सुरक्षाबलों के नक्सल विरोधी अभियानों एवं सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बीते चार महीनों में 165 नक्सली आत्मसर्मपण कर चुके हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बेहतर संपर्क स्थापित करने के लिए सड़क और पुल बनाए जा रहे हैं। इस वर्ष अभी तक 90 किलोमीटर लंबी 16 सड़कों, 2 पुलों और 72 पुलियों का निर्माण किया गया है। 118 मोबाइल टावर भी स्थापित किए गए हैं। सुरक्षाबलों के प्रत्येक शिविर के आसपास के 5-5 गांवों तक नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना सहित सभी सरकारी योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है। सामुदायिक पुलिसिंग के कारण भी ग्रामीणों का नक्सलियों से मोह भंग हो रहा है। राज्य में नक्सली घटनाओं पर कुशल अनुसंधान एवं अभियोजन की प्रभावी कार्रवाई के लिए राज्य अन्वेषण एजेंसी का गठन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि लगभग सौ दिनों में 63 मुठभेड़ों में 54 नक्सलियों के शव 77 हथियार और 135 विस्फोटक बरामद किए गए हैं। 304 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। 165 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सल संबंधी कुल 26 प्रकरणों को एनआईए को सौंपा गया है। विगत 4 माह में 24 अग्रिम सुरक्षा शिविरों की स्थापाना की गई है। निकट भविष्य में 29 नए आधार शिविरों की स्थापना प्रस्तावित है।

ललिता रजिता रूपी माधवी रामशिला

आसान नहीं है राह

बस्तर में नक्सल समस्या के समाधान में सबसे बड़ी बाधा है निरपेक्षता। यह लड़ाई वैसे तो वनवासियों के लिए है, लेकिन इसमें वे कहीं नहीं दिखते हैं। वे किसी भी विमर्श या अपने समाज से जुड़े संवेदनशील विमर्शों का हिस्सा नहीं बनते हैं। वह चाहे लेखन हो, पत्रकारिता हो या आंदोलन, स्पष्ट विभाजक रेखा खींच कर उन्हें दो हिस्सों में बंटा देखा जा सकता है। यह भी गंभीर परिस्थिति है, क्योंकि निरपेक्षता का अभाव वैचारिक लड़ाई को भी सरकार बनाम नक्सली बना देता है। इसकी आड़ में छद्म समाजसेवा और नकली आंदोलन के कतिपय मुखौटे भी अपनी रोटियां सेंक रहे हैं या बस्तर में अपने लिए फिर से अवसर तलाशने के प्रयास में हैं। यही सही समय है, जब नक्सल क्षेत्रों की स्थितियों के मद्देनजर पुलिस सुधार पर गंभीरता से चर्चा हो, सुरक्षाबलों को आदिवासी क्षेत्रों में किस तरह काम करना चाहिए एवं उन्हें कैसा व्यवहार करना चाहिए, इसका प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर इसमें मनोवैज्ञानिकों का सहयोग भी लिया जाए। नक्सलवाद तो बस्तर अंचल का नासूर है, जिसे टीमवर्क से ही खत्म किया जा सकता है। इसमें शासन, प्रशासन, पत्रकार, सुरक्षाबल और आम-लोग सभी आते हैं। इस लड़ाई को जीतने के लिए मिशनरियों पर भी नजर होनी चाहिए, अनेक प्रकार की बुद्धिजीवियों, सफेदपोशों से भी भी लड़ना पड़ेगा। वह गिरोह, जिसमें कथित मानवाधिकारवादी, कथित गांधीवादी, पत्रकार, वकील और प्राध्यापक भी शामिल हैं, उन्हें भी कठघरे में खड़ा करना होगा। कांकेर में मिली सफलता उत्साहित करती है, लेकिन अभी भी बहुत काम बाकी है। छोटेबेठिया थाना क्षेत्र से नक्सली इलाका शुरू हो जाता है। हिदूर और कलपर इसी थाना क्षेत्र में पड़ता है। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ था। कहा जाता है कि पूरा गांव नक्सली है। गांव वाले कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थे। जो थोड़े बहुत जागरूक हैं, उन्होंने दबी जुबान में कहा कि हम तो शांति और विकास चाहते हैं, लेकिन नक्सली हमें डरा-धमका कर रखते हैं। इनके खिलाफ कुछ बोलने का मतलब है, अपना गला कटवाना। वे पुलिस का मुखबिर बताकर हमें मारते-पीटते हैं। नदी के उस पार हिदूर से लेकर कलपर तक पूरा नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। बरसात में नदी उफना जाती है, तो दो-तीन महीने के लिए संपर्क टूट जाता है। इसी समय नक्सलियों से राहत मिलती है। छोटेबेठिया में सुखरंजन की दवा की दुकान है। वह कहते हैं कि इस ऑपरेशन से इलाके के लोग मन ही मन खुश हैं, लेकिन नक्सलियों के खौफ से कोई बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। यहां के लोग नक्सल समस्या से ऊब चुके हैं और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं। अपने क्षेत्र में विकास और शांति चाहते हैं। यहां के लोग अपना व अपने परिवार का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं। सुखराम भी चाहते हैं कि जितनी जल्दी हो, इनका खात्मा किया जाए, क्योंकि वे विकास में बाधक बने हुए हैं। वह कहते हैं, नक्सलियों ने हमारे भविष्य को गहन अंधकार में धकेल दिया है। वे हम पर अत्याचार करते हैं। हम खुलकर नहीं बोल सकते, क्योंकि वे हमें मार डालेंगे। 32 वर्षीय सुनीत आढ़ती हैं। वह कहते हैं कि क्षेत्र के लोग विकास और शांति चाहते हैं, लेकिन नक्सली इसके खिलाफ हैं। वे पुलिस का मुखबिर बता कर ग्रामीणों को प्रताड़ित करते हैं। घरों में घुस कर लूटपाट करते हैं। ऐसे लोगों का साथ कौन देगा? इस इलाके में उनके खिलाफ बोलने की अनुमति किसी को नहीं है। जो भी मुंह खोलता है, उसे ये मार देते हैं। यही कारण है कि जब इनके खिलाफ सुरक्षाबल कार्रवाई करता है, तो लोग मन ही मन खुश होते हैं। 60 वर्षीया सुषमा ने बताया कि अब लग रहा है कि इस इलाके से आतंक का सफाया होकर ही रहेगा। दिन दूर नहीं, जब इस इलाके में शांति आएगी। नेकराम बताते हैं कि धीरे-धीरे नक्सली इस इलाके में कमजोर हो रहे हैं। पहले इस पूरे इलाके में उनका खूब दबदबा था। लेकिन अब सुरक्षाबलों की कार्रवाई में लगातार वे मारे जा रहे हैं। उनका इलाका भी सिकुड़ता जा रहा है। हमें विश्वास है कि सरकार हमें नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त करेगी और हम भी शांति और सुख-चैन से रह सकेंगे।

खत्म होती वनवासी संस्कृति

बस्तर का अबूझमाड़ कन्वर्जन की जकड़न में है। ओरछा तक पहुंचते ही साफ दिखता है कि वनवासी समाज और उनकी संस्कृति मटियामेट होने की कगार पर है। यही स्थिति बीजापुर और सुकमा जिले की है, विशेषकर नक्सल प्रभावित इलाके जहां सड़क नहीं जाती है। गायताओं, माझियों और गुनियाओं का सम्मान समाज के भीतर से जानबूझ कर समाप्त किया गया, क्योंकि ऐसा करते ही स्वत: ग्रामीण अपने देवता और आस्था से दूर होने लगते हैं। लेकिन इसके विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठाता है। इस मौन के पीछे एक बड़ा कारण है माओवादी तंत्र। इस क्षेत्र में देशी-विदेशी एनजीओ की अभिरुचि और माओवादियों के बीच इन सभी का सहजता से काम कर पाना उस भयावह अवगुण्ठन की ओर भी इशारा करता है, जिसमें परोक्ष रूप से विदेशी पैसे का आगमन भी सम्मिलित है। इसके साथ ही अनेक समान उद्देश्य बस्तर में उस मित्र की तरह कार्य कर रहे हैं, जो एक-दूसरे के पूरक सिद्ध हों। हिन्दू और गैर हिन्दू जैसे जुमले उछाल कर बस्तर के सामाजिक समरसता वाले माहौल में अनावश्यक दरारें पैदा करने की कोशिश की जा रही है। इन दरारों को जितना चौड़ा किया जाएगा, वह नक्सलियों और मिशनरियों के काम करने के लिए उतना ही उर्वर हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि सुरक्षाबलों ने ऐतिहासिक कार्य किया है। बस्तर का हालिया घटनाक्रम नक्सल इतिहास की सबसे बड़ी सफलता है। हमारे जवानों ने अराजक तत्वों के कुचक्रों को कुचलकर रख दिया है। सीएम साय ने कहा, यह ऐतिहासिक सफलता है। मैं इस मुठभेड़ में शामिल सभी जवानों और सुरक्षा अधिकारियों को बधाई देता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ के नक्सल मामलों के इतिहास की यह सबसे बड़ी सफलता है। यह बिल्कुल सच है कि माओवादी लोकतंत्र में आस्था नहीं रखते और हर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हिंसात्मक गतिविधि से प्रभावित करते हैं। इस मामले में भी ऐसा लगता है कि माओवादी चुनाव को प्रभावित करने का कुचक्र रच रहे थे। लेकिन हमारे जवानों ने उनकी साजिश को नेस्तनाबूद किया है। सीएम ने कहा, बस्तर में पड़ा हर वोट नक्सलियों द्वारा गढ़े गए लोकतंत्र के विरुद्ध झूठे नैरेटिव को, दुष्प्रचार को ध्वस्त करता है। स्याही लगी अंगुलियों को काट देने का फरमान जारी करते हैं माओवादी, और फिर भी हमारे आदिवासी भाई-बहन जम कर वोट करते हैं। मैदानी क्षेत्रों से अधिक मत प्रतिशत बस्तर में होता है। पिछले लोकसभा चुनाव में हमारे विधायक भीमा मंडावी जी की हत्या कर दी गई थी। उसके दो दिन बाद ही चुनाव थे। आपको जान कर आश्चर्य होगा कि दिवंगत विधायक का परिवार फिर भी कतार में खड़ा था वोट डालने के लिए। यह समर्पण है लोकतंत्र के प्रति बस्तर के आदिवासियों का। हम सभी जानते हैं कि आज देश भर में भाजपा के पक्ष में सबसे अधिक संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी हम सभी 11 लोकसभा सीट जीतने के प्रति आश्वस्त हैं। ऐसे में नक्सली चुनावी संभावनाओं को प्रभावित कर किसे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, यह कहने की आवश्यकता नहीं है। हाल ही में एक बड़े अखबार ने बाकायदा रिपोर्ट प्रकाशित थी की कि माओवादी लगातार भाजपा के खिलाफ दल विशेष के पक्ष में वोट करने का दबाव बनाते हैं। इससे अधिक क्या कहा जाए?

रामलला का दर्शन कर निहाल हुए 30 देशों के 400 रामभक्त

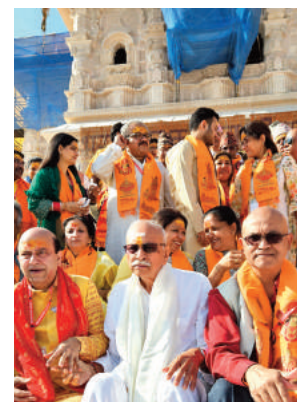

▪ 90 विदेशी रामभक्तों ने हनुमान चालीसा पढ़ कर किया रामलला का दर्शन

अयोध्या, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीरामलला का दर्शन करने सोमवार को 30 देशों से 90 विदेशी श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं का नेतृत्व वैश्विक भारत के ब्रांड अंबेस्डर व दिल्ली स्टडी ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने किया।

सभी श्रद्धालुओं का स्वागत रामनामी अंगवस्त्र देकर व माथे पर चंदन का तिलक लगाकर किया गया। इससे पहले बीती शाम सभी श्रद्धालु सरयू घाट पर आरती में भी शामिल हुए। इस टोली ने हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचकर राम भक्त बजरंगबली का आशीर्वाद भी लिया। वहीं सोमवार को सभी ने श्रीराम मंदिर में बैठकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों की 400 श्रद्धालुओं की टोली ने भी रामलला के दर्शन किए।

अयोध्या पहुंचने वालों में प्रमुख रूप से भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्स-ोप नामग्याल, काउंसलर दोरजिक किंजांग, चीन गणराज्य (ताइवान) प्रतिनिधि कुमारी त्साई जेन चुन, भारत में रोमानिया महावाणिज्य दूत विजय मेहता व टुवालू महावाणिज्य दूत डॉ. दीपक जैन और निर्वासित तिब्बत संसद के स्पीकर खेंपो सोनम तेनफेल उपस्थित रहे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

दर्शन करने वाले प्रवासी भारतीयों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, चीन गणराज्य (ताइवान), ताजिकिस्तान, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका इत्यादि देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। सभी के भोजन की व्यवस्था दिल्ली के समाजसेवी गोपाल गर्ग ने की। बता दें कि बीते वर्ष 23 अप्रैल 2023 को डॉ. जौली की पहल पर 156 देशों व 7 महाद्वीपों के नदियों व समुद्रों के जल से राम मंदिर में अभिषेक किया गया था।

इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल,विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश,उज्बेकिस्तान के व्यवसायी अशोक के. तिवारी (प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित), भूपेंद्र कंसल (महामंत्री हिमालय परिवार) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संकट मोचन संगीत समारोह : 27 अप्रैल से दो मई

छह दिन में दरबार में हाजिरी लगाएंगे 150 कलाकार

वाराणसी, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संकट मोचन संगीत समारोह 27 अप्रैल से शुरू होगा और दो मई तक चलेगा। सात दिन के बजाय इस बार छह दिन तक चलने वाले समारोह में 150 कलाकार हनुमत दरबार में हाजिरी लगाएंगे। इससे पहले हनुमान जयंती पर मंगलवार को विशेष शृंगार होगा। रामनाम का संकीर्तन किया जाएगा। संकट मोचन संगीत समारोह का यह 101वां वर्ष है। संकटमोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र ने रविवार को तुलसी घाट स्थित आवास पर पत्रकारों से बात की और संगीत समारोह के बारे में जानकारी दी। महंत प्रो. मिश्र ने बताया कि इस बार युवा कलाकारों को संगीत समारोह में वरीयता दी गई है। 12 पद्म पुरस्कार विजेता कलाकार भी शिरकत करेंगे।

प्रख्यात गायिका कविता कृष्णमूर्ति बजरंगबली की स्तुति करेंगी। पंडित साजन मिश्र अपनी स्वरांजलि हनुमानजी के चरणों में अर्पित करेंगे। यह पहला मौका होगा, जब ध्रुपद गायकी भी लोगों को सुनने को मिलेगी।

संगीत की अलग-अलग विधा के 13 कलाकार ऐसे हैं, जो संकट मोचन संगीत समारोह में पहली बार हाजिरी लगाएंगे। इनमें वाराणसी की अवंतिका महाराज व डॉ. के शशि कुमार, मुंबई की नंदिनी नरेंद्र बेडेकर, पंडित सौनक अभिषेकी व अभेद अभिषेकी, कोलकाता की मीनाक्षी मजूमदार, पंडित सुररंजन मुखर्जी व मधुमिता राय, प्रयागराज के विजय चंद्रा व ऋषि-वरुण मिश्रा, अहमदाबाद की बीना नेहुल मेहता और बेंगलुरु की भावना रामण्णा शामिल हैं। इसके अलावा अन्य सभी एक से अधिक बार संकटमोचन संगीत समारोह में हाजिरी लगा चुके हैं।

महंत प्रो. मिश्र ने बताया कि छह दिवसीय समारोह के लिए कलाकार काशी के अलावा दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, कोलकाता, जालंधर, अहमदाबाद और लंदन से आएंगे। लंदन से तबला वादक संजू सहाय, दिल्ली से मालिनी अवस्थी, जयपुर से मोहनवीणा वादक पंडित विश्व मोहन भट्ट, मुंबई से भक्ति गायक अनूप जलोटा, सितार वादक निलाद्रि कुमार आएंगे। उस्ताद अकरम खान तबला वादन करेंगे। चेन्नई के मैंडोलिन वादक यू राजेश और ड्रम प्लेयर शिवमणि प्रस्तुति देंगे। हैदराबाद से आने वाले मृदंगम वादक येल्ला वैंकटेश्वर राव की प्रस्तुति भी देखने को मिलेगी।

संकटमोचन मंदिर के महंत ने बताया कि हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में श्री रामायण सम्मेलन सभा काशी का 101वां अधिवेशन होगा।

विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय पीएम मोदी की पहचान

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में जनता की आकांक्षा के अनुरूप विकास के कार्य हुए हैं। ये पहली बार देश में देखने को मिला है। विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय पीएम मोदी की पहचान है। इस दिशा में अद्भुत कार्य हुए हैं।

उन्होंने बताया कि इन मुद्दों पर चर्चा करने पर पब्लिक का रिस्पांस मिलता है। जिन मुद्दों पर पब्लिक का सबसे ज्यादा समर्थन मिला है वो है इन्फ्रास्ट्रक्चर। आज देश में हाईवे दोगुने हुए हैं। 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे आज इनकी संख्या डेढ़ सौ से ज्यादा हैं। कांग्रेस के समय केवल एक एम्स बना था। अटल जी की सरकार के समय छह नए एम्स की स्थापना हुई। पीएम मोदी के कार्यकाल में इनकी संख्या 22 हो गई है। इसी प्रकार आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी का विस्तार और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज विकास की नई गाथा कह रहे हैं। सीएम योगी सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार देश में विरासत का सम्मान भी देखने को मिला है। काशी में विश्वनाथ धाम, महाकाल में महालोक, केदारपुरी, बद्रीनाथ और सोमनाथ मंदिर का पुनरुद्धार और अयोध्या में 500 इंतजार का समाप्त होना व प्रभु श्रीराम का पुन: विराजमान होना। इसके साथ ही इन सभी नगरियों का कायाकल्प भी हुआ है। काशी में पहले 50 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे। आज 50 हजार भी आ जाएं तो कोई दिक्कत नहीं। अयोध्या में 500 लोग आ जाते थे तो संकट खड़ा हो जाता था, आज 5 लाख भी आ जाएं तो परेशानी नहीं।

सीएम योगी ने कहा कि आस्था से जुड़े केंद्रों के बारे में हमें नया स्वरूप हमें देखने को मिला है। विरासत और विकास का ये अद्भुत समन्वय अगर किसी एक महापुरुष के विजन और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज देश में देखने को मिला है तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। जनता इन मुद्दों को पूरा समर्थन दे रही है।

फतेहपुर सीकरी, आगरा और हाथरस की जनसभाओं में बोले योगी

विपक्षियों को छुट्टी दीजिए और बोलिए... जाओ, खूब फातिहा पढ़ो

अयोध्या और काशी ने लक्ष्य पा लिया, अब ब्रज की बारी है

योगी का दावा : पहले चरण में आठों सीट जीत रही भाजपा

फतेहपुर सीकरी/अलीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के लिए दो रैली की। पहली रैली फतेहपुर सीकरी के किरावली में सांसद व उम्मीदवार राजकुमार चाहर के लिए की। दूसरी रैली में उन्होंने अलीगढ़ से उम्मीदवार सतीश गौतम व हाथरस से प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' को कमल के फूल पर वोट देकर सदन भेजने की अपील की। अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में सीएम योगी ने विश्वास दिलाया कि यूपी में पहले चरण की सभी आठों सीटों पर कमल खिलेगा। मुख्यमंत्री फतेहपुर सीकरी में सपा-बसपा व कांग्रेस पर काफी बरसे। उन्होंने मतदाताओं से घर-घर जाने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फतेहपुर सीकरी में कहा कि अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है। अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग माफिया की कब्र पर जाकर फातिहा पढ़ रहे हैं। चुनाव में इन्हें बोल दीजिए, वोट तो कमल पर जाएगा, तुम लोगों को पांच साल की छुट्टी दे रहे हैं, जाओ-खूब फातिहा पढ़ो। हम अयोध्या में रामलला का दर्शन करा रहे हैं तो माफिया का राम-नाम सत्य भी करा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि रामनवमी के दिन भगवान राम का सूर्य तिलक हुआ था। एक तरफ कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग कहते थे कि क्या प्रमाण है कि राम का जन्म अयोध्या में हुआ। य़ह कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं, जैसे लगता था कि इस सृष्टि के पहले कांग्रेस, सपा-बसपा ही पैदा हो गई थी। आपका दायित्व बनता है कि राम-कृष्ण पर प्रश्न खड़े करने वालों, गंगाजल के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसा दीजिए। पीएम मोदी ने ही अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया और प्राण-प्रतिष्ठा भी की।

सूर्य तिलक के समय पीएम भले ही अयोध्या में नहीं थे, लेकिन उनका मन अयोध्या में ही था। सीएम ने कहा कि आपके सांसद राजकुमार चाहर पूरे देश के किसानों के लिए कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अलीगढ़ के सांसद/भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम व हाथरस से अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' के लिए वोट मांगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा-बसपा व कांग्रेस के लोगों ने आपको विकास से वंचित रखा, आस्था से खिलवाड़ किया।

सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया। अब अवसर आ गया है, चुनाव के माध्यम से उनकी किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगाइए और तीसरी बार पीएम मोदी के हाथों में देश की सत्ता सौंपिए। सीएम योगी ने कहा कि पहले चरण का चुनाव संपन्न हुआ। देश के अंदर 102 लोकसभा सीटों पर जनता-जनार्दन के मन में उत्साह व उमंग रहा। पीएम मोदी के दस वर्ष के कार्यों को ध्यान में रखते हुए जनता-जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

यूपी की सभी आठ सीटों पर विपक्षी दलों का खाता नहीं खुलने जा रहा है। दूसरे व तीसरे चरण के लिए भी मतदात-ाओं से यही आह्वान है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने अलीगढ़ व हाथरस की जनता को वह सब कुछ दिया है, जिसकी दशकों से मांग थी

सेवा कानून मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला

निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत होगा काम

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कहा कि कानून किसी चीज को जैसा कहता है उसे उसी प्रक्रिया के तहत किए जाए, अन्यथा नहीं। इस अहम विधिक व्यवस्था के साथ न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह ने सेवा कानून के मामले में सहायक महिला बैंक प्रबंधक के कानपुर से वड़ोदरा (गुजरात) किए गए तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने यह फैसला कविता गिरि की याचिका पर दिया। याची ने बैंक ऑफ बड़ौदा प्रशासन के 4 नवंबर 2023 को पारित तबादला आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया था। याची कहना था कि उसका तबादला खासतौर पर महिला बैंक अधिकारी संबंधी तबादला नीति के खिलाफ किया गया है।

उधर, बैंक प्रशासन की ओर से याचिका का विरोध कर कहा गया कि बैंक की तबादला नीति के तहत ही याची का एक जोन से दूसरे जोन में तबादला किया गया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि याची का तबादला आदेश, तबादला नीति के किसी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है। हाईकोर्ट ने कहा कि किसी कानून के तहत बने नियमों को एक साथ पूरा पढ़ा जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने कई नजीरों के हवाले से कहा कि अगर कानून किसी चीज को करने के लिए खास प्रक्रिया अपनाकर खास तरीके से किया जाना कहता है, तो कानूनी प्रक्रिया अपनाकर उसे उसी तरह किया जाएगा, अन्यथा नहीं। इस विधिक व्यवस्था के साथ हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

मंत्री संजय निषाद के साथ मारपीट

सपा के भड़काने पर हुआ हमलाः निषाद

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री के साथ मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना संत कबीर नगर की बताई जा रही है। संत कबीर नगर में ही कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के ऊपर हमला किया गया। इस हमले में उन्हें मामूली चोट आई। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद रविवार की रात एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

जब वह शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे तो वहां पर कुछ लोग सांसद प्रवीण निषाद के बारे में अपशब्द का इस्तेमाल कर रहे थे। जब कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने उन लोगों को समझाने का प्रयास किया तो आक्रोशित युवकों ने उन पर हमला कर दिया। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के साथ सुरक्षाकर्मी और कुछ लोगों ने बीच बचाव किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को कुछ मामूली चोट आई। उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उपचार के कुछ देर बाद उन्हें अस्प-ताल से घर जाने की अनुमति दे दी।

इस मामले में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के पीएसओ ने आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने ग्राम प्रधान राधेश्याम यादव, जय प्रकाश यादव, दुर्ग विजय यादव, पीएसी के सिपाही अभिषेक यादव, सुरेंद्र यादव एवं गजेंद्र यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि अपशब्दों का इस्तेमाल, मारपीट एवं जानलेवा हमला करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद का कहना है कि समाजवादी पार्टी के उकसाने पर इस प्रकार का हमला किया गया है। वह संत कबीर नगर जनपद के मोहम्मदपुर कठा गांव में एक शादी में शामिल होने गए थे। वहां पर कुछ युवक सांसद प्रवीण निषाद के बारे में अपशब्दों का प्रयोग करने लगे। जब उन्होंने समझाने का प्रयास किया तो अभियुगण मारपीट पर उतर आए और उन लोगों ने हमला कर दिया। यह हमला पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के उकसावे पर किया जा रहा है।

कन्नौज से अखिलेश नहीं तेजप्रताप यादव लड़ेंगे चुनाव

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को कन्नौज सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। इस सीट पर तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस सीट से चुनाव लड़ेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमवार को सपा ने कन्नौज के अलावा बलिया सीट पर भी उम्मीदवार की घोषणा की। इस सीट पर सनातन पांडेय को टिकट दिया गया है।

अखिलेश यादव प्रदेश में दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए प्रचार कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मिलकर अमरोहा में रैली को संबोधित किया था। जहां उन्होंने दावा किया था कि पहले चरण के मतदान में एनडीए पिछड़ गया है। यही आगे के भी चरणों में होना है। उन्होंने कहा था कि अखिलेश ने कहा था कि प्रधानमंत्री हमारी पिक्चर रिजेक्ट होने की बात कर रहे थे लेकिन पहले चरण के चुनाव में शुक्रवार को उनकी फिल्म फ्लॉप हो गई। उनकी सब खिड़की खाली रहीं। मैंने पहले भी कहा था पश्चिम की हवा प्रदेश में ही नहीं देश से भाजपा का सफाया करेगी। यूपी वाले जब स्वागत करते हैं तो दिल खोल कर करते हैं और जब विदाई करते हैं तो ढोल नगाड़ों के साथ करते हैं। दूसरे चरण में प्रदेश की अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा की सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। पहले चरण में सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है।

बालों को स्ट्रेटनर से सीधा करने का सही तरीका

सीधे बाल हमेशा ही अच्छे दिखते हैं। यहाँ बताया गया है कि आप किस प्रकार सही तरीके से बालों को सीधा कर सकते हैं। आजकल सीधे बालों का फैशन पुन आ गया है। क्या आप सोचती हैं कि सीधे बालों का फैशन बहुत पुराना हो गया है? नहीं, ऐसा नहीं है।

अत आपको जानना चाहिए कि आप किस प्रकार बालों को सही तरीके से सीधा बना सकती हैं। क्योंकि सीधे बालों का फैशन पुन आ गया है अत: सही तरीका जानना बहुत आवश्यक है क्योंकि गलत तरीके से आपके बालों को नुकसान हो सकता है। निश्चय ही हम आपको यह सलाह नहीं देंगे कि आप रोज अपने बालों को सीधा करें। परन्तु क्या आप जानते हैं कि यदि आप इसे सही तरीके से करेंगी तो आपको बालों को सीधा करने की जरूरत नहीं होगी और एक बार सीधा करने पर बाल कुछ दिनों तक सीधे ही रहेंगे।

तो बालों को रोज सीधा करने से अच्छा है कि सही तरीका अपनाया जाए, हैं कि आजकल बहुत से सेलिब्रिटीज इस स्टाइल को अपना रहे हैं। यदि आपके बाल सीधे ही हैं तो आपको अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है।परन्तु यदि आपके बाल वेवी या कर्ली (घुंघराले) हैं तो इसमें कुछ समय लग सकता है। तो यहाँ बालों को सीधा करने का सही तरीका बताया गया है। इन सलाहों को माने और सही तरीके से अपने बालों को सीधा करें।

कंघी करें

अपने बालों को कंघी करें ताकि इसमें कोई गठान न रह जाएँ। उलझे हुए बाल होने से बालों को सीधा करने से तकलीफ होती है और बालों को नुकसान भी होता है। बालों को सीधा करने की प्रक्रिया में यह सबसे महत्वपू र्ण चरण है जिसे छोड़ना नहीं चाहिए।

हीट प्रोटेक्ट

यदि आप अपने बालों को सीधा कर रही हैं तो हीट प्रोटेक्टिंग क्रीम या मिस्ट का उपयोग बहुत आवश्यक है। हीट स्टाइलिंग से आपके बालों को नुकसान होता है और इस तरह के स्प्रे या क्रीम आपके बालों और हीट टूल्स के बीच एक रोधक बना देते हैं।

ब्लो ड्राय

बालों को प्रोटेक्ट करने के बाद ब्लो ड्राय से अपने बालों को सेट करें। ब्लो ड्राय करने के बाद आप अगले चरण की तरफ बढ सकते हैं।

बालों को बाँटें

अब जब आपके बाल सेट हो चुके हैं तो बालो को छोटे छोटे भागों में बांटे और उनमें क्लिप लगायें। इन सेक्शन का आकार आपकी सहूलियत के अनसार रखें।

सेक्शंस को सीधा करें

अब एक सेक्शन को छोडे और एक समय में एक सेक्शन को सीधा करें। आपको प्रत्येक सेक्शन पर एक से अधिक बार भी स्ट्रेटनर चलाना प? सकता है जब तक यह ठीक तरह से स्ट्रेट न हो जाएँ। यदि आप पहली बार टूल का उपयोग कर रहे हैं तो इसका संभालकर उपयोग करें और जब बालों में कंघी करें या सेक्शन बनायें तब इसे दूर रखें।
सीरम–सीरम का उपयोग करके बालों को सेट करें। इससे बाल अधिक समय तक स्ट्रेट बने रहेंगे और बालों में चमक भी आएगी।

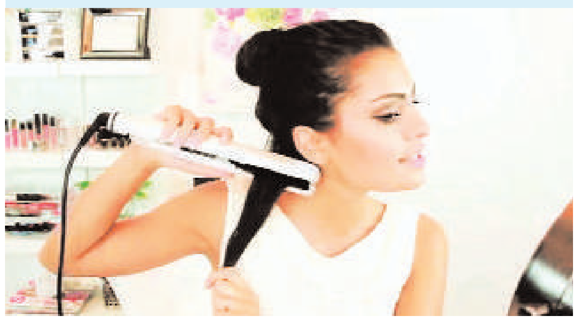

छिन सकती हैं आपकी प्यारी मुस्कान

धूम्रपान करने से दांत पीले हो जाते हैं। लेकिन इसके नुकसान अधिक भयावह होते हैं। किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन करने से आपके दांतों और मसूड़ों को बेहद नुकसान पहुंचाता है। इससे गले और मुंह का कैंसर हो सकता है और कई मामलों में यह मृत्यु का कारण भी बन सकता है। तंबाकू में मौजूद टार से दांतों पर एक परत जम जाती है, जिसमें बैक्टीरिया उत्पन्न होता है। दांतों और मसूड़ों को काफी नुकसान हो सकता है।

नहीं छूट रही सिगरेट की लत तो अपनाएं ये टिप्स!

आज का लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसा है कि हर कोई इस तनाव भरी और भागदौड़ भरी जिंदगी में अपने काम में घंटो तक लगा रहता है और कई बार इसी कारण कुछ लोगो को सिगरेट पीने की लत लग जाती है। जिससे पीछा छुडाना बहुत मुश्किल हो जाता है।इस लत का आदि आदमी किसी काम में अपना मन नहीं लगा पाता उसे थोड़ी थोड़ी देर बाद सिगरेट पीना पढ़ता है। ऐसा व्यक्ति दूसरों को भी नुकसान पहुंचाता है।इस आदत से पीछा छुडाने के लिए लोग डॉक्टर से लेकर कई अन्य उपाय अपनाते हैं,लेकिन फिर भी इस बुरी लत से पीछा नहीं छुड़वा पाते। लेकिन कहते है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती बस आपके अंदर उसे छोड़ने का दृढ़-निश्चय होना चाहिए।इसके लिए आपको किसी दवा की जरूरत नहीं है बस इन 10 घरेलू नुस्खों को अजमा कर आप सिगरेट पीने की लत से आसानी से पीछा छुड़ा सकते हैं।

1. शहद के साथ मूली का सेवन करने से जल्दी ही इस लत को छोड़ने में मदद मिलती है।

2. जब भी आपका सिगरेट पीने का मन करे तो अदरक के टुकड़े में नींबू का रस और काला नमक लगाकर चूसें, यह स्मोकिंग की इच्छा को कम करता है।

3. नमक लगे हुए आंवले के टुकड़ों को स्मोकिंग की इच्छा होने पर चूसने से यह आदत छूट जाती है।इसमें मौजूद विटामिन सी निकोटिन की आदत छुड़ाने में मदद करता है।

4. जब भी सिगरेट पीने की इच्छा हो तो चुइंगम चबाना चाहिए।इससे ध्यान हट जाएगा और इसे पाने को मन नहीं करेगा।

5. यदि आप अपनी डायट में लाल मिर्च को शामिल करे तो यह निकोटिन की इच्छा को कम करने में मदद करती है।

6. इसमें व्यक्ति को शहद चाटना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन्स और प्रोटीन इस लत को छुडवाने में काफी मददगार है।

7. जब भी सिगरेट पीने की तलब लगे आप दालचीनी का एक टुकड़ा अपने मुंह में रखकर चूसें।दालचीनी का तीखा स्वाद निकोटिन से आपका ध्यान हटाने में मदद करेगा।

8. इस लत से छुटकारा पाने के लिए दिनभर में दो से तीन बार बेकिंग सोड़ा को पानी में घोलकर पीना चाहिए।

9. इससे पीड़ित आदमी अपनी डायट में ओट्स को जरूर शामिल करें क्योंकि ओट्स शरीर के विषैले तत्व बाहर निकाल देता है और स्मोकिंग की इच्छा कम होने लग जाती है।

10.यदि आप दिनभर में 6-8 ग्लास पानी पीते हैं तो इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहती है और शरीर में पानी की मौजूदगी निकोटिन के बूरे प्रभाव को कम करती है।

धूम्रपान का सेवन कर रहा यौन क्षमता को प्रभावित

धूम्रपान से न सिर्फ दिल का दौरा, लकवा और रक्तचाप बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, बल्कि यह पुरुषों की यौन क्षमता पर भी असर कर सकता है। जो लोग दिन में 20 सिगरेट पीते हैं उनमें मर्दाना ताकत कम होने की संभावना 40 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, यह जानकारी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मनोनीत अध्यक्ष डॉ। के.के. अग्रवाल ने दी। उन्होंने कहा कि धुएं में मौजूद निकोटीन विभिन्न अंगों को सिकोड़ सकता है। %टोबैको कंट्रोल% में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक धूम्रपान करने वाले 16 से 59 वर्ष के पुरुषों में मर्दाना कमजोरी की संभावना दोगुनी होती है।

शादी के कपड़ों को ऐसे सहेज कर रखें

हर नवविवाहिता अपनी शादी के कपड़ों को सहेज कर रखना चाहती हैं। महंगे और भारी भरकम दुल्हन के कपड़ों को नमी से बचाकर लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सही ढंग से बैग में रखना चहिए। डिजाइनर श्वेता चौधरी के सुझावों को अपनाकर आप भी अपनी शादी के यादगार कपड़ों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती हैं।

- अलमारी में शोल्डर स्ट्रैप की तरह लटकाकर कपड़े रखने के बजाय छोरों से लटका कर रखें अन्यथा यह कपड़े को ढीला कर देगा।
- कपड़ों को तह करके रखते समय बीच में कोई प्लेन पेपर लगा कर तह करें जिससे आपकी कढ़ाई व कपड़ों की रौनक नहीं खराब होगी।

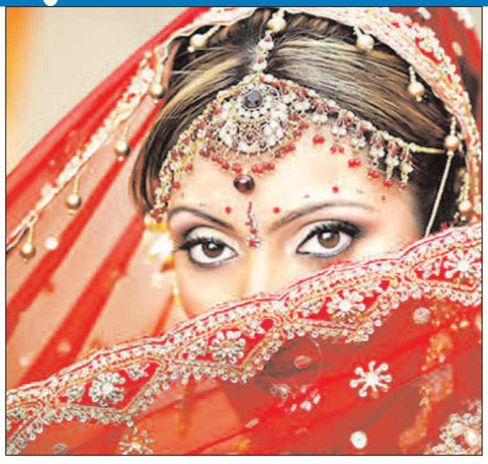

- कपड़े को पारदर्शी सिलोफन बैग में रखें क्योंकि यह नमी रोधी होता है।
- तेज प्रकाश या कड़ी धूप से कपड़े को बचा कर रखें क्योंकि इससे कपड़े का रंग बदल सकता है।
- दुपट्टे को उपर्युक्त बताए हुए तरीकों से सुरक्षित रखा जा सकता है। जबकि ब्लाउज को टांग कर या तह लगाकर रखने से यह लंबे समय तक सुरक्षित रह सकता है।
- जिस स्टोर, शोरूम या दुकान से आप शादी के कपड़े खरीदें वहां से इन्हें सुरक्षित रखने के लिए और भी पारदर्शी बैग मांग लें।

घर में चार चांद लगाते खूबसूरत रंग

पुराने रंग की दीवारों से घर में बोरियत आने लग जाती है। यदि आप अपने ड्रीम होम का मेकओवर चाहते हैं तो आप अपने घर की दीवारों को नए खूबसूरत रंगो से पेंट करवाएं। यदि घर का लुक बदलता रहे तो दिल और दिमाग दोनों ही खुश और अपनी जगह पर रहते हैं। घर के इंटीरियर को चेंज करना कोई फैशन नहीं बल्कि ये जरूरत है। क्योंकि सारे दिन की थकान हम घर पर ही आकर उतारते हैं। डिजाइनर दीवारें पेंट करवाने के बदलते तरीकों से आप अपने घर का लुक बिल्कुल चेंज कर सकते हैं।

1. ग्रीन : अगर आप प्रकृति के करीब रहना पसंद करते है तो घर को ग्रीन कलर से पेंट करवाए। ग्रीन कलर से घर को सॉफ्ट लुक मिलता है। इसके अलावा ट्रेंडी लुक देने के लिए ऑलिव ग्रीन कलर बैस्ट है।

2. ऑरेंज : घर को न्यू लुक देने के लिए ऑरेंज कलर का चुनाव करें। कमरे की एक दीवार को ऑरेंज कलर से पेंट करवाएं और बाकी दीवारों के लिए न्यूट्रल कलर जैसे ऑफ व्हाइट, बेज आदि का इस्तेमाल करें।

3. ब्लू : यह रंग आंखों को सुकून देता है। जिस कमरे में सनलाइट भरपूर आती हो तो उसके लिए सही है। अगर कमरा छोटा हो तो डार्क ब्ल्यू कलर का इस्तेमाल ना करें। यह रंग हमें तनावमुक्त रखने में मदद करता है।

4. येलो : रूम का येलो कलर ताजगी का एहसास दिलाता है। अगर आप अपने रूम को येलो कलर से पेंट करा रही हैं तो इसके साथ व्हाइट, ऑफ व्हाइट, लाइम ग्रीन कलर की एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें। ये कॉम्बिनेशन रूम को ब्राइट और ट्रेंडी लुक देता है।

5. रेड : रेड कलर सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है। अगर आप बेडरूम या किसी अन्य रूम को रोमांटिक व हॉट लुक देना चाहते हैं तो उसका मेकओवर हॉट रेड कलर से करें। कमरे की सभी दीवारों के बजाएं किसी एक दीवार पर रेड कलर करवाएं।

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखते हैं ये पौधे

सभी लोगों को अपने घर और दफ्तर में पौधे लगाने का शौंक होता है। इससे वातावरण स्वच्छ रहता है और घर भी सुंदर लगता है। ज्यादातर लोग घरों में रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे लगाते हैं लेकिन कुछ ऐसे पौधे होते हैं जिन्हें घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा फैलती है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ प्लांट्स के बारे में

1. लिली : लिली एक ऐसा पौधा है जिसके फूल बहुत ही सुंदर होते हैं। यह घर को तो सुंदर रखता ही है, साथ में हानिकारक और विषैली गैसों को घर से बाहर निकालता है। इसके अलावा यह मानसिक और शारीरिक समृद्धि भी प्रदान करता है। यह पौधा अंधेरे और सूरज की रोशनी के बिना ही पनपता है इसलिए इसे घर के अंदर किसी भी कोने में रख सकते हैं।

2. चमेली :पति-पत्नी में मधुर संबंध बनाए रखने में यह पौधा काफी सहायक है। जैस्मीन का पौधा सकारात्मक ऊर्जा को अपनी तरफ आकर्षित करता है और संबंधो को मजबूत बनाता है। इस पौधे को घर के उत्तर-पूर्वी हिस्से में रखने से फायदा होता है।

3. रोजमैरी : रोजमैरी के पौधे में छोटे-छोटे लेकिन बहुत ही खूबसूरत फूल लगे होते हैं जो घर की शोभा बढ़ाते हैं। यह हानिकारक और विषैले पदार्थों को खत्म करके हवा को साफ करता है और बीमारियों को दूर रखता है। रोजमैरी के फूलों की सुंगध से मूड बदल जाता है और मन को शांति मिलती है।

4. मनी प्लांट: यह एक ऐसा पौधा है जो हर घर में आसानी से देखने को मिलेगा। इससे घर में ताजगी और हरियाली आती है। घर की नैगेटिव ऊर्जा और स्ट्रैस को दूर करने के लिए किसी कोने में इस पौधे को लगाना चाहिए।

5. आर्किड : यह बहुत ही सुंदर सफेद रंग के फूलों वाला पौधा है जो पॉजिटिव ऊर्जा को घर में बिखेरता है। यह सभी आकार में मिल जाता है और इसके फूल काफी लंबे समय तक फ्रैश रहते हैं। ऑर्केड का पौधा रात के समय ऑक्सीजन गैस छोड़ता है जो सांस लेने के लिए बहुत जरूरी होती है। ऐसे में इस पौधे को कमरे के अंदर रखना चाहिए।

छुट्टियों में हैदराबाद जा रहे हैं, ऐसे करें एन्जॉय

जिस तरह लखनऊ को नवाबों का शहर कहा जाता है उसी तरह हैदराबाद निजामों का शहर कहलाता है। यहां के पुराने शहर में जहां आज भी निजामों की शान-ओ-शौकत मौजूद है वहीं, न्यू हैदराबाद आईटी सेक्टर का हब है। लिहाजा इस बार अगर आप छुट्टियों में हैदराबाद जाने की प्लैनिंग कर रहे हैं तो इन जगहों पर जाना न भूलें-

चार मिनार

दुनियाभर में हैदराबाद की पहचान अगर किसी चीज से है तो वह है चार मिनार। चार मिनार घूमें बिना आपकी हैदराबाद की यात्रा पूरी नहीं होगी। खासतौर पर रात के वक्त रोशनी में डूबा हुआ चार मिनार और भी खूबसूरत लगता है।

मक्का मस्जिद

मक्का मस्जिद भारत की सबसे बड़ी और प्रसिद्ध मस्जिदों में से एक है। मक्का से लाए गए पत्थरों से इस मस्जिद का मेहराब तैयार किया गया था। यही वजह है कि इसका नाम मक्का मस्जिद पड़ा।

गोलकोंडा फोर्ट

गोलकोंडा फोर्ट अपने खूबसूरत महलों,

वॉटर सप्लाई सिस्टम और अकूस्टिक्स के लिए जाना जाता है। इस किले में शाम के वक्त स्पेशल साउंड ऐंड लाइट शो होता है जिसे आपको मिस नहीं करना चाहिए।

हुसैनसागर झील

ट्विन सिटी हैदराबाद और सिकंदराबाद के बीच बहती है हुसैनसागर झील जिसके बीचों बीच स्थित है भगवान बुद्ध की मूर्ति। यहां आकर मोटर बोट्स के जरिए आप बुद्ध की मूर्ति की सैर कर सकते हैं।

रामोजी फिल्म सिटी

हैदराबाद में बेस्ड है तेलगू भाषा की टॉलिवुड फिल्म इंडस्ट्री और हैदराबाद में ही है रामोजी फिल्म सिटी जो दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो कॉम्प्लेक्स है। यह पूरा स्टूडियो 1600 एकड़ में फैला हुआ है। आप यहां बस के जरिए पूरे फिल्म सिटी की सैर कर सकते हैं।

चौमाहाला पैलेस

1750 सन में इस महल का निर्माण शुरू हुआ था और इससे बनने में करीब 100 साल का वक्त लगा। यह पैलेस इतना खूबसूरत है कि जब आप इसके अंदर जाएंगे तब आपको इस बात का अंदाजा लगेगा कि आखिर इसे बनने में इतना वक्त क्यों लगा। यह निजामों की सबसे बेहतरीन विरासतों में से एक माना जाता है।

बिरयानी का लुत्फ उठाएं

हैदराबाद आएं और बिरयानी न खाएं ऐसा कैसे हो सकता है। लखनऊ की ही तरह हैदराबाद की बिरयानी भी वर्ल्ड फेमस है।

मोती खरीदें

हैदराबाद को सिटी ऑफ पर्ल्स के नाम से जाना जाता है। यहां के मोती दुनियाभर में मशहूर हैं। लिहाजा हैदराबाद जाएं तो मोती खरीदना न भूलें।

रात में नहाने के ये बेमिसाल फायदों के बारे में जरूर जानें

सुबह के समय तो हर कोई नहाता है लेकिन रात में हर कोई नहीं नहाता। गर्मी के मौसम में भी आजकल लोग ए.सी में रहने के कारण कम ही नहाते है।पर आपको बता दें कि रात में नहाने से जो फायदे होतें हैं वे आपको भी चौंका देंगे।डाक्टरों की माने तो दिन भर के कचरा और गंदगी भरे माहौल में रहने के बाद अगर नहाकर नहीं सोते तो गंदगी के रास्ते वायरल शरीर में प्रवेश करने लगता है। खास तौर पर बाल और चेहरा तो ज्यादा ही प्रदूषण को झेलते हैं। आइए रात को नहाने से होने वाले फायदो के बारे में जानते हैं।

1. मोटापा : मोटापे से परेशान लोगों को रोज रात को नहाना चाहिए। क्योंकि नहाने से कैलोरी कम होती है। कैलोरी कम होने से मोटापा का खतरा कम होता है।

2. इंफैक्शन : दिनभर की गंदगी से इंफैक्शन का खतरा रहता है। जो नहाने के बाद आसानी से निकल जाता है और मौसम से होने वाले फ्लू भी नहीं होते।

3. आंखें : गर्मी में आंखों का लाल होना या फिर आई फ्लू होना आम बात है। लेकिन इससे बचाव के लिए आंखों की पूरी तरह से सफाई जरूरी है। यदि आप रात को नहाते हैं तो इससे सिर्फ आंखें ही नहीं बल्कि पूरे चेहरे की सफाई भी अच्छे से हो जाती है।

4. स्किन प्रॉब्लम : दिन में काम के दौरान कई लोगों से मिलते है। सटकर बात करते है। ऐसे में पसीने से स्किन प्रॉब्लम की संभावना रहती है। जो नहाने से दूर हो जाती है।

5. गहरी नींद : कुछ लोगों को नींद न आने की समस्या रहती है। ऐसे में उन्हें रात को जरूर नहाकर सोना चाहिए। नहाने के बाद नींद भी अच्छी आती है और अच्छी नींद सेहत के लिए जरूरी है। कई बार नहीं नहाने से रात भर नींद नहीं आती है।

6. हाजमा सही रहता : रात को नहाना खाना पचाने में भी मददगार साबित होता है। खासकर तब जब आप रात में खाना खाने के बाद नहाते है तो आपका हाजमा भी सहीं रहता है।

7. मानसिक तौर पर रिलैक्स : नहाने से दिनभर की थकान और टेंशन भी खत्म हो जाती है। आप पूरी तरह से फ्रैश हो जाते हैं। इससे आपको मानसिक परेशानी भी कम होती है।

रेसिपी

स्वादिष्ट कलाकंद

सामग्री

1/3 कप पनीर
1/4 चीनी
आधा कप मलाई
8 चम्मच मिल्कपाउडर
आधा चम्मच इलायची पाउडर
10 बादाम, बारीक टुकड़ों में कटे हुए

विधि

एक बॉउल में पनीर, मिल्क पाउडर, चीनी, मलाई, आधा चम्मच इलायची पाउडर का मिश्रण तैयार कर लें। अब तैयार मिश्रण को एक पैन में डालकर धीमी आंच पर 20-25 मिनट तक ग ढ़ा होने तक चलाते रहें। जब मिश्रण तैयार हो जाए तो उसे एक चिकनाई लगी थाली में निकाल लें। कलाकंद जब ठंडा हो जाए तो उसे बर्फी के आकार में काट लें। बादाम के लंबे कटे बारीक टुकड़ों से इसे सजाएं और जब मीठा खाने का मन करे तो इसे सर्व करें।

मेथी मुठिया

सामग्री

250 ग्राम बारीक कटी हुई मेथी, 200 ग्राम गेहूं का आटा, 100 ग्राम मक्का आटा, 100 ग्राम बेसन, 2-3 हरी मिर्च, एक अदरक का टुकड़ा, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चुटकी भर हींग, आधा चम्मच राई-जीरा, तेल, नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले गेहूं, बेसन और मक्का के आटे को एक साथ मिला लें। फिर उसमें नमक, हींग और मोयन डालकर हाथों से अच्छी तरह मिलाएं। अब मेथी को धो लें। मेथी और लाल मिर्च आटे में मिला दें। अदरक-हरी मिर्च को दरदरा पीस कर आटे में मिला दें। अब आटे को गूंथकर छोटे-छोटे मुठिए बना लें। इसके बाद एक पैन को आधा पानी से भरकर उबालने रख दें। जब पानी उबलने लगे तब ऊपर से छलनी रखें और मुठिए जमा कर ढक दें। मुठिए भाप में पक जाने के बाद उसे दो टुकड़ों में काटें। एक कड़ाही में तेल गर्म करके राई-जीरा अब, तिल्ली डालें और 1 कटी हरी मिर्च मुठियों पर डालें। खाने में पौष्टिक और कम फैट वाले मुठिए हरी चटनी या कढ़ी के साथ परोसें।

संपादकीय

मोटे मुनाफे के लिये सेहत से खिलवाड़

हाल के दिनों में देश में आई जागरूकता के चलते कई ऐसे खुलासे हुए हैं, जिसमें बहुराष्ट्रीय खाद्य उत्पादों के हथकंडों का पता चला है। जिन खाद्य उत्पादों को दशकों से बच्चों की सेहत का राज बताया जा रहा था, परीक्षणों में पाया गया कि तेज मीठे की लत डालकर बच्चों को स्थायी ग्राहक बनाया जा रहा था। जांच के बाद सरकार ने बॉर्नविटा को सेहतवर्धक बताने वाले प्रचार को रोकने के लिये कहा था। अब इस कड़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले ने सफाई दी है कि उसके शिशु आहार उत्पादों में चीनी की मात्रा घटाई गयी है। यानी इससे पहले बच्चों को इस उत्पाद की आदत डालने के लिये भारत में इसमें अधिक चीनी की मात्रा मिलायी जा रही है। दरअसल, हाल ही में एक स्विस स्वयं सेवी संगठन 'पब्लिक आई' और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के निष्कर्षों से खुलासा हुआ कि नेस्ले कंपनी ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत तथा अन्य विकासशील देशों, अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। नेस्ले इंडिया का दावा है कि उसने अब अपने उत्पादों में तीस फीसदी तक चीनी की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी नेस्कैफे, सेरेलैक व मैगी जैसे चर्चित उत्पादों का कारोबार करती है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का रवैया कितना भेदभावपूर्ण व दुराग्रह से भरा हुआ है कि छह महीने के बच्चों को दिया जाने वाला नेस्ले का गेहूं पर आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है। लेकिन भारत में सेरेलैक के 15 उत्पादों के अध्ययन के बाद खुलासा हुआ है कि एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। अन्य विकासशील देश फिलीपीन्स में चीनी की मात्रा 7.3 ग्राम पाई गई। ऐसा शिशुओं को इसकी लत लगाने और लागत घटाने के मकसद से किया गया। जो निश्चित रूप से शिशुओं के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिससे कई तरह के रोगों का भी जन्म होता है। यह विडंबना ही है कि उपनिवेशवाद के चलते पूरी दुनिया का शोषण करने वाले यूरोपीय व पश्चिमी देश लोकतांत्रिक स्वरूप वाले विश्व में भी व्यापारिक हथकंडों के जरिये विकासशील देशों का दोहन कर रहे हैं। दरअसल, खाद्य पदार्थों व शीतल पेयों में अधिक चीनी व नमक के जरिये युवाओं को भी इन उत्पादों की लत लगाई जाती है। इससे उन्हें एक अलग से खुशी का अहसास होता है। जिससे कालांतर गैर संक्रमणीय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

खाद्य उत्पादों को दशकों से बच्चों की सेहत का राज बताया जा रहा था, परीक्षणों में पाया गया कि तेज मीठे की लत डालकर बच्चों को स्थायी ग्राहक बनाया जा रहा था। जांच के बाद सरकार ने बॉर्नविटा को सेहतवर्धक बताने वाले प्रचार को रोकने के लिये कहा था। अब इस कड़ी में बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले ने सफाई दी है कि उसके शिशु आहार उत्पादों में चीनी की मात्रा घटाई गयी है। यानी इससे पहले बच्चों को इस उत्पाद की आदत डालने के लिये भारत में इसमें अधिक चीनी की मात्रा मिलायी जा रही है। दरअसल, हाल ही में एक स्विस स्वयं सेवी संगठन 'पब्लिक आई' और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के निष्कर्षों से खुलासा हुआ कि नेस्ले कंपनी ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत तथा अन्य विकासशील देशों, अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। नेस्ले इंडिया का दावा है कि उसने अब अपने उत्पादों में तीस फीसदी तक चीनी की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि यह कंपनी नेस्कैफे, सेरेलैक व मैगी जैसे चर्चित उत्पादों का कारोबार करती है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का रवैया कितना भेदभावपूर्ण व दुराग्रह से भरा हुआ है कि छह महीने के बच्चों को दिया जाने वाला नेस्ले का गेहूं पर आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है।

इस अस्वस्थ खाना-पान से कई रोग उत्पन्न होते हैं। इन स्वास्थ्य समस्याओं में वजन बढ़ना, मोटापा और कालांतर मधुमेह जैसे रोग हो सकते हैं। इसी तरह शीतल पेय, डिब्बा बंद जूस तथाकथित एनर्जी ड्रिंक्स तथा बिस्कुट में चीनी की मात्रा काफी अधिक होती है। इन उत्पादों की गिनती अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के रूप में होती है। हाल के दिनों में एक ब्रिटिश जनरल में खुलासा हुआ कि ऐसे खाद्य पदार्थों से उम्र पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। भारतीय चिकित्सक खुलासा कर रहे हैं कि यदि आपकी डाइट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की मात्रा दस प्रतिशत से ज्यादा होती है तो व्यक्ति के शरीर में कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग व अवसाद जैसे रोग उत्पन्न हो सकते हैं। भारत में हाल के दिनों में इन रोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से विस्तार हुआ है। इस संकट का समाधान तभी हो सकता है जब हम देश में उपभोक्ताओं को जागरूक करें। साथ ही हर उत्पाद में इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि किसी खाद्य या पेय पदार्थ में कितनी मात्रा में नमक या चीनी का उपयोग किया गया है। यदि कम शर्करा वाली वस्तु है तो स्पष्ट होना चाहिए कि यह मात्रा कितना रखी गई है। दरअसल, इन उत्पादों में चीनी-नमक की मात्रा की निगरानी वाले तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। साथ ही देश में ऐसे प्रयोगशालाओं की स्थापना हर राज्य में की जाए जो लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके। साथ ही दोषी पाये जाने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई की भी व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही भ्रामक विज्ञापन करने वाले लोगों पर भी कार्रवाई हो।

सिविल अधिकारियों की जिम्मेदारी और कठिनाई पर चर्चा जरूरी

हृदयनारायण दीक्षित

वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोकहित ही रहा है। उनकी योग्यता और प्रतिभा बेजोड़ रही है। लेकिन तमाम ज्ञान गरिमा से युक्त होने के बावजूद वे भारतीय जनमानस के आत्मीय हित साधक नहीं बन सकते। प्रशासन और भारतीय जनता के मध्य दूरी है। प्रशासन एक तरह से स्थाई कार्यपालिका है। इसके कामकाज में आमजनों के साथ सम्पर्कों में संवेदनशीलता का अभाव देखा गया है। संविधान सभा में अनेक सदस्यों ने अंग्रेजीराज के सिविल ढांचे को समाप्त करने की मांग की थी। सरदार पटेल ने कहा था, "हमने इनके साथ कठिन समय में काम किया है। मेरे ख्याल से इन्हें बनाए रखना जरूरी है।"

भारतीय प्रशासनिक सेवा ने बड़ा लम्बा सफर तय किया है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक प्रशासन का मुख्य लक्ष्य लोकहित ही रहा है। उनकी योग्यता और प्रतिभा बेजोड़ रही है। लेकिन तमाम ज्ञान गरिमा से युक्त होने के बावजूद वे भारतीय जनमानस के आत्मीय हित साधक नहीं बन सकते। प्रशासन और भारतीय जनता के मध्य दूरी है। प्रशासन एक तरह से स्थाई कार्यपालिका है। इसके कामकाज में आमजनों के साथ सम्पर्कों में संवेदनशीलता का अभाव देखा गया है। संविधान सभा में अनेक सदस्यों ने अंग्रेजीराज के सिविल ढांचे को समाप्त करने की मांग की थी। सरदार पटेल ने कहा था, "हमने इनके साथ कठिन समय में काम किया है। मेरे ख्याल से इन्हें बनाए रखना जरूरी है।" पटेल ने स्वतंत्र भारत के सिविल अधिकारियों की पहली खेप को 21 अप्रैल को 1947 में सम्बोधित किया था। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था। इसीलिए इस तिथि को सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। तब से 77 वर्ष बीत गए। संवेदनशील प्रशासन राष्ट्रीय अपरिहार्यता है। उत्कृष्ट प्रशासन प्राचीन काल से ही किसी न किसी रूप में समाज के लिए जरूरी रहा है। भारत का वर्तमान प्रशासन प्राचीन काल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विकास है। इसका प्राचीनतम स्वरूप ऋग्वैदिक काल में भी मिलता है। ऋग्वेद के समाज की सबसे छोटी इकाई कुटुम्ब या परिवार थी। परिवार का सबसे वरिष्ठ कुटुम्ब का प्रधान संचालक होता था। घर के मुखिया की बात सब लोग मानते थे। अनेक परिवारों से मिलकर बनने वाली राजनीतिक इकाई 'ग्राम' थी। राजनीतिक दृष्टि से ग्राम का प्रमुख ग्रामणी कहलाता था। वह स्वयं ग्राम का प्रशासनिक अधिकारी भी था। अनेक ग्रामों से बनी बड़ी इकाई विश कहलाती थी। विश के प्रशासनिक अधिकारी को विशपति कहते थे। विश से बड़ी इकाई जन होती थी। जन के संचालक प्रशासनिक अधिकारी को गोप कहा जाता था। गोप प्रायः राजा ही होते थे। ऋग्वैदिक समाज में गणतंत्र भी थे। राजा निरंकुश नहीं था। राजा राज्याभिषेक के समय प्रजा के हित में काम करने की शपथ लेता था। राजा को जवाबदेह बनाने वाली दो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी थीं। इन्हें सभा और समिति कहा गया। लुडविग ने लिखा है, "समिति जनसाधारण की संस्था थी। सभा वरिष्ठों की संस्था थी।" उस समय के नियम सबको मान्य थे। नियम या विधि को ऋग्वेद में 'धर्मन' कहा गया है। ग्रिफ्थ ने धर्मन का अनुवाद लॉ या लॉज किया है। ग्राम में न्याय

करने के लिए ग्रामवादिन नाम की न्यायायिक संस्था भी थी। वैदिक काल के बाद सिन्धु घाटी की सभ्यता का समय (2250 ईसापूर्व से 1750 ईसापूर्व तक) आता है। व्हीलर और पिगट के अनुसार मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के राज्य ठीक से संचालित थे। सिन्धु सभ्यता में सड़कें सुनियोजित थी। जल निकासी की व्यवस्था थी। अनुमान किया जाता है यहां नागरिक संस्थाएं थीं। पिगट के अनुसार व्यवस्थित निर्माण कार्य से अनुमान लगता है कि यहां नगर पालिकाएं जैसी संस्थाएं भी रही होंगी। सम्पूर्ण सिन्धु क्षेत्र में प्रशासन व्यवस्थित था। उत्तर वैदिक काल में शक्तिशाली राजाओं का उदय दिखाई पड़ता है। उत्तर वैदिक काल में प्रशासनिक काम करने वालों की संख्या बड़ी है। महाभारत में बड़े राज्यों का उल्लेख है। चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में भारत ने पहली बार राजनैतिक एकता हासिल की। यह विशाल साम्राज्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य स्वयं में योग्य प्रशासक थे। कौटिल्य का अर्थशास्त्र, मैगस्थनीज की इंडिका, अशोक के शिलालेख व यूनानी साहित्य में मौर्य शासन व्यवस्था की तमाम जानकारी हैं। भारतीय प्रशासन के विकास में मौर्य शासन के अनेक तत्व हैं। भारत परम्परा प्रिय देश है। यहां के समाज में कालवाह्य को छोड़ने और कालसंगत को जोड़ने की क्षमता रही है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक लोक प्रशासन को जनोन्मुखी बनाने के प्रयास चलते रहे हैं। आदर्श राजव्यवस्था के संवेदनशील प्रशासन के विवरण कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलते हैं और महाभारत में भी। कौटिल्य संवेदनशील प्रशासन के व्याख्याता हैं। वाल्मीकि की रामायण में श्रीराम की आदर्श राजव्यवस्था के उल्लेख हैं। वाल्मीकि द्वारा लिखी आदर्श राजव्यवस्था काल्पनिक नहीं है। तुलसीदास ने आज से 450 वर्ष पहले रामचरितमानस लिखी थी। रामचरितमानस में भी आदर्श राजव्यवस्था की खूबसूरत झांकी है। राम राज्य कल्पना नहीं है। आदर्श राजव्यवस्था के सूत्र ऋग्वेद से लेकर आधुनिक काल तक एक जैसे हैं। अंग्रेजी सत्ता के समय भारत को साम्राज्यवाद का शोषण क्षेत्र बनाने की कोशिशें की गईं। अंग्रेजी सत्ता का उद्देश्य भारत की जनता को सुन्दर प्रशासन देना नहीं था। वे यहां से कच्चा माल इंग्लैंड ले जाते थे। उसके उपयोग से अंग्रेजी ब्रांड की वस्तुएं बनाते थे। यहाँ से कपास इंग्लैंड जाता था। वहां से 'मेड इन इंग्लैंड' के कपड़े बनकर आते थे। भारतीय व्यापारी और किसान कर्ज में डूब गए थे। अंग्रेजों का प्रशासन संवेदनहीन था। ईसाई मिशनरी अंग्रेजी सत्ता के दुरुपयोग से धर्मांतरण कराते थे। लेकिन भारतीय संस्कृति और दर्शन का डंका चारों ओर पिट रहा था। भारतीय प्रशासन के लिए इंग्लैंड से सिविल अधिकारी आते थे। मैक्समूलर भारतीय दर्शन और संस्कृति के व्याख्याता थे। उन्होंने भारत आने वाले सिविल अधिकारियों को पढ़ाया था कि दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्क भारतवासियों का है। संस्कृत दुनिया की आदर्श भाषा है। भारतीय दर्शन विज्ञान को ध्यान से समझ कर स्वयं का निजी जीवन और समाज को श्रेष्ठ बनाया जा सकता है। यह बातें भारत का कोई व्यक्ति नहीं कह रहा था। जर्मनी के विद्वान मैक्समूलर भारत जाने वाले सिविल अधिकारियों को भारत को समझने की प्रेरणा दे रहे थे। उनका सारा भाषण 'व्हाट इंडिया कैन टीच अस' के नाम से संकलित है। अंग्रेजी प्रशासकों को भारत समझना जरूरी था। मोटे तौर पर अंग्रेजी शासन और वैधानिक व्यवस्था की वास्तविक शुरुआत भारत शासन अधिनियम 1935 से होती है। संविधान निर्माताओं ने भारतीय प्रशासन के गठन में 1935 के अधिनियम की बातें लगभग यथावत रखी हैं। राजनैतिक कार्यपालिका विधायी सदनों के प्रति जवाबदेह है। मंत्रीगणों को सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर तैयार कराने में प्रशासन की मुख्य भूमिका होती है। प्रश्नोत्तरों की तैयारी में हुई त्रुटि का खामियाजा सदन में मंत्री को भुगतना पड़ता है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य भी उत्साहवर्द्धक सम्बंध नहीं दिखाई पड़ते। बहुधा विधायकों और सांसदों से प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अप्रिय कलह की खबरें आती रहती हैं। टेलीफोन न उठाने और जनप्रतिनिधियों के पत्रों के उत्तर न देने की शिकायतें पुरानी हैं। विधायी सदनों की समितियों में प्रशासनिक अधिकारियों को सम्बंधित विषय पर साक्ष्य के लिए आमंत्रित किया जाता है।

दृष्टि कोण

चुनावों में धर्म और जाति का उपयोग गलत परंपरा

अभी हाल ही मे चल रहे लोकसभा चुनावो के समय गुजरात के एक वरिष्ठ नेता पुरुषोत्तम रुपाला ने ब्रिटिश काल मे राजपूतो की नीति और स्थिति के बारे में एक विवादित बयान दे दिया, जिसके कारण उन्हे देश के क्षत्रिय समाज का विरोध झेलना पड़ रहा है, हो सकता है कि उन परिस्थितियों मे मजबूरी के कारण वुछ क्षत्रियों को ऐसा करना पड़ा हो पर पूरे क्षत्रिय समाज के लिए ऐसी धारणा बनाना सरासर गलत था। यहाँ तक इतिहास जानता है कि मुगलो और उसके पूर्व के अव्रांताओ के विरुद्ध मेवाड के राजपुतानो ने जिस साहस का परिचय दिया वह हिदुत्व की रक्षा के लिए ऐतिहासिक त्याग व बलिदान माना जायेगा, 7वी सदी मे बप्पा रावल से लेकर 17वी सदी तक महाराणा प्रताप और उनके बेटे अमर सिह तक यह संघर्ष कायम रहा। यही नही मेवाड के पर्वतीय वन प्रदेशों में बसने वाले भील, जो धनुष विद्दा मे प्रवीण और अचुक निशाने बाज होते थे तथा पहाड़ों और जंगलो के बीहड़ रास्तो के जानकर होते थे, ने मुस्लिम आामण कारियो के विरुद्ध लडाईं में अपने राजपूत राजाओं के साथ संघर्ष किया और बलिदान दिया और संक्षिप्त रूप मे यह कहा जा सकता है कि अपनी सनातनी संस्वृति की रक्षा के लिए सभी हिदुओ ने राजपूत राजाओं के नेतृत्व मे वंधे से वंधा मिलाकर संघर्ष किया। यही कारण है कि लगातार 9 सदियो तक मुस्लिम आांताओ के अत्याचार और लूटमार के बावजूद हिदू सनातनी संस्वृति विनष्ट होने से बची रही। पर वर्तमान समय में क्षत्रिय परिवारों मे जन्म लेने वाले वुछ युवा जिन्हे राजपूताना संघर्ष के बारे मे वुछ नही पता वे राजपूताना संघर्ष को सभी हिदुओ का संघर्ष मानने के बजाय सिर्प क्षत्रियों का संघर्ष मानते है और निम्न जातियों में पैदा होने वालो को सनातनी संघर्ष का हिस्सा नही मानते और कभी कभी तो शुद्रो और भीलो को हिदू धर्म का हिस्सा नही मानते और अपने वर्ग को अन्य जातियों से श्रेष्ठ समझते है और उनकी यही सोच हिदू समाज और सनातनी संस्वृति को तार तार कर रही है। उन लोगो को यही बड़बोलापन राष्ट्रवाद और हिदुत्व मे आस्था रखने वाले रुपाला जैसे नेता को भी स्वाभिमानी राजपूत समाज के लिए अवांछित टिप्पड़ी करने के लिए उकसाया, जिसका परिणाम यह है कि पूरे राजपूत समाज द्वारा जगह जगह पर रुपाला का विरोध हो रहा है और जो राजपूत समाज भाजपा का वैडर वोट माना जाता रहा है वह अपनी ही पाटा के विरोध मे खड़ा हो गया है। इसी कड़ी मे उप के वरिष्ठ सपा नेता जो तीन बार सांसद रह चुके है और वर्तमान मे विधायक तूफानी सरोज ने यह कह कर विवाद पैदा कर दिया कि हमारी जीत मे सवर्ण ब्राrाण ठावुरो का कोईं योगदान नही है अब यह प्रश्न उठता है कि भारत जैसे लोकतंत्र मे चुनाव के दौरान धर्म और जाति का उपयोग कितना जायज है जबकि चुनाव जाति व धर्म के बजाय शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार और आर्थिक विकास के मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए परंतु इस समय चुनाव पूर्ण रूप से धर्म और जाति के आधार पर लड़े और जीते जाते है। सनातन संस्वृति वाले इस देश मे मे भगवान राम त्रेता युग से पूजे जाते रहे है और लगभग 9 शताब्दियों तक देश बाहरी मुस्लिम अव्रांताओ के कब्जे मे रहा फिर भी देश मे न सनातन खत्म हुआ और न ही और न ही लोगो के मन मे भगवान राम के प्रति श्रद्धा ही कम हुईं और युगो से लोगो के दिल मे भगवान राम का वास रहता है पर वुछ स्वयंभू सनातन के ठेकेदार अयोध्या मे भगवान राम की जन्म भूमि पर बन रहे भव्य मन्दिर के निर्माण का श्रेय स्वयम लेने का प्रयास कर रहे है और इसके लिए हमारे साधु संतो और महान नेताओ की वुर्बानियों को नजर अंदाज कर रहे है और चुनावी फायदे के लिए भगवान राम का उपयोग कर रहे है जो अनैतिक भी है और सनातनी मांयताओ के विरुद्ध भी है। धर्म को चुनाव मे इस्तेमाल करने के मामले मे 1995 मे सर्वोच्च न्यायालय की बेंच जिसकी अध्यक्षता जस्टिस जी एस वर्मा कर रहे थे ने निर्णय दिया कि हिदुत्व धर्म नही है अपितु यह जीवन शैली है और यह कहा हिदुत्व को एक धर्म तक सीमित नही रखा जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की इस गहन व्याख्या ने यह तो स्थापित कर दिया कि हिदुत्व भारत मे जीवन के सांस्वृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहलुओ को शामिल करता है पर उन्होंने कही भी चुनाव मे धर्म के इस्तेमाल को जायज नही ठहराया, नतीजन हिदू और हिदुत्व के उपयोग को भले ही असंवैधानिक न करार दिया जाए पर चुनाव मे इसका उपयोग अनैतिक है और सनातनी मांयताओ के खिलाफ है। यह पैसला दूसरी ओर धरमिक अपिलो और सामाजिक व सांस्वृतिक मांयताओ से जुड़ी अभिव्यत्ति के बीच अंतर को स्पष्ट कर दिया था और चुनावी प्र्वरिया की अखंडता बनाये रखने के लिए जाति और धर्म से संबंधित संवेदन शील मुद्दों को संबोधित करते समय राजनेताओ को सावधानी बरतनी चाहिए। शीर्ष अदालत का यह पैसला अभिवयत्ति की स्वतंत्रता और चुनाव के दौरान भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए आवश्यकताओ के बीच नाजुक संतुलन को दर्शाता है।

कुछ अलग

पर्यावरण बचाइए जीडीपी बढ़ाइए

उत्तराखंड के जंगलों में भीषण आग लगी हुईं है। भारत समेत सम्पूर्ण धरती का तापमान बढ़ रहा है। अगले वर्षो में इस प्रकार की आपदाएं बढ़ेंगी। इन विध्वंसक प्रावृतिक घटनाओं के कारण पर्यटन और निवेश दोनों में गिरावट आती है। घरेलू निवेशक उन स्थानों को रहने के लिए चुनते हैं जहां उनको स्वच्छ पर्यावरण, साफ पानी और साफ हवा मिले। इसलिए अपने देश से तमाम अमीर लोग अपनी पूंजी लेकर विदेशों में जाकर बस रहे हैं। यहां निवेश कम हो रहा है और हमारा जीडीपी पिछले 6 वर्षो में लगातार गिर रहा है। लेकिन सरकार पर्यावरण और निवेश दोनों की चिता न करते हुए बड़ी योजनाओं को त्वरित स्वीवृतियां देने का प्रयास कर रही है और इन स्वीवृतियों को देने में पर्यावरण की अनदेखी कर रही है। सरकार समझ रही है कि बड़ी योजनाएं लगेंगी तो आर्थिक विकास चल निकलेगा। लेकिन बड़ी योजनाओं द्वारा स्वयं निवेश के बावजूद उनके द्वारा की जाने वाली पर्यावरण की हानी से वुल निवेश घाट रहा है। जैसे सरकार ने थर्मल पावर प्लांट द्वारा जहरीली गैसों के उत्सर्जन के मानकों को ढीला कर दिया है। इससे देश में बिजली का उत्पादन तो सस्ता हो जाएगा लेकिन साथ-साथ हवा प्रदूषित होगी। बिजली सस्ती होने से उद्योग लग सकते हैं; लेकिन प्रदूषण के विस्तार के कारण अमीर लोग यहां से बाहर जाने को मजबूर होंगे। इन दोनों विपरीत प्रभाव में अमीरों का बाहर जाना ज्यादा प्रभावी ही। इसलिए विकास दर घाट रही है। किसी बड़ी इकाईं को लगाने के लिए पर्यावरण मंत्रालय से पर्यावरण स्वीवृति लेना होता है। इस स्वीवृति को हासिल करने के लिए उद्यमी को पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी पड़ती है। इसके बाद पर्यावरण मंत्रालय की कमेटी निर्णय करती है कि परियोजना को स्वीवृति दी जाए या नहीं। वर्तमान में इन कानूनों में सरकार ने कईं परिवर्तन प्रस्तावित किए हैं। जैसे पर्यावरण प्रभाव आकलन के बाद जनसुनवाईं करने की जरूरत को कईं परियोजनाओं के लिए निरस्त करने का प्रस्ताव है। कईं पुरानी परियोजनाएं बिना पर्यावरण स्वीवृति के चल रही हैं उन्हें पोस्ट पैक्टों यानि चालू होने के बाद भी पर्यावरण स्वीवृति देने की व्यवस्था की जा रही है। सिचाईं और नदियों की ड्रेजिग के लिए पर्यावरण स्वीवृति की जरूरत को समाप्त किया जा रहा है। इन सब कदमों के पीछे सरकार का मंतव्य है कि इस प्रकार की परियोजनाएं शीघ्र लागू हों और देश का आर्थिक विकास बढ़े। लेकिन इन परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव आकलन को ढीला करने से देश का जल और वायु प्रदूषित होगा। अपने देश के अमीर विदेश को चले जाएंगे जैसा कि पिछले छह वर्षो से तेजी से हो रहा है और हमारा जीडीपी बढ़ने के स्थान पर गिरेगा जो पिछले छह वर्षो के रिकॉर्ड से ज्ञात होता है। हमें ध्यान देना चाहिए कि ताजमहल, वाराणसी, समुद्र तटों पर बीच, पहाड़ों पर बर्प इत्यादि उपलब्धियों के बावजूद अपने देश में विदेशी पर्यटकों का आगमन बहुत ही कम संख्या में होता है क्योंकि यहां का सामाजिक और भौतिक पर्यावरण अनुवूल नहीं है। ट्यूनीशिया और मालद्वीप जैसे छोटे छोटे देश हमारे समकक्ष अपनी प्रावृतिक उपलब्धयों से 100 गुना रकम अर्जित कर रहे हैं। इस परिप्रेक्ष में पर्यावरण प्रभाव आकलन को और सख्त बनाना चाहिए। मैं आपके सामने राष्ट्रीय जलमार्ग एक जो कि वाराणसी से हल्दिया तक बनाया जा रहा है का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहूंगा। इस जलमार्ग को बनाने के पीछे आधार यह था कि जलमार्ग से माल की ढुलाईं का खर्च 1.06 रुपए प्रति टन प्रति किलोमीटर लगेगा जबकि रेल से इसका खर्च 1.36 प्रति टन प्रति किलोमीटर लगता है।

देश दुनिया से

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अंकुश जरूरी

व्यवहारिक पक्ष को हम सभी ने कोरोना काल में विशेष तौर पर महसूस किया जब घर बैठे कार्यं करने के लिए वर्चुअल और ऑनलाइन मीटिंग्स, स्वूल की कक्षाओं का संचालन या फिर वर्व प्रॉम होम जैसे विभिन्न माध्यम अस्तित्व में आए। इतना ही नहीं कल तक जो फिल्में और टीवी विश्व भर में मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय साधन थे आज इंटरनेट और विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म उनकी जगह ले चुके हैं। जब 2008 में भारत में पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म लांच हुआ था तब से लेकर आज जबकि लगभग 40 ओटीटी प्लेटफॉर्म हमारे देश में मौजूद हैं, इसने काफी लंबा सफर तय किया है। केजीएमजी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट की2018 की एक रिपोर्ट का कहना था कि भारत का ओटीटी बाजार 2023 तक 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा।

आज के युग में तकनीक जिसे टेक्नोलॉजी कहते हैं वो लगातार और तीव्रता के साथ बदल रही है। इसके व्यवहारिक पक्ष को हम सभी ने कोरोना काल में विशेष तौर पर महसूस किया जब घर बैठे कार्यं करने के लिए वर्चुअल और ऑनलाइन मीटिंग्स, स्वूल की कक्षाओं का संचालन या फिर वर्व प्रॉम होम जैसे विभिन्न माध्यम अस्तित्व में आए। इतना ही नहीं कल तक जो फिल्में और टीवी विश्व भर में मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय साधन थे आज इंटरनेट और विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म उनकी जगह ले चुके हैं। जब 2008 में भारत में पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म लांच हुआ था तब से लेकर आज जबकि लगभग 40 ओटीटी प्लेटफॉर्म हमारे देश में मौजूद हैं, इसने काफी लंबा सफर तय किया है। केजीएमजी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट की2018 की एक रिपोर्ट का कहना था कि भारत का ओटीटी बाजार 2023 तक 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। लेकिन कोरोना काल में इसने यह लक्ष्य समय से पहले ही प्राप्त कर लिया। दअरसल लॉकडाउन के दौरान सिनेमा और मल्टीप्लेक्स बंद होने के कारण ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भारत समेत सम्पूर्ण विश्व में हर आयु वर्ग के आकर्षण के साथ-साथ जबरदस्त स्वीकार्यता भी प्राप्त की। लेकिन जहां एक ओर इसने मनोरंजन और इस क्षेत्र में संघर्षरत युवाओं के लिए नए आयाम खोले हैं वहीं कईं विवादों और चिताओं को भी जन्म दिया है। जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार ओटीटी प्लेटफॉर्म के भी सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही पहलू हैं। अगर इसके सकारात्मक पक्ष की बात करें तो फिल्म और सीरियल जगत में वैरियर बनाने की इच्छा रखने वाले हर उम्र के लोगों के लिए इसने बगैर किसी भेदभाव के अनेकों द्वार खोल दिए हैं। आज एक आम चेहरे अथवा साधारण आवाज या फिर बिल्वुल आम शारीरिक बनावट के साथ किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति के लिए यहां असीमित अवसर हैं। जहां फिल्म इंडस्ट्री पर नेपोटिज्म और कास्टिंग काउच के चलते बहुत से प्रतिभावान युवा मायूस हो जाते थे आज इन्हीं ओटीटी प्लेटफॉर्म के दम पर उन्होंने अपनी पहचान बना ली है। वहीं दर्शकों को भी एक फिल्म देखने के लिए टिकट के भारी-भरकम पैसों के अलावा इंटरवल में कोक कॉफी पॉपकार्न जैसी चीजें मल्टीप्लेक्स में कईं महंगे दामों पर खरीदनी पड़ती थीं आज वो लगभग मुफ्त में घर बैठे इन चीजों का आनंद ले रहा है। अगर ओटीटी के नकारात्मक पक्ष की बात करें तो मनोरंजन, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जिस प्रकार की सामग्री इनके माध्यम से आज परोसी जा रही है वो देश के आमजन से लेकर बुद्धिजीवियों और अब तो सरकार तक के लिए भी चिता का विषय बनती जा रही है। यह विषय इसलिए भी गंभीर हो जाता है क्योंकि भारत सरकार का इन पर कोईं नियंत्रण नहीं है। क्योंकि ये ओटीटी प्लेटफॉर्म देश के वर्तमान कानूनों के दायरे के बाहर हैं। दअरसल फिल्मों के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन है, टीवी के लिए न्यूज

ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्डस अथॉरिटी है, प्रिट मीडिया के लिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया है लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नजर रखने के लिए कोईं संस्था नहीं है। और तो और इनको अपनी सामग्री दर्शकों तक पहुंचाने के लिए केबल ऑपरेटर या सैटेलाइट कनेक्शन जैसे किसी माध्यम की आवश्यकता भी नहीं होती। ये दर्शकों तक स्मार्ट फोन, लैपटॉप एवं स्मार्ट टीवी जैसे साधनों से आसानी से पहुंच जाते हैं। आज ओटीटी प्लेफॉर्म ही नहीं आज बल्कि कोई भी व्यक्ति इंटरनेट पर जो चाहे अपलोड कर सकता है। इसी बात का लाभ इन ओटीटी प्लेटफॉर्म को मिल जाता है। यही कारण है कि फिक्शन या कल्पना या कलात्मक सृजनात्मकता के नाम पर ये प्लेटफॉर्म वुछ भी दिखाने का साहस कर पाते हैं। चाहे हिन्दू धर्म और उसके देवी देवताओं का अपमान हो या फिर ऑनलाइन प्रॉड के तरीके दर्शकों को सिखाना (जामताड़ा) या फिर हत्या और व्राइम करके कानून से बचने के तरीके दिखाना। यही कारण है कि कईं बार मिर्जापुर पाताल लोक या तांडव जैसी सीरीज के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की जाती हैं। लेकिन अगर कोईं स्पष्ट और सख्त कानून मौजूद होता जो इनकी रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता को सीमाओं के साथ परिभाषित करता तो लोगों या संस्थाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म के खिलाफ

आप का नजरिया

उदासीनता

उदासीनता शनिवार को पंजाब के दो नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। इनमें दोनों ही कांग्रेस के प्राभावशाली नेता रहे हैं। इनमें एक हैं तजिन्दर बिट्टू जो पंजाब प्रादेश कांग्रेस के महासचिव, पाटा के राष्ट्रीय सचिव रहे हैं और हिमाचल प्रादेश कांग्रेस के सह प्राभारी थे। दूसरी हैं करमजीत कौर जो सांसद संतोख चौधरी की पत्नी हैं। संतोख चौधरी की मौत कांग्रेस नेता राहुल गांधी के न्याय यात्रा के दौरान हुईं थी फिर रिक्त हुईं जालंधर की संसदीय सीट से उपचुनाव में कांग्रेस ने करमजीत कौर को उतारा था। असल में पंजाब में जिस तरह जमीनी नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं, वह निाति रूप से पंजाब कांग्रेस के लिए ही चिन्ता का विषय नहीं हो सकता। इसके लिए कहीं न कहीं पाटा के वेंद्रीय नेतृत्व की उदासीनता भी जिम्मेदार है। कांग्रेस को यह समझ नहीं आ रहा है कि जितने लोग पाटा छोड़कर गए हैं वे पूंके कारतूस नहीं हैं। वे जमीन से जुड़े और अनुभवी तथा ज्यादा दिन राजनीति करने वाले लोग हैं। हैरानी की बात तो यह है कि जिनकी तीन-तीन पीढ़ियां कांग्रेस से जुड़ी थीं उन्होंने तो पाटा छोड़ी ही साथ ही पाटा के दलित और जाट नेताओं के जाने से भी पाटा में बेचैनी का माहौल नहीं दिख रहा है। पंजाब में जनसंख्या की दृष्टि से दलित सर्वाधिक हैं तो प्राभावशाली जाति के रूप में पंजाब में जाट सिख सबसे ज्यादा दबदबा रखते हैं। कांग्रेस को दलित और जाट दोनों ही छोड़ते जा रहे हैं। पहले राज्य में आम आदमी पाटा (आप), अकाली दल और कांग्रेस में ही सिख नेता और कार्यंकर्ता होते थे। अब सिख भाजपा में चले गए। मतलब यह कि राज्य में आम आदमी पाटा, अकाली और भाजपा के बीच संघर्ष होने की संभावना बन रही है। भाजपा जानबूझकर रणनीति के तहत कांग्रेस के जाट और दलित आधार को खोखला करने पर तुली है ताकि वह उसके द्वारा खाली स्थान को भाजपा हासिल कर सके। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि इस तरह की भगदड़ के बाद भी नवजोत सिह सिद्धू और प्राताप सिह बाजवा के बीच लड़ाईं सड़क पर है। बहरहाल यदि कांग्रेस पाटा जल्दी से नहीं चेती तो पंजाब में यह पाटा चौथे स्थान पर चली जाएगी। राज्य के लिए कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी था क्योंकि आप और अकाली दल अतिवादी सिख नेताओं पर निर्भर करते हैं। कांग्रेस में सिख नेता ही अकाली दल को संतुलित करने में सक्षम थे। किन्तु अब जिस तरह कांग्रेस पाटा में सिखों का पलायन और भाजपा में शामिल होने का सिलसिला शुरू हुआ है वह कांग्रेस के लिए पंजाब में खतरे की घंटी है। मामला गंभीर इसलिए भी है क्योंकि पाटा छोड़ने वाले ज्यादातर लोग वे हैं जिनके राहुल गांधी अथवा प्रियंका व सोनिया के साथ अच्छे संबंध थे। कांग्रेस से जनाधार वाले नेताओं के निकलने पर प्रायः प्रावक्ता सफाईं देते हैं कि प्रावर्तन निदेशालय, वेंद्रीय जांच ब्यूरो अथवा इनकम टैक्स के छापों के डर से उनके नेता ने दल बदल लिया। लेकिन ये जो कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी पाटा छोड़ रहे हैं, उन पर तो किसी तरह का कोईं मामला ही नहीं है। लब्बोलुआब यह है कि कांग्रेस के जिन नेताओं को अपने राजनीतिक भविष्य की चिन्ता दिख रही है वे कांग्रेस के भविष्य की चिन्ता नहीं कर रहे हैं क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व उनकी चिन्ता दूर करने के लिए गंभीर ही नहीं है।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा: प्लेटफॉर्म चार्ज 25 प्रतिशत बढ़कर 5 रुपए हुआ, इससे कंपनी को सालाना 90 करोड़ की इनकम होगी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो से खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा हो गया है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म चार्ज में 25 प्रतिशत का इजाफा किया है। अब कस्टमर्स को हर ऑर्डर पर 4 रुपए के बदले 5 रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज देना होगा।जोमैटो सालाना करीब 85-90 करोड़ ऑर्डर की डिलीवरी करता है। यानी रोजाना करीब 24 लाख ऑर्डर जोमैटो को मिलते हैं। प्लेटफॉर्म फीस में 1 रुपए प्रति ऑर्डर बढ़ोतरी के बाद कंपनी के एबीटडा में सालाना 85-90 करोड़ की बढ़ोतरी होगी।

अगस्त 2023 में 2 रुपए से शुरू किया था प्लेटफॉर्म चार्ज – जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में दो रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज लेना शुरू किया था। बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए और 1 जनवरी 2024 से 4 रुपए कर दिया था। कंपनी ने 31 दिसंबर 2023 को 9 रुपए प्लेटफॉर्म फीस के रूप में ग्राहकों से वसूला था।

इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस सस्पेंड – इसके अलावा कंपनी ने अपनी इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस इंटरसिटी लीजेंड्स को सस्पेंड कर दिया है। इस सर्विस के जरिए कंपनी प्रमुख शहरों के बड़े रेस्टोरेंट्स से दूसरे शहरों के कस्टमर्स तक ऑर्डर पहुंचाती थी।

जोमैटो के शेयर ने एक साल में 242.14 प्रतिशत का रिटर्न दिया – जोमैटो के शेयर में 1.24 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर ने पिछले 5 दिन में 2.16 प्रतिशत, एक महीने में 9.99 प्रतिशत, 6 महीने में 75.94 प्रतिशत और एक साल में 242.14 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी ने इस साल शेयरहोल्डर्स को 53.90 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जोमैटो का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.66 लाख करोड़ रुपए है।

कंपनी का नेट प्रॉफिट 138 करोड़ रहा – जोमैटो फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नेट प्रॉफिट 138 करोड़ रुपए रहा था। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 346.6 करोड़ का लॉस हुआ था। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 283 प्रतिशत रहा। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपए का प्रॉफिट दर्ज किया था।

रेवेन्यू 69 प्रतिशत बढ़कर 3,288 करोड़ रुपए रहा – ऑपरेशंस से कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू भी सालाना आधार पर 69 प्रतिशत बढ़कर 3,288 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में कंपनी ने 1,948 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

15 साल में पहली बार 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट – एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कंपनी को 2 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। 2008 में कंपनी की स्थापना के बाद यह पहला मौका था जब कंपनी ने मुनाफा दर्ज किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

2023-24 में 18 फीसदी बढ़ा प्रत्यक्ष कर संग्रह, 19.58 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 करोड़ रुपये हो गया। कर विभाग ने कहा कि यह राशि संशोधित अनुमानों से काफी अधिक है। त्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी आयकर और कॉर्पोरेट कर संग्रह 2023-24 के दौरान बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये (7.40 प्रतिशत) और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ रुपये अधिक रहा। इनकी प्रत्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (अनंतिम) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिफंड के बाद शुद्ध आय 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये रही। प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट की आय में वृद्धि को दर्शाते हैं। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह 19.58 लाख करोड़ रुपये है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 16.64 लाख करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस वर्ष के लिए संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में संशोधित कर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक बयान में कहा गया कि अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को छोड़कर) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रिफंड के समायोजन से पहले प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) 23.37 लाख करोड़ रुपये रहा। यह राशि वित्त वर्ष 2022-23 के 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 18.48 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम), इससे पिछले वर्ष के 10 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 13.06 प्रतिशत बढ़कर 11.32 लाख करोड़ रुपये हो गया।

अब किसी भी उम्र में खरीद सकेंगे बीमा पालिसी, अभी तक 65 साल से ऊपर था प्रतिबंध

नई दिल्ली। बीमा नियामक इरडा ने बाजार को व्यापक बनाने और स्वास्थ्य देखभाल खर्चों से पर्याप्त

सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने वाले व्यक्तियों के लिए 65 वर्ष की आयु सीमा हटा दी है। पहले के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यक्तियों को केवल 65 वर्ष की आयु तक नई बीमा पॉलिसी खरीदने की अनुमति थी। हालांकि, एक अप्रैल से प्रभावी हुए हालिया संशोधन के साथ किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति नई बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए पात्र है। हालिया गजट अधिसूचना में इरडा ने कहा कि बीमाकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सभी आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की पेशकश करें। बीमाकर्ता विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, बच्चों, मातृत्व और सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अन्य समूह के लिए उत्पाद डिजाइन कर सकते हैं। इसके अलावा बीमाकर्ताओं को पहले से किसी भी प्रकार की चिकित्सीय स्थिति वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य पॉलिसियां प्रदान करने का आदेश दिया गया है। नतीजतन, बीमाकर्ताओं को कैंसर, हृदय या गुर्दे की विफलता और एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से मना करने से प्रतिबंधित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार बीमाकर्ताओं को पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिए किस्तों में प्रीमियम भुगतान की पेशकश करने की अनुमति है।

गूगल का नया स्मार्टफोन पिक्सल 8ए अगले महीने होगा लांच

नई दिल्ली। गूगल का नया स्मार्टफोन गूगल पिक्सल 8ए अगले महीने अपने ग्लोबल गूगल के एक इवेंट में लांच किया जा सकता है। बता दें कि पिक्सल 8ए की कीमत भी ऑनलाइन लीक हो गई है, गूगल के इस स्मार्टफोन को खरीदने के लिए थोड़ा ज़्यादा खर्च करना पड़ सकता है। इसके अलावा ये भी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले फोन में एआई सुविधाएं मिल सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा में पिक्सल 8ए की कीमत 128जीबी स्टोरेज कॉन्फिगरेशन के लिए सीएडी 708.99 (लगभग 42,830 रुपये) होगी, जबकि 256जीबी वेरिएंट की कीमत सीएडी 792.99 (लगभग 47,900 रुपये) होगी। बताया जा रहा है कि पिक्सल 8ए की कीमत पिछले 7ए से 1,000 रुपये से 2000 रुपये अधिक होगी। गूगल ने मई 2023 में पिक्सल 7ए लॉन्च किया था, जिसकी कीमत 8जीबी प्लस 128जीबी रैम और स्टोरेज कॉन्फिगरेशन के लिए 43,999 रुपये रखी गई थी। पिक्सल 8ए के कंपनी के जी3 चिप से लैस होने की संभावना है।

वोडाफोन-आइडिया का एफपीओ आखिरी दिन 1.08 गुना सब्सक्राइब

1,260 करोड़ शेयर्स के लिए 1,357 करोड़ बोलियां मिलीं, 18,000 करोड़ जुटाना चाहती है कंपनी

मुंबई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर यानी एफपीओ बिडिंग प्रोसेस के आखिरी दिन 22 अप्रैल को 1.08 गुना ज्यादा सब्सक्राइब हुआ है। इस इश्यू के जरिए कंपनी 18,000 करोड़ जुटाना चाहती है। वीआई ने इसके लिए 1,260 करोड़ शेयर्स ऑफर किए थे, जिसके मुकाबले 1,357 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं।

सबसे ज्यादा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का सब्सक्रिप्शन

अलग-अलग कैटेगरी में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बिडर्स ने 1.48 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 2.04 गुना बोली लगाई है। जबकि, रिटेल निवेशकों ने 0.44 गुना सब्सक्राइब किया है।

रिटेल निवेशकों के लिए यह 18 अप्रैल को ओपन हुआ था। इससे पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी इस फंड का इस्तेमाल 5जी सर्विस रोलआउट करने के लिए करेगी।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

इस एफपीओ के लिए रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 1298 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी ने एफपीओ का प्राइज बैंड 10-11 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप एफपीओ के अपर प्राइज बैंड 11 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,278 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी 18172 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 199,892 इन्वेस्ट करने होंगे।

वीआई ने एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए

एफपीओ ओपन होने से पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में बीते दिन इस बात की जानकारी दी थी। वीआई ने इसके लिए 11 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 491 करोड़ शेयर्स एलॉकेट किए।

निवेशकों में सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत शेयर जीएनजी पार्टनर्स को मिले हैं, जीएनजी ने इसके लिए 1,345 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके अलावा फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स ने 772 करोड़, ट्रू-कैपिटल और ऑस्ट्रेलियन सुपर ने 331 करोड़ और 130 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया है। निवेशकों में द मास्टर ट्रस्ट बैंक ऑफ जापान, यूबीएस, मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स, ऑस्ट्रेलियन सुपर, फिडेलिटी, क्वांट और मोतीलाल ओसवाल शामिल हैं।

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ है। भारतीय मार्केट में अभी सबसे बड़ा एफपीओ यस बैंक का है, जो 15 हजार करोड़ रुपए का था। वहीं अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले साल जनवरी में 20 हजार करोड़ रुपए का एफपीओ लाई थी। हालांकि, बाद में कंपनी ने इसे वापस ले लिया। अगर ऐसा न करती तो अडाणी एंटरप्राइजेज सबसे बड़े एफपीओ लाने वाली कंपनी होती।

4जी और 5जी सर्विस के लिए फंड का इस्तेमाल करेगी कंपनी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस फंड का इस्तेमाल 5जी रोलआउट करने और 4जी सर्विस को बेहतर करने में करेगी। इसके साथ ही यह फंडरेजिंग कंपनी को अपनी कॉम्पिटेटिव पोजिशनिंग में सुधार करने और बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस प्रोवाइड करने में भी सक्षम बनाएगा।

वोडाफोन आइडिया पर 2,10,000 करोड़ का कर्ज

वोडाफोन आइडिया वित्तीय दिक्कतों से जूझ रही है, जिसपर 2,10,000 करोड़ का कर्ज है। वोडाफोन आइडिया अपने कॉम्पिटिटर्स के साथ कॉम्पिटिशन करने के लिए अपनी सर्विस और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना चाहती है। कंपनी अभी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसे बड़े कॉम्पिटिटर्स से काफी पीछे है।

एफपीओ क्या होता है

फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर एक ऐसी प्रोसेस है जिसके ऐसी कंपनी जो पहले से शेयर बाजार में लिस्ट है, वह निवेशकों या मौजूदा शेयर होल्डर्स, आम तौर पर प्रमोटर्स को नए शेयर इश्यू करती है। आसान भाषा में समझे तो शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियां सेकेंडरी मार्केट में नए शेयर इश्यू करके फंड जुटाती हैं।

भारत में मेटल पार्ट्स का उत्पादन करने के लिए इंडो एमआईएम से जुड़ा एचपी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल।

मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देते हुए, पीसी और प्रिंटर प्रमुख एचपी ने कहा कि उसने भारत में बड़े पैमाने पर मेटल 3डीपी पार्ट्स को बनाने के लिए मेटल इंजेक्शन मोल्डिंग (एमआईएम) कंपनी इंडो-एमआईएम के साथ साझेदारी की है। एचपी की 3डीपी टेक्नोलॉजी के साथ, इंडो-एमआईएम ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, डिफेंस, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और मेडिकल इक्विपमेंट सेगमेंट जैसे सेक्टर के लिए 3डी-प्रिंटेड हाई-प्रिसिशन मेटल पार्ट्स का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करेगा। कंपनी के अनुसार, इंडो-एमआईएम की बेंगलुरु फैसिलिटी में स्थापित ये मशीनें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेंगी। एचपी के पर्सनलाइजेशन और 3डी प्रिंटिंग के अध्यक्ष सावी बवेजा ने कहा, हम लोकल स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग और दुनिया भर में एक्सपोर्ट कर भारत में मेटल पार्ट्स के प्रोडक्शन में बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, इंडो-एमआईएम ने तीन एचपी मेटल जेट एस100 प्रिंटर में निवेश किया है। इसके दो एडवांस मेटल जेट एस100 प्रिंटर भारतीय ग्राहकों को स्थानीय समर्थन प्रदान करेंगे और प्रोडक्शन का विस्तार करेंगे। उनमें से एक नए मटेरियल डेवलपमेंट पर फोकस करेगा, जबकि दूसरा भारत, मध्य पूर्व और बाकी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ग्राहकों के लिए एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कैटरिंग को बढ़ावा देगा। तीसरा प्रिंटर अमेरिका में इंडो-एमआईएम फैसिलिटी में स्थापित किया गया है। इंडो-एमआईएम के सीईओ कृष्णा चिवुकुला जूनियर ने कहा, एचपी का मेटल जेट एस100 प्रिंटर हमें लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस करता है, जिससे हम अपने कस्टमर्स की बढ़ती डिमांड को पूरा करने में सक्षम होते हैं, साथ ही एचपी प्रिंटर प्लेटफॉर्म पर क्वालीफाइड मटेरियल की लाइब्रेरी का विस्तार भी करते हैं। कंपनी ने कहा कि इस साझेदारी के जरिए, एचपी की एडवांस टेक्नोलॉजी इंडो-एमआईएम को भारतीय और अमेरिकी दोनों बाजारों के लिए टॉप क्वालिटी वाले मेटल पार्ट्स बनाने में सक्षम बनाती है।

हांगकांग ने इन भारतीय मसालों की बिक्री पर लगाई रोक, उत्पादों में कीटनाशक मिलने का दावा

हांगकांग, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

हांगकांग की सरकार ने भारत के मशहूर मसाला ब्रांड्स एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड और एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के चार उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। हांगकांग की सरकार का दावा है कि जांच में इन मसालों में कीटनाशक पाया गया है, जो सेहत के लिए खतरनाक है। हांगकांग सरकार ने मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। इससे पहले सिंगापुर की सरकार ने भी भारतीय मसाला ब्रांड्स पर रोक लगा दी थी।

हांगकांग की सरकार ने इन उत्पादों पर लगाया प्रतिबंध

हांगकांग के सेंटर फॉर फूड सेफ्टी विभाग ने बताया है कि कई मसाला उत्पादों में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड मिला पाया गया है। हांगकांग की सरकार ने लोगों से इन उत्पादों का सेवन नहीं करने की अपील की है और साथ ही इन उत्पादों की बिक्री पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया। जिन मसालों पर रोक लगाई गई है, उनमें एमडीएच का उत्पाद मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला मिक्स मसाला पाउडर और करी पाउडर मिक्स मसाला और एवरेस्ट का उत्पाद फिश करी मसाला शामिल है। हांगकांग की सरकार ने इन उत्पादों के आयात पर रोक लगाने और तुरंत उन्हें दुकानों में बिक्री की जगह से हटाने के निर्देश के साथ ही पहले से मौजूद उत्पादों को वापस भेजने का निर्देश दिया था।

सिंगापुर ने भी लगाया था बैन

हांगकांग सरकार के अधिकारियों ने रुटीन फूड सर्विलांस के दौरान तीन रिटेल दुकानों से इन मसालों के सैंपल लिए थे। इन सैंपल्स की जांच में ही इनमें कीटनाशक एथीलीन ऑक्साइड के होने का दावा किया गया। कैंसर पर रिसर्च करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने बताया कि एथीलीन ऑक्साइड इंसानों में कैंसर का कारण बन सकता है। हांगकांग की सरकार ने बताया है कि उनके निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 50 हजार डॉलर का जुर्माना और छह महीने की जेल की सजा हो सकती है।

बंद हो जाएंगे क्रेडिट कार्ड से कुछ भुगतान आरबीआई की आपत्ति के बाद क्या हुए बदलाव

नई दिल्ली, 22 अप्रैल।

अगर आप भी क्रेडिट कार्ड के जरिए मकान या दुकान का किराया, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि का भुगतान करते हैं तो अब आपकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। आरबीआई के इन भुगतान पर आपत्ति जताने के बाद से क्रेडिट कार्ड के जरिए किए जाने वाले कुछ भुगतान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक क्रेडिट कार्ड के तहत किए जाने वाले भुगतान को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है। सूत्रों की मानें तो क्रेडिट कार्ड से होने वाले मकान या दुकान के किराए, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि के भुगतान के विकल्प हटाए जा सकते हैं। आरबीआई ने इन भुगतानों पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि क्रेडिट कार्ड को ग्राहक के किसी कारोबारी को व्यावसायिक भुगतान कर पाने के लिए बनाया गया। न की व्यक्तिगत तौर पर होने वाले भुगतान के लिए। पिछले कुछ

सालों में क्रेडिट कार्ड से ये सब भुगतान की संख्या काफी बढ़ी है। लेकिन जल्द ही इस पर रोक लगाई जा सकती है। आरबीआई का कहना है कि व्यावसायिक भुगतान के अलावा अन्य भुगतान करने के लिए भुगतान प्राप्त करने वाले को भी कारोबारी खाता खुलवाना पड़ेगा। आरबीआई ने कहा कि दोनों के नियमों और मानकों में काफी अंतर है, इसलिए इसका पालन करना आवश्यक भी है। पिछले साल 1.5 लाख करोड़ का हुआ था भुगतान पिछले कुछ वर्षों में लोगों के क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल करने का आंकड़ा बढ़ा है। आरबीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछली फरवरी में क्रेडिट कार्ड से लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का भुगतान हुआ। प्रतिवर्ष इसमें 26 फीसदी की वृद्धि भी हुई। लेकिन इस 1.5 लाख करोड़ रुपये के भुगतान में ट्यूशन फीस, किराए का भुगतान, सोसायटी शुल्क का भुगतान आदि प्रतिशत ज्यादा था।

क्रेडिट कार्ड धारकों को ऐसा है फायदा

क्रेडिट कार्ड धारकों को भुगतान करने में कई फायदे होते हैं। पहला सबसे अहम फायदा यही है कि हाल फिलहाल नगद न होने पर भी क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं। इससे उन्हें भुगतान करने के बाद भी 50 दिन का अतिरिक्त समय मिल जाता है। दूसरा फायदा यह कि कई क्रेडिट कार्ड कंपनियां भुगतान करने पर कैशबैक या रिवार्ड अंक देती हैं। तीसरा फायदा यह भी है कि कई कंपनी खर्च की लिमिट के हिसाब से वार्षिक शुल्क भी माफ कर देती हैं। आरबीआई के आपत्ति जताने के बाद से बैंक अलर्ट हो गए हैं। बैंक की ओर से भी इस भुगतान को रोकने की कोशिश शुरू हा गई है। कई बैंक की ओर से कुछ भुगतान पर रिवार्ड अंक देना बंद हो गया है।

धीरूभाई अंबानी ने देखा था पोस्टकार्ड से सस्ती कॉल का सपना, जियो ने उसे कैसे किया साकार

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

एक फोन कॉल के कितने रुपये लगते हैं इस जवाब के लिए आपका दिमाग पर जोर डालना बताता है कि अब भारत में फोन कॉल कितनी सस्ती हो चुकी हो है। तकरीबन मुफ्त ही कह सकते हैं। और इसका काफी हद श्रेय जाता है रिलायंस इंडस्ट्रीज की जियो इंफोकॉम को।

कॉल रेट को इतना सस्ता करने का सपना देखा था, रिलायंस इंडस्ट्रीज के फाउंडर धीरूभाई अंबानी ने। वह चाहते थे कि भारत के लोग पोस्ट कॉर्ड से भी कम कीमत में कॉल करें। यह वो जमाना था, जब इनकमिंग कॉल के भी पैसे देने पड़ते थे।

रिलायंस कम्युनिकेशंस की शुरुआत

साल 2002 में धीरूभाई अंबानी के कर लो दुनिया मुट्ठी में नारे के साथ रिलायंस टेलिकॉम सेक्टर में उतरी। उस समय दूरसंचार क्षेत्र में बीएसएनएल और एयरटेल जैसी कंपनियों का दबदबा था। लेकिन, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने सिर्फ 600 रुपये का फोन और 15 पैसे की कॉल रेट देकर तहलका मचा दिया। हालांकि, धीरूभाई अंबानी के इंतकाल के बाद रिलायंस ग्रुप का उनके दोनों बेटों- मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी के बीच बंटवारा हो गया। मुकेश की टेलिकॉम सेक्टर में काफी दिलचस्पी थी, लेकिन 2006 में रिलायंस ग्रुप के बंटवारे में आरकोम धीरूभाई के छोटे बेटे अनिल के हिस्से आई। उस वक्त भारत का टेलीकॉम सेक्टर काफी तेजी से बदल रहा था। वोडाफोन जैसी विदेशी कंपनी भी सस्ते प्लान के साथ इंडियन मार्केट में उतर गई थी। वहीं, रिलायंस का कस्टमर बेस मुख्यत: सीडीएमए था। मतलब कि आप सिर्फ आरकोम में ही इसका सिम चला सकते हैं। और कॉल रेट भी सेम नेटवर्क ही सस्ता पड़ता था।

रिलायंस कम्युनिकेशंस का बुरा दौर

उस दौर में चीन के किफायती मल्टीमीडिया फोन की एंट्री भी हो चुकी थी। इन फोन की लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ रही और इसमें त्वस्रूसिम लगता था। जैसा कि आजकल का सिम होता है, जो किसी भी फोन में लग जाता है। सिम और सस्ते चाइनीज फोन के गठजोड़ ने आरकोम के कस्टमर बेस को भारी चोट पहुंचाई।

2010 के आसपास तो ऐसा वक्त आ गया कि टेलिकॉम मार्केट पर वोडाफोन, एयरटेल, आइडिया और बीएसएनएल जैसी कंपनियों का पूरा कब्जा हो गया। फिर आरकोम को भी मजबूरन सिम वाले सेगमेंट में उतरना पड़ा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। उसके पूरे कस्टमर बेस को दूसरी टेलिकॉम कंपनियों ने कैप्चर कर लिया था।

फिर मार्केट में आया रिलायंस जियो

रिलायंस ग्रुप के बंटवारे के वक्त यह करार हुआ था कि दोनों भाई कोई ऐसा बिजनेस नहीं शुरू कर सकते, जिससे दूसरे को नुकसान हो। यह नॉन-कंपीट कंडीशन साल 2010 में खत्म हुई। और उसके बाद मुकेश अंबानी ने टेलिकॉम सेक्टर में उतरने की तैयारी शुरू कर दी, जो उनका वर्षों पुराना सपना था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जून 2010 में 4,800 करोड़ रुपये में इन्फोटेल ब्रॉडबैंड सर्विसेज लिमिटेड में 96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। यही इकलौती नॉन-लिस्टेड टेलिकॉम कंपनी थी, जिसने 4जी ऑक्शन में भारत के सभी 22 सर्किलों में ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम जीता था।

जियो इन्फोकॉम ने कैसे बनाया दबदबा

इन्फोटेल ब्रॉडबैंड सर्विसेज लिमिटेड जनवरी 2013 में रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड बन गई। लेकिन, जियो पूरे देश में अपनी 4जी सर्विस सितंबर 2016 में पेश किया। इसने शुरुआत में अपनी सेवाओं को मुफ्त रखा। जब पेड भी की, तो दाम दूसरी कंपनियों के मुकाबले काफी कम रखा।

हम्पी महिला कैंडिडेट्स शतरंज में दूसरे स्थान पर रहीं, टाईब्रेकर में चीनी खिलाड़ी को हराया

टोरंटो, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज चीन की टी लेइ को हराकर टाईब्रेकर में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की झोंग्यी तान शीर्ष पर रही जिन्होंने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला ।

आर वैशाली लगातार पांचवीं जीत दर्ज करके संयुक्त दूसरे स्थान पर थी, लेकिन टाईब्रेकर के बाद चौथे स्थान पर रही। उन्होंने रूस की कैटरीना लागनो को हराया। तान ने नौ अंक बनाए, जबकि हम्पी उनसे डेढ अंक पीछे थीं। लेइ तीसरे और वैशाली चौथे स्थान पर रहीं। अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना पांचवें स्थान पर रहीं। लागनो छठे , बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा सातवें और मुजिचुक आठवें स्थान पर रहीं। हम्पी के सात दौर के बाद ढाई अंक ही थे, लेकिन बाकी सात मैचों में उन्होंने पांच अंक बनाए।

गुकेश पुरुषों में बने चैंपियन

इससे पहले चेन्नई के 17 वर्षीय डी गुकेश ने प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। हालांकि, अब कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद वह इस टूर्नामेंट के सबसे कम उम्र के विजेता बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह विश्व शतरंज चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी बन गए हैं। वह कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए और विश्वनाथन आनंद के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए।

नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद उनका टूर्नामेंट जीतना तय नहीं था। सबकुछ बियो कारुआना और इयान नेपोमनियाच्ची के बीच चल रहे अन्य मैच पर टिका था। इन दोनों में से जीतने वाला खिलाड़ी गुकेश के साथ टाई ब्रेकर खेलता। हालांकि, भाग्य गुकेश पर मेहरबान था, क्योंकि कारुआना और नेपोमनियाच्ची ने ड्रॉ खेला और गुकेश सबसे ज्यादा नौ अंक लेकर शीर्ष पर आ गए और टूर्नामेंट अपने नाम किया।

न्यूज ब्रीफ

स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन 2024 में सुकांत कदम को रजत पदक

नई दिल्ली । शीर्ष पैरा-शटलर सुकांत कदम ने स्पेन के विटोरिया में खेले गए स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल 2024-द्वितीय टूर्नामेंट में रजत पदक हासिल किया। एसएल 4 वर्ग के फाइनल में सुकांत को हमवतन तरूण के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में सुकांत ने विश्व चैंपियन सुहास यतिराज को हराया। फाइनल में सुकांत का मुकाबला हमवतन तरूण से हुआ। सुकांत ने मैच की अच्छी शुरुआत की लेकिन पहले गेम में 13-21 से हार गए। दूसरे गेम में सुकांत ने जोरदार वापसी की और कड़ी मेहनत करते हुए 21-16 से जीत हासिल की। तीसरे और निर्णायक गेम में सुकांत ने कुछ गलतियां कीं जो महंगी साबित हुईं और वह लड़ते-लड़ते हार गए। मैच का अंतिम स्कोर 13-21, 21-16, 16-21 रहा। मैच के बारे में बात करते हुए सुकांत ने कहा, मुझे लगता है कि मेरा टूर्नामेंट बहुत अच्छा रहा, फाइनल में भी मैंने अच्छा खेला लेकिन तरुण मेरे से काफी आगे रहा। अब मेरा ध्यान अगले सप्ताह शुरू होने वाले ग्रेड लेवल 1 स्पैनिश टूर्नामेंट पर है। मैं टूर्नामेंट की गलतियों का विश्लेषण करूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि मैं उन्हें दोबारा न दोहराऊं।

विश्व क्वालिफायर के लिए नए सिरे से ट्रायल कराएगा कुश्ती संघ, 14 श्रेणियों के लिए होना है चयन

नई दिल्ली । एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से नाराज और चिंतित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विश्व क्वालिफायर में भारतीय टीम के चयन के लिए नए सिरे से ट्रायल कराने का फैसला किया है। बिश्केक में एशियाई चैंपियनशिप में भारत ने 18 में से चार ही कोटा हासिल किए और सभी महिला पहलवानों को मिले जिनमें विनेश फोगाट भी शामिल हैं। अभी भी 14 श्रेणियां बची हैं और नौ मई से तुर्की में होने वाले विश्व क्वालिफायर में जीतना एशियाई क्वालिफायर की तुलना में कठिन होगा। डब्ल्यूएफआई सभी 14 श्रेणियों में ट्रायल का आयोजन करेगा। इनमें महिला वर्ग में दो (68 और 62 किग्रा), पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में छह-छह वर्ग शामिल हैं जिनके ट्रायल अप्रैल के आखिरी सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में आयोजित किए जाएंगे। एक सूत्र ने कहा, 'डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने भारतीय कोचों और चयन समिति के सदस्यों से प्रदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने स्वीकार किया कि यह बेहद खराब प्रदर्शन रहा। यह पहली बार हुआ है कि फ्रीस्टाइल में भी भारत को कोटे के लिए जूझना पड़ रहा है। यह तय किया गया है कि डब्ल्यूएफआई सभी 14 वर्गों में ट्रायल का आयोजन करेगा।

सहवाग ने सैम करन की जमकर आलोचना की

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के स्टैंड-इन कप्तान सैम करन की टीम में भूमिका पर सवाल उठाया। पंजाब किंग्स को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात से 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा जो इस सीजन टीम की छठी हार है। सहवाग की यह टिप्पणी पीबीकेएस को कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में गुजरात जाइंट्स के हाथों हार झेलने के बाद आई। करन ने 19 गेंदों में 20 रन बनाए और अपने दो ओवरों में 18 रन देकर एक विकेट लिया। सहवाग ने कहा, अगर मैं पीबीकेएस डगआउट में होता, तो मैं उसे अपनी टीम में नहीं चुनता, न तो बल्लेबाजी ऑलराउंडर के रूप में और न ही गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में। वो खिलाड़ी किसी काम का नहीं अगर वह थोड़ी गेंदबाजी और थोड़ी बल्लेबाजी कर सकता है। या तो आप ठीक से बल्लेबाजी करें और हमें मैच जिताएं, या फिर अपनी गेंदबाजी से हमें जिताएं। मुझे यह छोटे-छोटे हिस्से में बंटे खिलाड़ी समझ में नहीं आते। इस सीजन में करन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उन्होंने 8 पारियों में 116.03 की स्ट्राइक रेट से केवल 152 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक अर्धशतक भी शामिल है। गेंदबाजी के मामले में उन्होंने 8 मैचों में 8.79 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए हैं।

यशस्वी की शतकीय पारी ने मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से हराया

जयपुर 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संदीप शर्मा की 18 रन देकर पांच विकेट की घातक गेंदबाजी के बाद यशस्वी जायसवाल नाबाद (104) और संजू सैमसन नाबाद (38) की शानदार पारियों की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 38वें मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट हरा दिया है। यह राजस्थान की आठ मैचों में सातवीं जीत हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और जॉस बटलर की जोडनी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सातवें ओवर में पीयुष चावला ने जॉस बटलर को आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलाई। बटलर ने 25 गेंदों में छह चौकों की मदद से 35 रन बनाये। कप्तान संजू सैमसन ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 38 रन बनाये। वहीं यशस्वी जायसवाल ने 59 गेंदों में आठ चौके और सात छक्के लगाते हुए नाबाद 104 रनों की पारी खेली। राजस्थान ने 18.4 ओवर में एक विकेट पर 183 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया। मुम्बई की ओर से पीयुष चावला को एक विकेट मिला। हालांकि मैच के दौरान हुई बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका रहा। लेकिन मुम्बई के गेंदबाज उसका फायदा नहीं उठा सके।

इससे पहले तिलक वर्मा (49) और नेहाल वढेरा (49) की शानदार पारियों के दम पर मुंबई इंडियंस ने सोमवार को राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 180 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने रोहित शर्मा (6) का विकेट गवां दिया। अगले ही ओवर में इशान किशन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। सूर्यकुमार यादव (10) रन बनाकर आउट हुये। उसके बाद तिलक वर्मा और मोहम्मद नबी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नबी ने 17 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 23 रन बनाये। उन्हें चहल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। नेहाल वढेरा ने तिलक के साथ पांचवें विकेट लिये 99 रनों की साझेदारी कर टीम के स्कोर को मजबूती दी। नेहाल वढ़ेरा ने 24 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 49 रन बनाये। उन्हें बोल्ट ने संदीप के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या (10) को आवेश खान ने पगबाधा आउट किया। तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए 65 रनों की पारी खेली। टिम डेविड (तीन) रन बनाकर आउट हुये। पीयूष चावला (1) और जसप्रीत बुमराह (2) रन बनाकर नाबाद रहे। संदीप शर्मा की घातक गेंदबाजी मुंबई की टीम को निर्धारित 20 ओ-वरों में नौ विकेट पर 179 रन का स्कोर रोक दिया था।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से संदीप शर्मा ने पांच विकेट चटकाये। ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिये। आवेश खान और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पैदल चाल एथलीट प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह का शानदार प्रदर्शन हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय पैदल चाल एथलीट प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने अंताल्या में जारी विश्व एथलेटिक्स पैदल चाल टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। टॉप्स स्कीम योजना के एथलीट प्रियंका और अक्षदीप की जोड़ी ने पैदल चाल की मिक्स्ड मैराथन रेस में 18वें स्थान पर रहकर कोटा हासिल किया।

शीर्ष-22 टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी

इस चैंपियनशिप में शीर्ष 22 टीमें स्वतः ही ओलंपिक के लिए क्वलीफाई कर लेंगी। प्रियंका और अक्षदीप की भारतीय जोड़ी ने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन करते हुए 42.195 किमी की दूरी तीन घंटे पांच मिनट तीन सेकेंड में पूरी की और पेरिस ओलंपिक के लिए कट हासिल करने के मानदंड को पूरा किया। इस रेस में प्रतिस्पर्धा करने वाले अन्य भारतीय एथलीट मुनिता प्रजापति और परमजीत सिंह तीन घंटे नौ मिनट और 58 सेकेंड के समय के साथ 35वें स्थान पर रहे और ओलंपिक का कोटा हासिल करने से चूक गए। वैकल्पिक रूप से दूरी तय करते हैं एथलीट मिक्स्ड टीम रिले पैदल चाल में पुरुष और महिला खिलाड़ी को वैकल्पिक रूप से यह दूरी तय करनी होती है। पुरुष खिलाड़ी 12.195 किलोमीटर चलता है और फिर महिला 10 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इसके बाद पुरुष और महिला 10-10 किमी चलते हैं। हर चरण के शुरू होने से पहले 20 किलोमीटर चेंजओवर के लिए होते हैं। इटली की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान और स्पेन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

ओलंपिक में डेब्यू करेगा पैदल चाल में मिक्स्ड रिले इवेंट

पैदल चाल वर्ग में मैराथन मिक्स्ड रिले इवेंट पेरिस ओलंपिक में डेब्यू करेगा। यह इवेंट रिले प्रारूप में टीमों के साथ आयोजित किया जाता है। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होगा। भारतीय एथलीटों की नजरें पेरिस ओलंपिक में अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर टिकी होंगी। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीते थे।

नरेन को आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं गंभीर

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच गौतम गंभीर ने सुनील नरेन की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि नरेन को वह आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं। गंभीर के अनुसार साल 2011 में नरेन को भारत के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में खेलने देखकर उन्हें पता चल गया था कि ये खिलाड़ी टी20 क्रिकेट में महान बनेगा। गंभीर ने कहा कि साल 2011 में नारायण को पदार्पण श्रृंखला में खेलते हुए देखने के बाद ही उन्होंने इस खिलाड़ी को आईपीएल के लिए शामिल करने का फैसला किया था।

गंभीर ने कहा, 'मैंने तब नरेन की सात या आठ गेंदों का ही सामना किया था और तभी मुझे लगा कि यह का महान क्रिकेटर बनेगा। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में 170 विकेट लिए हैं और लीग में 168 मैच में एक शतक सहित 1322 रन भी बनाए हैं। नरेन ने दिसंबर 2011 में अहमदाबाद में तीसरे एकदिवसीय में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था जिसमें उन्होंने विराट कोहली और आर अश्विन को आउट कर 34 रन देकर दो विकेट लिए थे। गंभीर ने चौथे एकदिवसीय में पहली बार नरेन की गेंदों का सामना किया था। नरेन हालांकि छह ओवर में 46 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाये थे। वहीं साल 2012 में नरेन केकेआर के रहस्यमयी गेंदबाज के तौर पर सामने आए और 24 विकेट लेकर मोर्नी मोर्कल के 25 विकेट के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने थे। इससे केकेआर की टीम 2012 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही। केकेआर ने दूसरी बार जब 2014 में खिताब जीता तब भी नरेन ने 21 विकेट लिए थे। इसके साथ ही वह बल्लेबाजी से भी टीम का सहयोग करते रहे हैं।

अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का राज बताया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल ।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए कई आक्रामक पारियां खेली हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 12 गेंद में ही 46 रन बना दिये थे।अब अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के पीछे छिपा राज बताया है।

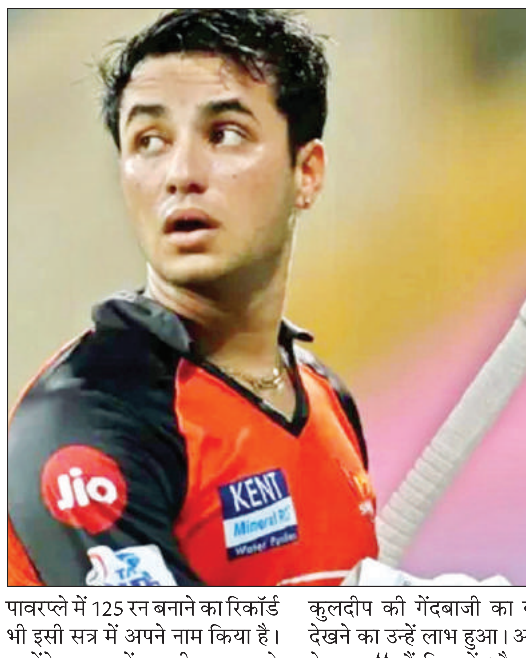

अभिषेक ने कहा कि आईपीएल में प्रतिद्वंद्वी टीम के मुख्य गेंदबाजों को ध्यान में रखकर तैयारी करने से उन्हें लाभ हुआ है। अभिषेक ने ट्रेविस हेड के साथ केवल 38 गेंद में 131 रन की साझेदारी की थी। उन्होंने पावरप्ले में 125 रन बनाने का रिकॉर्ड भी इसी सत्र में अपने नाम किया है। उन्होंने इस सत्र में कुलदीप यादव को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने चार छक्के कुलदीप की गेंद पर लगाये हैं। इसी को लेकर अभिषेक ने कहा कि कुलदीप की गेंदबाजी का वीडियो देखने का उन्हें लाभ हुआ। अभिषेक ने कहा, '' मैं स्पिनरों और विरोधी टीम के मुख्य गेंदबाजों के अनुसार तैयारी करता हूं। इस साल भी मैंने कुलदीप के खिलाफ खेलने की तैयारी की थी क्योंकि वे उनके मुख्य गेंदबाज है। मैं उनका वीडियो देखता हूं। मैं अभ्यास सत्र में विरोधी टीम के गेंदबाजों की तरह गेंद डालने वाले किसी गेंदबाज के खिलाफ अभ्यास भी करता हूं। इससे भी मुझे लाभ मिलता है।

अपनी पारी में छह छक्के लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी मौजूदा लय कड़ी मेहनत से आई है। उन्होंने कहा, ''आईपीएल से पहले मैंने कड़ी मेहनत की थी। सैयद मुश्ताक ट्रॉफी (घरेलू टी20 टूर्नामेंट) में भी मैंने काफी मेहनत की थी इससे मुझे काफी लाभ हो रहा है।'' अभिषेक ने कहा कि वह काफी समय से हेड के प्रशंसक रहे है और उनके साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव शानदार रहता है। साथ ही कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी है जिसका मैं अनुसरण करना चाहता हूं। मैं तीनों प्रारूप में हेड की बल्लेबाजी का प्रशंस हूं। उनके हमारी टीम में होने से भी मुझे लाभ मिला है।

साथ ही कहा कि जब भी मुझे गेंदबाजी का मौका मिलेगा मुझे उसके लिए तैयार रहना चाहिये।

उथप्पा बोले मानसिक रुप से निराश हैं पांड्या

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मानसिक रुप से परेशान होने के कारण आईपीएल सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पांड्या को इस सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी दी गयी थी पर वह गेंद और बल्ले के अलावा कप्तानी कौशल में भी सफल नहीं हुए हैं। उथप्पा के अनुसार रोहित शर्मा की जगह टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों की हूटिंग का शिकार हुए हैं जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य खराब हुआ है। उन्हें प्रशंसकों की ओर से लगातार नकारात्मकता मिल रही है। पहले 7 मैचों में मुंबई ने नए कप्तान हार्दिक के नेतृत्व में केवल तीन जीत हासिल की हैं।

हार्दिक का बचाव करते हुए उथप्पा ने कहा कि प्रशंसकों का उनके प्रति व्यवहार सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसमें भारतीय टीम के लिए सर्वकालिक महान बनने की क्षमता है। जिस टीम ने उसे खोजा था, उसने उसे जाने दिया, वह दूसरी फ्रेंचाइजी में चला गया। उनके साथ 3-4 खिताब जीतने के बाद वह चला गया। उसे थोड़ा बुरा लगा होगा, वह गुजरात टाइटंस में गया, एक खिताब जीता और दूसरे में उपविजेता रहा।

उथप्पा ने कहा, मजाक, ट्रोलिंग, उनकी फिटनेस के बारे में मीम्स। आपको उसे दुख होता है। यह किसी भी इंसान को हताश करता है। साथ ही कहा कि हम लोग, भारतीय होने के नाते, भावुक हैं। लेकिन किसी भी इंसान के प्रति इस तरह का व्यवहार करना हमारे लिए अशोभनीय है, हमें इन मीम्स पर हंसना नहीं चाहिए और न ही उन्हें आगे भेजना चाहिये।

उन्होंने कहा, एक कॉर्पोरेट व्यक्ति का काम टेलीविजन पर आलोचना करना या उसके बारे में राय रखना नहीं है। जब ऐसा मामला होता है, तो आपको दूसरे व्यक्ति के प्रति एक निश्चित मात्रा में सहानुभूति और सम्मान का व्यवहार करना होगा ताकि उन्हें विफल होने दिया जा सके। एक देश के रूप में हमने जो सबसे खूबसूरत चीजें की हैं उनमें से एक है हमारे प्यार की अभिव्यक्ति और हमारे भारतीय के प्रति हमारी प्रतिक्रिया, विश्व कप हारने के बाद हमें एक समाज और भारतीय के रूप में ऐसा ही होना चाहिए।

तरुण ने जीता स्वर्ण, सुहास को कांस्य, पैरा शटलरों ने छह स्वर्ण समेत 22 पदक जीते

विटोरिया (स्पेन)। स्पेनिश पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय पैरा शटलरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण समेत 22 पदक जीते। तरुण ने सुकांत कदम को हराकर एसएल-4 कैटेगरी का स्वर्ण जीता, जबकि विश्व चैंपियन सुहास एलवाई ने यहां कांस्य पदक जीता। उन्हें सेमीफाइनल में सुकांत के हाथों हार मिली। एसएल-3 कैटेगरी में नितेश कुमार ने मनोज सरकार को हराकर स्वर्ण जीता, जगदेश को कांस्य पदक मिला। महिलाओं की एसएच-6 कैटेगरी का स्वर्ण नित्याश्री ने जीता। नितेश ने तुलसीमती के साथ मिलकर मिश्रित युगल की एसएल-3, एसयू-5 का स्वर्ण जीता। महिला युगल की एसएल-3, एसयू-5 कैटेगरी का स्वर्ण पलक कोहली और सेलिक ने जीता। महिलाओं की एसयू-5 कैटेगरी का स्वर्ण मनीषा रामदास ने जीता।

राईसी पहुंचे पाक के ऐतिहासिक दौरे पर ईरान के राष्ट्रपति का हुआ जोरदार स्वागत

इस्लामाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान के राष्ट्रपति डॉक्टर इब्राहिम राईसी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंचे हैं। ईरानी राष्ट्रपति का इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछा जोरदार स्वागत किया गया है। इस दौरान पाकिस्तान के कई मंत्री राष्ट्रपति राईसी के स्वागत में एयरपोर्ट पहुंचे थे। गाजा पर छिड़े युद्ध के दौरान राईसी के पाक दौरे को अहम माना जा रहा है, इससे अमेरिका भी चिंतित नजर आया है और वह इस पर बारीक नजर रखे हुए है। यहां बतलाते चलें कि राईसी के दौरे को इसलिए भी ऐतिहासिक बताया जा रहा है क्योंकि ईरानी राष्ट्रपति का 7 साल बाद यह पहला पाकिस्तान दौरा है। खास बात यह है कि ईरानी राष्ट्रपति राईसी ने यह दौरा ऐसे समय पर किया है जबकि गाजा में चल रही जंग के बीच इजराइल और अमेरिका के साथ उनके देश के युद्ध जैसे हालात बने हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले बताया गया था कि इजराइल के साथ मिसाइल हमले हुए जिसके बाद ईरानी राष्ट्रपति का दौरा रद्ध होने की बात भी सामने आई थी, लेकिन इन्हें अफवाह साबित करते हुए राईसी पाकिस्तान पहुंच गए हैं। इस दौरे से यह माना जा रहा है कि ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका और इजराइल को संदेश देने के लिए ही दौरा किया है। इस बीच पाकिस्तान ने ईरानी राष्ट्रपति का जोरदार स्वागत किया है, जिसे देख अमेरिका भड़का हुआ है और इस पर बारीक नजर रखने की बात कह रहा है। सूत्रों की मानें तो ईरानी राष्ट्रपति राईसी अगले 3 दिन तक पाकिस्तान में रहेंगे और गैस पाइपलाइन से लेकर क्षेत्र के हालात पर पाकिस्तान के साथ वार्ता करेंगे। गौरतलब है कि इससे दो दिन पहले पाकिस्तान और ईरान के बीच मिसाइलों से हमले की खबरें आम हुई थीं और यह समझा जा रहा है कि इससे दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव आया है। इस यात्रा के जरिए ईरानी राष्ट्रपति राईसी दोनों देशों के बीच के तनाव को खत्म कर सकते हैं। दरअसल ईरानी राष्ट्रपति के साथ उनके अनेक मंत्री और आला अधिकारी तथा प्रमुख बिजनसमैन भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। इस दौरे के दौरान राईसी पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर बातचीत करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

कोकीन का नशा छुडाने में मददगार होगी ये वैक्सीन, बिलकुल अलग तरीके से काम करेगी वैक्सीन

ब्राजीलिया। दुनियाभर में लाखों लोगों की कोकीन के नशे की लत छोड़ने में मददगार होगी ब्राजील के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई वैक्सीन। वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन को 'कैलिक्सकोका' नाम दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैक्सीन एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ट्रिगर करती है, जो कोकीन और उसके डेरिवेटिव से मिलने वाले 'हाई' यानी तीव्र नशे को रोकता है। यह दवा लोगों को नशे की लत छोड़ने में बिलकुल अलग तरीके से काम करेगी। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये वैक्सीन कोकीन के असर को दिमाग तक पहुंचने ही नहीं देती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले अमेरिका में हर साल कोकीन के नशे की लत का इलाज कराने वाले 9,00,000 लोगों में से ज्यादातर को इलाज की जरूरत महसूस होती है। कई बार लंबे इलाज के बाद भी वे फिर से कोकीन लेना शुरू कर देते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैक्सीन कोकीन लेने से होने वाले 'हाई' को दबाने के लिए डिजाइन किया गया है। ये वक्सीन कोकीन लेने की इच्छा को ही खत्म करने में बेहतरीन उपकरण साबित होगी। येल के क्लिनिकल अध्ययन में पाया गया कि वैक्सीन कोकीन एंटीबॉडी का उत्पादन करती है, जो संभावित रूप से नशे को दिमाग तक पहुंचने से रोककर इसके असर को रोक सकती है। येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर और वीए कनेक्टिकट हेल्थकेयर सिस्टम के मनोचिकित्सा के प्रमुख थॉमस आर। कोस्टेन और उनकी टीम ने 34 कोकीन का सेवन करने वालों को वैक्सीन लगाई। इन लोगों को 3-10 साल से कोकीन की लत थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन ड्रग एब्यूज समर्थित अध्ययन से पता चला कि वैक्सीन लगानो के बाद उनमें खास तरह की एंटीबॉडी बनीं, जो कोकीन से बॉन्ड बनाती हैं और इसे रक्तप्रवाह के जरिये मस्तिष्क तक पहुंचने से रोक सकती है। इस तरह वैक्सीन कोकीन के मनोवैज्ञानिक असर को निष्क्रिय कर सकती है। कोकीन एंटीबॉडी के उत्पादन में वैक्सीन का असर पूरे परीक्षण के दौरान बना रहा। कोस्टेन ने कहा कि वैक्सीन बेहद सुरक्षित है। क्लीनिकल ट्रायल्स के दौरान कोई बड़ा दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला। ये वैक्सीन बहुत ही गंभीर समस्या के लिए पूरी तरह से नया और बेहद व्यवाहारिक इलाज साबित हो सकता है। वह कहते हैं कि इससे पहले कोकीन की लत छुड़ाने के लिए कोई वैकल्पिक दवा उपचार उपलब्ध नहीं था। हम अभी तक कोकीन की लत को छुड़ाने को लेकर इसके फायदों के बारे में पूरी तरह से नहीं जानते हैं। फिर भी ये दुनियाभर में लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण जैसा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, वैक्सीन ने कोकीन के अणुओं को मस्तिष्क के मेसोलेम्बिक सिस्टम में जाने के लिए बहुत बड़ा बना दिया। बता दें कि कोकीन लेने के बाद मस्तिष्क का यही हिस्सा डोपामाइन का उत्पादन करने के लिए एक्टिव होता है। मूल रूप से कोकीन लेने के बाद भी लोगों को उतना नशा नहीं होगा, जितने की उन्हें उम्मीद रहती है। साल 2023 में इस परियोजना को लैटिन अमेरिकी चिकित्सा के लिए यूरो हेल्थ इनोवेशन अवार्ड्स में शीर्ष पुरस्कार दिया गया, जिसके तहत 5,00,000 यूरो का नकद इनाम भी दिया गया था। अभी भी वैक्सीन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम जारी है।वैज्ञानिकों ने इंसानों पर परीक्षण के पहले वैक्सीन का जानवरों पर ट्रायल किया था। परीक्षण में उम्मीद के मुताबिक नतीजे मिले। इसके अलावा यह वैक्सीन चूहे के भ्रूण को कोकीन से बचाने में मददगार पाई गई। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह वैक्सीन नशे की लती गर्भवती महिला के अजन्मे बच्चों की सुरक्षा करने में मदद कर सकता है।

सीरिया में अमेरिकी फौज के ठिकानों पर हमले

इराक से दागे गए रॉकेट्स, ईरान समर्थित कातिब हिजबुल्लाह पर आरोप

डमस्कस, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

इजराइल- ईरान में चल रहे तनाव के बीच रात सीरिया में अमेरिकी फौज के ठिकानों पर हमले हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ये हमला इराक से किया गया। इराक की सिक्योरिटी फोर्सेस के मुताबिक अमेरिका के मिलिट्री बेस पर निनेवेह इलाके से 5 रॉकेट दागे गए फिलहाल हमला करने वालों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हमले का आरोप इराक में ईरान समर्थित समूह कातिब हिजबुल्लाह पर है, जो इराक से अमेरिकी फौज को बाहर करना चाहता है। हाल ही में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी अमेरिका के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से मांग की थी कि वो इराक से अपनी फौज को निकाल लें।

ट्रक से रॉकेट लॉन्च किए गए

इराक के मिलिट्री अधिकारियों के मुताबिक, सीरिया से इराक के शहर जुम्मार में एक छोटे ट्रक से रॉकेट लॉन्च किए गए। इस दौरान जिस ट्रक पर रॉकेट लॉन्चर रखा हुआ था उसमें भी विस्फोट हो गया। इस विस्फोट के दौरान इराक में कुछ फाइटर जेट्स दिखाई दिए थे। ऐसे में ये माना जा रहा है कि हमले के बाद अमेरिका ने ट्रक पर कार्रवाई की है। जिसके बाद पूरा ट्रक जलकर खाक हो गया। हालांकि, इराक की सिक्योरिटी फोर्सेस ने अमेरिका के कार्रवाई करने वाली बात पर अब तक कोई जानकारी नहीं दी है।

मिडिल ईस्ट के फिर अस्थिर होने का डर

सीरिया में अमेरिका के ठिकानों पर हमला उस वक्त हुआ है जब हाल ही में ईरान ने इजराइल और फिर इजराइल ने ईरान पर एयर स्ट्राइक की। इसकी शुरुआत सीरिया में ईरान के ठिकानों पर हुए इजराइल के हमलों से हुई थी। अमेरिकी मीडिया हाउस ईरान और इजराइल ने आपस में स्ट्राइक की है, पर इससे ईरान और पश्चिमी देशों के बीच टकराव का अंत नहीं समझा जाना चाहिए। ईरान और इजराइल आपस में न लड़कर फिर से इराक और सीरिया में एक-दूसरे के ठिकानों को निशाना बनाएंगे और जवाबदेही भी नहीं लेंगे। ऐसी स्थिति जनवरी 2020 में अमेरिका और ईरान के बीच भी हो गई थी। जब ईरान का टॉप जनरल कासिम सुलेमानी बगदाद एयरपोर्ट के पास अमेरिकी की ड्रोन स्ट्राइक में मारा गया था। सुलेमानी पर इराक जंग के वक्त ईरान के बाहर मिलिट्री और इंटेलिजेंस ऑपरेशन चलाने के आरोप थे।

कौन है कातिब हिजबुल्लाह

कातिब हिजबुल्लाह एक कट्टरपंथी इराकी शिया संगठन है। इसकी शुरुआत 2003 में अमेरिका और ब्रिटेन के इराक पर हमले के बाद कई ईरानी समर्थक समूहों के बीच एक संगठन के तौर पर हुई थी। इस समूह की स्थापना जमाल जाफर अल-इब्राहिम ने की थी, जिसे अबू महदी अल-मुहांडिस के नाम से जाना जाता है। इस समूह ने 2003 से 2011 तक इराक युद्ध के वक्त गठबंधन सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। इसके अलावा यह समूह इराक युद्ध (2013-2017) और सीरियाई गृहयुद्ध (2011-वर्तमान) में सक्रिय रहा है। 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने तक समूह की कमान अबू महदी अल-मुहांडिस के पास थी।

इसके बाद मुहांडिस की जगह अब्दुल अजीज अल-मुहम्मदावी (अबू फदक) को पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) का नया नेता नियुक्त किया गया। कातिब हिजबुल्लाह का लक्ष्य इराक में ईरान समर्थित एक समानांतर सरकार की स्थापना करना और अमेरिका को अपने देश से बाहर निकालना है।

लेबनान में वर्षों तक बंधक रहे अमेरिकी पत्रकार टेरी एंडरसन का निधन, नरक जैसे हालात में रहे थे कैद

वॉशिंगटन, 22 अप्रैल।

अमेरिकी पत्रकार टेरी एंडरसन का निधन हो गया है। टेरी एंडरसन को इस्लामी आतंकियों ने लेबनान में करीब सात वर्षों तक बंधक बनाकर रखा था और पूरी दुनिया में इसकी चर्चा हुई थी। टेरी एंडरसन ने 76 वर्ष की उम्र में अपने न्यूयॉर्क स्थित घर पर अंतिम सांस ली। टेरी एंडरसन मीडिया जगत के एक बड़े संस्थान के मध्य पूर्व के मुख्य संपादक थे और लेबनान में बंधक बनाए गए पश्चिमी नागरिकों में सबसे लंबे समय तक बंधक रहे।

लेबनान में करीब सात वर्षों तक रहे बंधक टेरी एंडरसन

टेरी एंडरसन की बेटी सुलोम एंडरसन ने यह जानकार दी। टेरी को शिया मुस्लिम आतंकी संगठन ने बंधक बनाकर रखा था। इस दौरान टेरी को हाथ-पैर बांधकर, आंखों पर पट्टी बांधकर एक ऐसी कोठरी में रखा गया, जहां रोशनी भी कम आती थी। टेरी ने रिहाई के बाद बताया था कि वह एक समय पागल जैसे हो गए थे और खुदकुशी करना चाहते थे, लेकिन उनकी रोमन कैथोलिक आस्था की वजह से वे बचे रहे। आखिरकार दिसंबर 1991 में टेरी को रिहा कर दिया गया। टेरी की बेटी सुलोम ने बताया कि उसके पिता ने बंधक रहते हुए काफी कष्ट झेला। सुलोम ने कहा वह चाहेंगे कि लोग उन्हें उनके सबसे बुरे अनुभव के लिए याद न रखें बल्कि उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें याद रखा जाए। जैसे उन्होंने वियतनाम के बच्चों के लिए फंड बनाया। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए समिति बनाने समेत कई अच्छे काम किए।

शिया आतंकियों ने किया था अपहरण

टेरी एंडरसन का जन्म 27 अक्तूबर 1947 को ओहियो में हुआ था। टेरी का बचपन बटाविया, न्यूयॉर्क जैसे शहरों में बीता। आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक करने के बाद टेरी ने छह वर्षों तक मरीन कॉर्प्स में भी काम किया। इसके बाद टेरी ने मीडिया में काम करते हुए डेट्रॉयट, लुइसविले, न्यूयॉर्क, टोक्यो, जॉहानेसबर्ग और फिर बेरूत में काम किया। बेरूत से ही टेरी का अपहरण किया गया। 16 मार्च 1985 को जब टेरी बेरूत स्थित अपने घर पर टेनिस खेल रहे थे, उसी दौरान एक कार में आए कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने उनका अपहरण कर लिया।

पाकिस्तान उपचुनाव में नवाज शरीफ की पार्टी का दबदबा, नहीं चला इमरान खान का जादू

इस्लामाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में हुए उपचुनाव में सत्ताधारी पीएमएलएन पार्टी का दबदबा देखने को मिला है। नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पीएमएलएन ने उपचुनाव में नेशनल असेंबली की दो सीटों और प्रांतीय असेंबली की 10 सीटों पर जीत दर्ज की है। हालांकि अभी तक आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है और मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह दावा किया गया है।

नवाज शरीफ की पार्टी का बढ़िया प्रदर्शन

पाकिस्तान में कुल पांच नेशनल असेंबली सीटों, जिनमें पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा की दो-दो नेशनल असेंबली सीट और सिंध की एक नेशनल असेंबली सीट पर उपचुनाव हुए। वहीं पंजाब की 12 असेंबली सीटों, खैबर पख्तूनख्वा की दो और बलूचिस्तान की भी दो असेंबली सीटों पर उपचुनाव कराए गए। इन उपचुनाव में नवाज शरीफ की पार्टी ने दो नेशनल असेंबली की सीटों और 10 असेंबली सीटों पर जीत दर्ज की है। इस उपचुनाव में पीएमएलएन के अलावा इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थन वाली सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी ने हिस्सा लिया। वहीं मौलाना फजलुर रहमान की पार्टी जमीयत उलेमा ए इस्लाम ने उपचुनाव का बहिष्कार किया।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएमएलएन ने दो नेशनल असेंबली सीटों पर जीत दर्ज की है तो पीपीपी और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने एक-एक सीट पर और एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। असेंबली सीटों में से पीएमएलएन ने पंजाब की नौ सीटों पर, बलूचिस्तान की एक सीट पर जीत दर्ज की। वहीं पीपीपी, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल और इश्तेकाम पाकिस्तान पार्टी ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की।

चांद के कुछ हिस्सों पर कब्जा करना चाहता है चीन, नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने कही यह बात

वॉशिंगटन, 22 अप्रैल। (एजेंसियां)।

नेल्सन ने कहा कि चीन हमेशा से यह कहता रहा है कि अंतरिक्ष में उसकी गतिविधियां पूरी तरह वैज्ञानिक हैं। उसका उद्देश्य किसी भी तरह से अतिक्रमण करने का नहीं है। लेकिन चीन के इरादे कुछ और ही हैं। हमें लगता है कि वे अंतरिक्ष के क्षेत्र में चीन ने असाधारण प्रगति की है, लेकिन उसके ज्यादातर कार्यक्रम गोपनीय रहे हैं। अमेरिका और चीन दोनों चंद्रमा पर स्थायी अड्डे बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी साल मार्च में चीन के वैज्ञानिकों ने डिज्नीलैंड के आकार का चंद्र बेस बनाने का ऐलान किया था।

चीन को अहम प्रतिद्वंदी मानता रहा है अमेरिका

नेल्सन ने कहा, चीन के इरादों से लगता है कि वह चांद के कुछ हिस्सों पर अपना कब्जा जमाना चाहता है। हम एक रेस में है। 2030 तक चांद पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। हम वहां जल्द पहुंचना चाहते हैं। आर्टेमिस आईआईआई सितंबर, 2026 में लॉन्च किया जाएगा। दरअसल, अमेरिका चांद को लेकर हमेशा चिंतित रहता है। वह चीन को अपना सबसे अहम प्रतिद्वंद्वी मानता है। लेकिन नेल्सन का दावा है कि अमेरिका चीन से काफी आगे है। उन्होंने कहा कि अगर चीन पहले वहां अपना आधार बनाना शुरू करता है तो वह चांद के कुछ हिस्सों पर दावा कर सकता है। नासा की ये चिंता इसलिए है, क्योंकि चीन अपना अंतरिक्ष स्टेशन 2022 में ही बना चुका है। इसके साथ ही उसने अपने उपग्रहों की संख्या दोगुनी कर दी है।

चार साल में किया अरबों डॉलर का निवेश

चीन ने बीते चार साल में अंतरिक्ष मिशन के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। अमेरिकी स्पेस फोर्स के कमांडर ने चीन के ट्रैकिंग उपग्रहों को लेकर चेताया है, जिनका उपयोग सैन्य अभियानों की निगरानी के लिए किया जा सकता है। चीन विशाल जासूसी गुब्बारे और हाइपरसोनिक मिसाइलें भी विकसित कर रहा है।

वियतनाम के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में आंधी-तूफान से एक की मौत, आठ घायल

हनोई, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

वियतनाम के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में मूसलाधार बारिश और आंधी-तूफान के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई है और आठ अन्य घायल हो गए हैं। देश की प्राकृतिक आपदा रोकथाम एवं नियंत्रण पर राष्ट्रीय संचालन समिति ने सोमवार को यह जानकारी दी। समिति ने बताया कि देश के 11 उत्तरी प्रांतों में सप्ताहांत के दौरान बारिश और आंधी के कारण 6,891 मकान नष्ट हो गए और 53 स्कूलों की छतें उड़ गईं। समिति के अनुसार, 2023 में, प्राकृतिक आपदाओं के कारण दक्षिण पूर्व एशियाई देश में 169 लोगों की मौत हो गई या लापता हो गए, जिससे 8.2 ट्रिलियन डोंग (322.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से ज्यादा का आर्थिक नुकसान हुआ।

मालदीव में राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी की जीत के क्या हैं मायने, क्या इससे भारत की परेशानी बढ़ेगी

माले, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

मालदीव में संसदीय चुनाव के लिए मतदान हुआ। इस चुनाव में राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) को धमाकेदार जीत मिली है। राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी ने 93 सदस्यों वाली संसद में 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। खबर लिखे जाने तक 86 सीटों के नतीजे घोषित हो गए थे, जिनमें से 66 पर पीएनसी को जीत मिली है। यह सदन की दो तिहाई से ज्यादा सीटें हैं। राष्ट्रपति मुइज्ज को चीन समर्थक माना जाता है। यही वजह है कि पीएनसी की जीत को भारत के लिए झटका माना जा रहा है।

क्या है इन नतीजों की अहमियत - मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बीते साल सर्वोच्च पद पर चुने गए थे। हालांकि मालदीव की संसद में उनकी पार्टी गठबंधन में थी और उनके पास बहुमत नहीं था। मालदीव की संसद में विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) का दबदबा था। एमडीपी को भारत समर्थक माना जाता है। मालदीव की संसद मजलिस में एमडीपी का बहुमत होने की वजह से राष्ट्रपति मुइज्जू की कई नीतियां लागू नहीं हो सकी थीं। साथ ही एमडीपी के सदस्यों ने राष्ट्रपति मुइज्जू को उनके भारत विरोधी रवैये के लिए निशाने पर भी लिया था। ऐसे में हुए संसदीय चुनाव राष्ट्रपति मुइज्जू की अग्निपरीक्षा जैसे थे। अब नतीजों से साफ है कि मुइज्जू की ताकत बढ़ेगी और इसका असर भारत के साथ मालदीव के रिश्तों पर भी पड़ सकता है।

भारत के लिए क्यों है चिंता का सबब ये नतीजे - मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। बीते साल राष्ट्रपति बनने के बाद वह मालदीव के कई बड़े प्रोजेक्ट चीन की कंपनियों को दे चुके हैं। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मुइज्जू ने चीन का दौरा भी किया और वहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले थे। लक्षद्वीप विवाद के बाद चीन दौरे से लौटने के बाद मुइज्जू ने अपने बयान में कहा था कि हम छोटे देश हैं, इसका मतलब ये नहीं है कि हमारा मजाक बनाने का लाइसेंस मिल गया है। हालांकि मुइज्जू ने किसी देश का नाम नहीं लिया था, लेकिन इसे भारत पर तीखा हमला माना गया था। राष्ट्रपति बनने के बाद ही मुइज्जू ने मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों को वापस भेजने का एलान कर दिया था। अब तक बड़े नीतिगत फैसले लेने के लिए मुइज्जू को संसद में काफी विरोध का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब संसदीय चुनाव में बंपर जीत के बाद उनकी ये भी परेशानी दूर हो गई है। ऐसे में आशंका है कि मालदीव में मुइज्जू की सरकार में चीन का दबदबा बढ़ सकता है। मालदीव हिंद महासागर में स्थित रणनीतिक रूप से अहम देश है। यही वजह है कि मालदीव में चीन की सक्रियता बढ़ना भारत के हित में नहीं है।

एक साल में दो बार क्यों मनाया जाता है हनुमान जन्मोत्सव?

हनुमान जन्मोत्सव का दिन अपार भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है। यह हर साल दो बार मनाया जाता है। एक चैत्र माह की पूर्णिमा और दूसरी कार्तिक माह की चतुर्दशी तिथि को। इस बार यह 23 अप्रैल, 2024 दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। राम भक्त हनुमान जी के जन्म को लेकर भक्तों के मन में यह सवाल हर साल आता है कि आखिर उनका जन्म साल में दो बार क्यों मनाया जाता है ? ऐसे में आज हम बजरंगबली के भक्तों की यह दुविधा दूर करते हुए इसके पीछे का रहस्य बताएंगे, जो यहां विस्तार से दिया गया है।

जानिए इसके पीछे का अद्भुत रहस्य

चैत्र मास में इस वजह से मनाया जाता है हनुमान जन्मोत्सव

ग्रंथों के अनुसार, एक बार भूख से बेहाल बाल हनुमान ने भोजन की लालसा में फल समझकर सूर्यदेव को निगल लिया था, जब इंद्रदेव ने उन्हें भगवान सूर्य को मुख से निकालने को कहा, तो उन्होंने मना कर दिया, जिसके चलते देवराज इंद्र क्रोध में आ गए और उन्होंने हनुमान जी पर वज्र से प्रहार कर दिया, जिससे वे मूर्छित हो गए। इस वाक्य को देख पवनदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने पूरे जगत से वायु का प्रवाह रोक दिया।

इसके बाद ब्रह्मा जी और अन्य देवताओं ने अंजनी पुत्र को दूसरा जीवन प्रदान किया और अपनी-अपनी कुछ दिव्य शक्तियां भी दी। यह घटना चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि के दौरान हुई थी, तभी से इस दिन को भी हनुमान जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

इस दिन जन्मे थे अंजनी पुत्र

पौराणिक कथाओं के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को वीर हनुमान का जन्म मां अंजनी के गर्भ से हुआ था। कहा जाता है उनके जन्म के समय कई प्रकार के शुभ संयोग बन रहे थे, जिनका एक साथ बनना बेहद दुर्लभ माना जाता है।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर का प्रसाद घर पर क्यों नहीं लाते? जानें इसका रहस्य

देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपने रहस्य के लिए विश्व भर में बेहद प्रसिद्ध हैं। इसके साथ ही भारत में ऐसे भी कई में मंदिर भी हैं, जो मशहूर होने के साथ-साथ बहुत प्राचीन भी हैं। ऐसा ही एक मंदिर बजरंगबली को समर्पित राजस्थान के सिकराय में है। इस मंदिर को मेहंदीपुर बालाजी के नाम से जाना जाता है। मंदिर में अधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता है कि मंदिर में मेहंदीपुर बालाजी जी के दर्शन करने से साधक की मनचाही मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यहां प्रसाद अर्पित करने के बाद उसे खाने के अलावा घर लाने की भी मनाही है। ऐसा माना जाता है कि अगर मंदिर का प्रसाद का सेवन करने या घर लाने से नकारात्मक शक्तियां उस इंसान पर हावी हो जाती हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे का रहस्य क्या है।

इसलिए नहीं लाया जाता प्रसाद

ऐसा माना जाता है कि मेहंदीपुर बालाजी जी मंदिर में पूजा और दर्शन करने से भूत-प्रेत आदि बाधाओं से मुक्ति मिलती है। इस मंदिर से खाने-पीने की चीज और प्रसाद को घर नहीं लाना चाहिए। इससे इंसान पर ऊपरी साया आ जाता है।

प्रेत आत्मा से मिलती है मुक्ति

मेहंदीपुर बालाजी जी मंदिर में हनुमान जी के बालाजी स्वरूप पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से इंसान को प्रेत आत्मा से मुक्ति मिलती है। मंदिर दो पहाड़ियों के बीच स्थित है। मंदिर में बालाजी महाराज और भैरव बाबा विराजमान हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप मेहंदीपुर बालाजी मंदिर जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो ऐसे में आपको मंदिर जाने से करीब एक हफ्ते पहले लहसुन, नॉनवेज और शराब आदि का सेवन बंद कर देना चाहिए। तभी बजरंगबली प्रसन्न होंगे। साथ ही मंदिर में आरती के दौरान पीछे मुड़कर या इधर-उधर नहीं देखना चाहिए। मंदिर में दर्शन करने के बाद भगवान श्रीराम और मां सीता के दर्शन अवश्य करें।

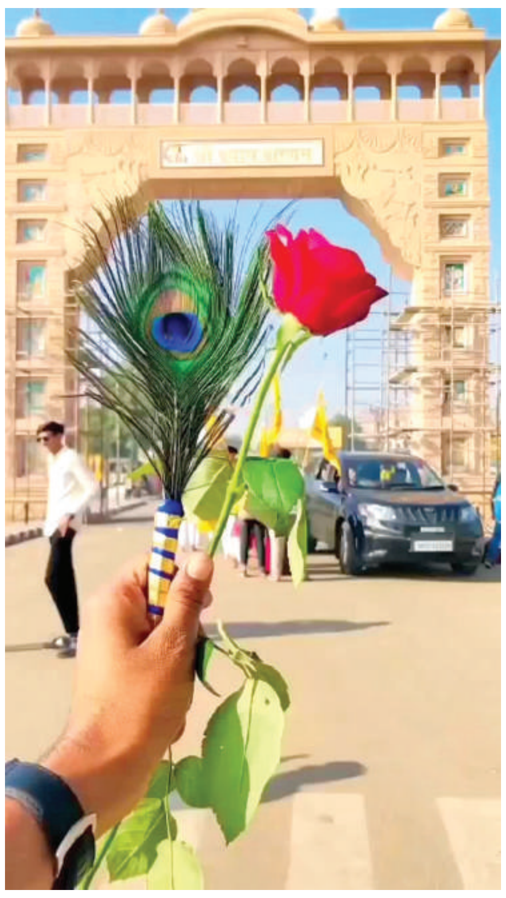

इस खास वजह से चढ़ाते हैं खाटू श्याम मंदिर में गुलाब के फूल

लाखों की संख्या में पहुंचते हैं भक्त, हर इच्छा पूरी करते बाबा

महाभारत के समय एक प्रतापी योद्धा बर्बरीक हुए थे। जिन्होंने भगवान कृष्ण के कहने पर अपना सिर काटकर गुरु दक्षिणा के रूप में अर्पित कर दिया था। बाद में भगवान कृष्ण ने उनको श्याम नाम से पूजने का आशीर्वाद दिया। ऐसा माना जाता है कि बर्बरीक जी का सिर सीकर जिले में खाटू गांव में मिला, तब से उनका वहीं मंदिर बनाया गया और उनको खाटू श्याम नाम से पूजा की जाने लगी।

क्यों चढ़ाते हैं गुलाब का फूल?

भगवान खाटू श्याम को भगवान कृष्ण के कलियुग का अवतार माना जाता है। साथ ही उनको हारे का सहारा भी कहा जाता है। सीकर स्थित मंदिर में उनके दर्शन के लिए हर साल लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं। वहां पहुंच कर भक्त उनको इत्र, खिलौने और गुलाब आदि चढ़ाते हैं। लेकिन इन सबमें सबसे खास यह है कि बाबा खाटू श्याम को गुलाब विशेष रूप से चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि उनको गुलाब बहुत प्रिय है और जो भी भक्त उनको गुलाब अर्पित करता है, वह उसकी हर इच्छा को पूरा करते हैं।

पौराणिक कथा

भगवान खाटू श्याम को गुलाब चढ़ाने को लेकर एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। इसके अनुसार भगवान खाटू श्याम के जन्म स्थान के आस-पास ही एक गुलाब की नगरी हुआ करती थी, जहां पर भगवान अपने बचपन के समय में सबसे ज्यादा रहे हैं। इस दौरान उनको गुलाब से खेलना बहुत पसंद था। इसी दौरान उनको गुलाब के फूल प्रिय हो गए।

सबसे पहले पहनाई थी गुलाब की माला

इसके साथ एक कथा ये प्रचलित है कि जब पहली बार बाबा खाटू श्याम का मंदिर बनाया गया था, तब वहां पर सबसे पहले गुलाब के फूलों की माला पहनाई गई थी। इसके बाद धीरे-धीरे इसने एक परंपरा का रूप ले लिया और भक्त अपने साथ गुलाब चढ़ाने के लिए लेकर आने लगे। वहीं ऐसा माना जाता है कि गुलाब के बिना भगवान खाटू श्याम का श्रृंगार अधूरा होता है। उनको गुलाब या गुलाब की बनी वस्तु अवश्य चढ़ाई जाती है।

सुखी होता है दाम्पत्य जीवन

ऐसी मान्यता है कि किसी दंपति के वैवाहिक जीवन में कुछ तनाव चल रहा हो या उनके बीच कुछ मतभेद हो तो इसके समाधान के लिए एक साथ जाकर बाबा खाटू श्याम को गुलाब चढ़ाना चाहिए। इससे उनके वैवाहिक जीवन में खुशियां आती हैं। इसकी वजह यह है कि गुलाब की खुशबू से शुक्र ग्रह मजबूत होता है, जो उनके प्रेम को मजबूत बनाता है। शुक्र ग्रह प्रेम का ग्रह भी माना जाता है।

9 दिन बाद बन रहा कुबेर योग

एक रात में करोड़पति बन सकते हैं ये 3 राशि वाले लोग

देवगुरु बृहस्पति एक साल में राशि परिवर्तन करते हैं। गुरु का राशि परिवर्तन वृषभ राशि में होगा। गुरु का वृषभ राशि में प्रवेश कुबेर योग बनाएगा। गुरु गोचर का असर 12 राशियों के जीवन में किसी न किसी तरह से अवश्य पड़ेगा। इस समय देवगुरु मेष राशि में हैं। 1 मई को गुरु गोचर करके शुक्र की राशि वृषभ में प्रवेश कर जाएंगे। गुरु का यह गोचर सभी राशियों पर असर होगा लेकिन 3 राशि वालों के लिए यह बहुत शुभ रहेगा। वृषभ राशि में कुबेर योग बनने से कुछ राशि के जातकों को अपार धन-संपदा की प्राप्ति हो सकती है। आइए जानते हैं कि किन राशि वालों के लिए गुरु गोचर बेहद शुभ रहने वाले हैं।

गुरु गोचर का राशियों पर शुभ असर .....

वृषभ राशि:- वृषभ राशि वालों के लग्न भाव में कुबेर योग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों की भौतिक सुखों की सारी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। इतना ही पेशेवर जिंदगी में भी अपार सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपके करियर की हर समस्या दूर हो सकती है। बड़ा इंक्रीमेंट और प्रमोशन मिल सकता है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे, जिससे हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। आर्थिक स्थिति में बड़ा उछाल आएगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शारीरिक और मानसिक समस्याएं भी दूर होंगी।

कर्क राशि:- देवगुरु बृहस्पति की कृपा आपके जीवन में सुनहरे दिन शुरू कर सकती है। आपके जीवन में दिनोंदिन धन-समृद्धि बढ़ेगी। नए-नए स्त्रोतों से पैसा आएगा। व्यापार के सिलसिले में यात्राएं होंगी। कुबेर योग आपकी तिजोरी भर सकता है। संतान संबंधी शुभ समाचार भी मिल सकता है। अध्यात्म की झुकाव बढ़ेगा। आपके काम को सराहना मिलेगी। लव लाइफ में पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कन्या राशि:- कुबेर योग कन्या राशि के जातकों की झोली धन और खुशियों दोनों से भर देगा। आपको अपार धन संपदा की प्राप्ति हो सकती है। भौतिक सुखों में भी ऐसी बढ़ोतरी होगी, जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। करियर में तरक्की देखने को मिल सकती है। काम के सिलसिले में विदेश यात्रा कर सकते हैं। मेहनत करें लेकिन परिवार को भी समय दें। समाज में मान-सम्मान की वृद्धि होगी। लोग आपकी बातें सुनेंगे। आपकी पर्सनालिटी बेहतर होगी।

बुरी शक्तियों से मिलेगी मुक्ति, रसोई घर में करें ये काम

हर कोई चाहता है कि उसके घर में सुख समृद्धि हमेशा बनी रहे और उसका जीवन खुशहाल रहे इसके लिए वास्तु शास्त्र में कई नियम बताए गए हैं जिसका पालन करने से आपका जीवन सुख शांति में रहेगा। अधिकतर वास्तु के नियम में कपूर का इस्तेमाल पूजा के दौरान नहीं किया जाता है। यदि आप रसोई घर में कपूर जलते हैं तो इससे आपको नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर में कपूर जलाने से वातावरण शुद्ध हो जाता है और घर में सुख समृद्धि बनी रहती है। वास्तु के नियम अनुसार देखे तो रसोई घर का अधिक महत्व होता है।

कपूर के उपाय के फायदे

-यदि आप घर के किचन में नियमित रूप से कपूर जलते हैं तो ऐसा करने से भोजन बनाते समय मन शांत और शुद्ध हो जाता है और इसका असर खाने पीने पर भी होता है।

-रसोई घर में कपूर जलाने से किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिल जाता है, और रसोई घर में सकारात्मक का वास हो जाता है।

-यह भी माना जाता है कि पांच तत्वों में संतुलन हमेशा बना रहता है। वास्तु दोष नहीं लगता पांच तत्वों में पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष, अग्नि और वायु शामिल है इन्हें काबू रखने के लिए हर एक दिन कपूर जलाना चाहिए।

-कपूर जलाने से पितृ दोष से भी छुटकारा मिलता है। इसके अलावा गाय के उपयोग पर कपूर जलाने से घर से बुरी शक्तियों चली जाती हैं।

-महिलाओं को अक्सर अपना किचन साफ रखने की सलाह दी जाती है, ताकि सकारात्मक ऊर्जा का आगमन हो और माता लक्ष्मी हमेशा प्रसन्न रहती हैं।

पहाड़ों की वादियों में गुम श्रद्धा कपूर

फोटोज शेयर कर कहा, किसी की मजाल है जो...

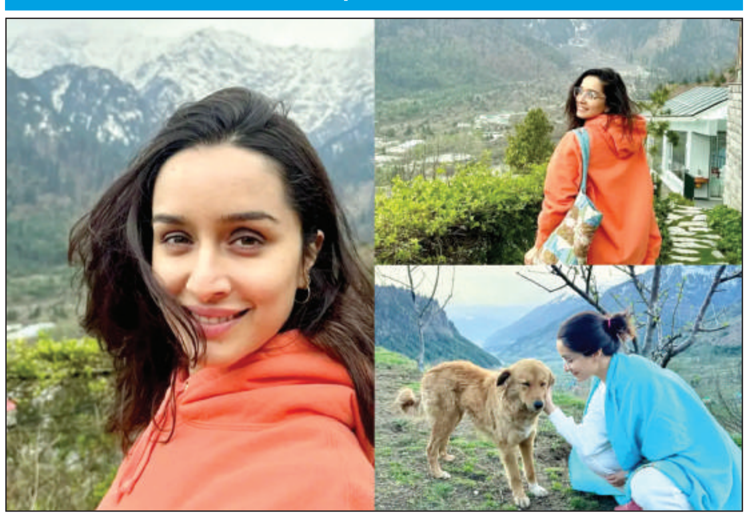

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। उनकी तस्वीरों के साथ-साथ एक्ट्रेस के मजेदार कैप्शन्स भी फैंस का दिल जीत लेते हैं। अब हाल ही में अदाकारा श्रद्धा कपूर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जिसमें अदाकारा पहाड़ों की वादियों में घूमती दिख रही हैं। इन तस्वीरों के साथ ही अदाकारा ने एक बेहद मजेदार कैप्शन दिया है। जो एक बार फिर श्रद्धा कपूर के फैंस का भी दिल जीत ले गई हैं। अदाकारा श्रद्धा कपूर की इन तस्वीरों पर लोग भी जमकर कमेंट्स करते दिखे। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में हिल वेकेशन तस्वीरों की झलक दिखाई है। सामने आईं इन बेहद खूबसूरत तस्वीरों में अदाकारा श्रद्धा कपूर बेहद खूबसूर नजर आईं। ये तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'मजाल है कोई मुझे यहां से ले जाए।' जिसके बाद ये कैप्शन भी फैंस का दिल जीत ले गया। जिसके बाद लोगों ने भी मजेदार कमेंट्स किए हैं। अदाकारा श्रद्धा कपूर की ये तस्वीर भी फैंस का दिल जीत ले गई है। इस तस्वर में अदाकारा श्रद्धा कपूर पहाड़ी जानवरों पर प्यार लुटाती दिखीं। ये तस्वीरें लोगों का ध्यान खींच ले गईं। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने सामने आईं तस्वीरों में सुहावने मौसम की झलक फैंस को दिखाई है। यहां कि खूबसूरती देखते ही बनती है। हालांकि अदाकारा ने ये नहीं बताया कि वो किस जगह पर हैं। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने इस दौरान कैमरे में यादगार पल कैद कर लिए। अदाकारा की ये तस्वीरें देख फैंस का भी घूमने जाने का प्लान करने लगेगा। ये तस्वीरें शेयर कर अदाकारा श्रद्धा कपूर ने फैंस से भी एक दिलचस्प सवाल किया था। अदाकारा ने तस्वीरें शेयर कर पूछा कि 'बताओ मैं कहां हूं।'

जिसके बाद लोग भी कई खूबसूरत जगहों के नाम लेकर गैस करने लगे। अदाकारा श्रद्धा कपूर ने इस तस्वीर में अपनी सनकिस्ड फोटो शेयर की है। जिसमें अदाकारा की स्किन खूब ग्लो करती दिखी। अदाकारा की ये तस्वीरें देख फैंस भी उनकी सुंदरता में खोते दिखे। इन तस्वीरों में अदाकारा श्रद्धा कपूर अपनी सुकून भरी सुबह की झलक फैंस को दिखाती दिख रही हैं। ये तस्वीरें फैंस का दिल आते ही जीतती दिखीं। ये तस्वीरें बला की खूबसूरत लगीं।

बचपन में वेटरिनेरियन बनना चाहती थी नरगिस फाखरी

रॉकस्टार से लेकर मैं तेरा हीरो तक, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने बॉलीवुड में अपने पूरे सफर के दौरान कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। रॉकस्टार गर्ल ने मद्रास कैफे, अजहर और हाउसफुल 3 जैसी कुछ फिल्मों में कई रोल्स में अभिनय करके एक एक्ट्रेस के रूप में अपनी सीमा दिखाई है। हालांकि, उनके फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि बॉलीवुड में आने से पहले उनके लिए एक अलग करियर चॉइस क्या रही होगी? खैर, नरगिस ने हालही में खुद इसका खुलासा किया है।नरगिस ने कहा मैं बचपन में वेटरिनेरियन बनना चाहती थी। मुझे जानवरों से प्यार है और बचपन से ही मैं उन्हें एक सुरक्षित वातावरण देना चाहती थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था और मैं फिल्म इंडस्ट्री में आ गई। अगर मुझे अपने जीवन पर विचार करना हो और अतीत में जाना हो तो, मैं कुछ भी नहीं बदलूंगी। इन सालों में, मुझे अपनी कला से प्यार हो गया है, मेरा मतलब है, मैं स्क्रीन पर जो चाहती हूं, वह कर सकती हूं और बन सकती हूं। यह भी मैंने अनुभव किया है प्रभावशाली फिल्में लोगों के जीवन पर असर डालती हैं। यही कारण है कि मेरी कोशिश ऐसी फिल्में करने की है, जो महत्वपूर्ण हों और हमारे रोज़मर्रा के संघर्षों से एस्केपिज्म की तरह काम करें।हाल ही में, नरगिस फाखरी खुशी से भर गईं क्योंकि मैं तेरा हीरो ने अपनी रिलीज के 10 साल पूरे कर लिए। अब, काम के मोर्चे पर, नरगिस, जिन्हें आखिरी बार टटलूबाज़ में देखा गया था, के पास दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की एक सीरीज़ है, जिनकी घोषणा इस साल के अंत में की जाएगी।

ऑटो ट्यून के जमाने में किशोर दा की काफी है बस आवाज

किशोर कुमार बॉलीवुड के उन फनकारों में से एक हैं जो सबसे ज्यादा वर्सेटाइल, सबसे ज्यादा टैलेंटेड और सबसे ज्यादा क्रिएटिव रहे हैं। बात चाहें एक्टिंग की हो या फिर सिंगिंग की। किशोर कुमार का दूर दूर तक कोई मुकाबला नहीं है। आज के दौर में जो सिंगर्स आते हैं उन्हें गाना गाने से पहले म्यूजिक, अपनी पसंद के इंस्ट्रूमेंट और ऑटो ट्यून जैसी तकनीक की दरकार होती है। लेकिन किशोर दा की आवाज अपने आप में सुर और संगीत के साथ रची बसी सुनाई देती है। उनके पुराने वायरल वीडियो को देखकर अब फैन्स भी यही कह रहे हैं।

बिना म्यूजिक के गाया गाना

किशोर कुमार की एक से बढ़ कर एक गानों में से ये चुनना मुश्किल है कि उनका बेस्ट सॉन्ग कौन सा है। बस जो सुनने को मिल जाए दिल उसी में रम जाता है। द आइकोनिक आर्काइव नाम के इंस्टाग्राम हैंडल ने किशोर कुमार का गाना शेयर किया है। और दावा किया है कि ये 1972 में हुए बीबीसी शो का वीडियो है। इस वीडियो में किशोर कुमार अपना हिट सॉन्ग ये जो मोहब्बत है गा रहे हैं। इस वीडियो में ककिशोर कुमार को गाता देखकर और गाना सुनकर चंद सेकंड शायद आपको अहसास ही न हो कि गाने के साथ म्यूजिक बज ही नहीं रहा है। बीच बीच में वॉयलिन और कॉन्गो की आवाज आती है। इस वीडियो के कैप्शन में यही लिखा है कि ऑटो ट्यून भी गायब हो गया है।

ये मास्टर पीस है

किशोर कुमार का ये नायाब शाहकार उनके फैन्स को भी बहुत पसंद आ रहा है। एक यूजर ने लिखा कि वो एक लेजेंड्री सिंगर थे और हमेशा ही रहेंगे। एक यूजर ने लिखा कि ऑटोट्यून की क्या जरूरत है ये तो मास्टर पीस है। एक यूजर ने लिखा कि बहुत देर तक पता ही नहीं चला की गाने में म्यूजिक बज ही नहीं रहा है।

रोहित शेट्टी के शो में नीति टेलर की होगी एंट्री! खतरों के खिलाड़ी 14 में मचेगा तहलका

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 के लिए अब तक मन्नारा चोपड़ा, अभिषेक मल्हान, अभिषेक कुमार, मनीषा रानी, समर्थ जुरेल, निमृत कौर अहलूवालिया, हेली शाह से संपर्क किया गया है। अब एक और दिलचस्प अपडेट में ये कहा गया है कि बड़े अच्छे लगते हैं 2 में प्राची का किरदार निभाने वाली नीति टेलर को मेकर्स ने अप्रोच किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नीति टेलर जो पार्थ समथान की कैसी ये यारियां में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं, से रोहित शेट्टी के शो के निर्माताओं ने संपर्क किया है। हालांकि नीति ने अभी शो के लिए हां नहीं किया है। ऐसा कहा जा रहा है कि एक्टेस को प्रस्ताव पसंद आया है, लेकिन अभी शो में जाने लिए वह थोड़ा समय ले रही हैं। खतरों के खिलाड़ी 14 के बारे में बात करते हुए कहा गया है कि निमृत कौर अहलूवालिया, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल और गशमीर महाजनी को शो के लिए कन्फर्म कर दिया गया है। वहीं कल समर्थ जुरैल ने निमृत कौर अहलूवालिया के साथ एक तस्वीर भी पोस्ट की, जिससे फैंस को लग रहा है कि क्या खतरों के खिलाड़ी 14 की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है।इसके अलावा मुनव्वर फारुकी रोहित शेट्टी के शो में शामिल होने वाले थे। स्टैंड-अप कॉमेडियन से रियलिटी स्टार बने अभिनेता ने भी खतरों के खिलाड़ी 14 के निर्माताओं को अपनी सहमति दे दी है। हालांकि, उन्हें शो से पीछे हटना पड़ा क्योंकि उनके वीजा में कुछ समस्याएं थीं, जिस वजह से वह शो नहीं कर पाएंगे।

नायरा बनर्जी बिग बॉस ओटीटी 3 में बिखेरेंगी हुस्न का जलवा ?

सलमान खान के शो बिग बॉस ओटीटी 3 में जाने वाले कंटेस्टेंट के नाम लगातार सामने आ रहे हैं। मेकर्स एक से बढ़कर एक सेलेब्स को शो में आने के लिए अप्रोच कर रहे हैं। अभी तक बिग बॉस ओटीटी 3 में धमाका करने के लिए अभी तक शहजादा धामी, प्रतीक्षा होनमुखे, सना सईद, विकास जैन के नाम सामने आ रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी सेलिब्रिटी के शो में जाने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी तरह अब नायरा बनर्जी, जिन्हें आखिरी बार रोहित शेट्टी की खतरों के खिलाड़ी 13 में देखा गया था, के रियलिटी शो में जाने की अटकलें हैं। अच्छी बात ये है कि नायरा ने शो में जाने की अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए चुप्पी तोड़ी है। बिग बॉस ओटीटी 3 में अपनी जाने की अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए, नायरा बनर्जी ने बताया कि वह सलमान खान द्वारा होस्ट किये जाने वाला शो वह नहीं कर रही हैं। नायरा ने कहा कि उनसे हर साल बिग बॉस के लिए संपर्क किया जाता है। यहां तक कि बिग बॉस ओटीटी 3 के लिए भी मेकर्स ने उनसे संपर्क किया, लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह रियलिटी शो करने के मूड में नहीं हैं।बता दें कि ये सिर्फ नायरा बनर्जी नहीं है, जिन्होंने सलमान खान के शो को मना कर दिया है। इससे पहले भी मिश्कत वर्मा, गशमीर महाजनी और कई सेलेब्स ने खुले तौर पर कहा हैं कि वह इस शो के लिए नहीं बने हैं और इसलिए वे इसमें हिस्सा नहीं लेना चाहेंगे।नायरा बनर्जी की बात करें तो एक्ट्रेस हाल ही में टीवी एक्ट्रेस निशांत मलखानी के साथ अपने ब्रेकअप को लेकर खबरों में थीं। हालांकि नायरा और निशांत ने कभी भी रिश्ते में होने की बात स्वीकार नहीं की है और हमेशा कहा है कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन ऐसी अफवाहें थीं कि दोनों कुछ सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वहीं कुछ हफ्ते पहले ये खबर आई थी कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है।

मिस्टर एंड मिसेज माही का पहला पोस्टर आया सामने

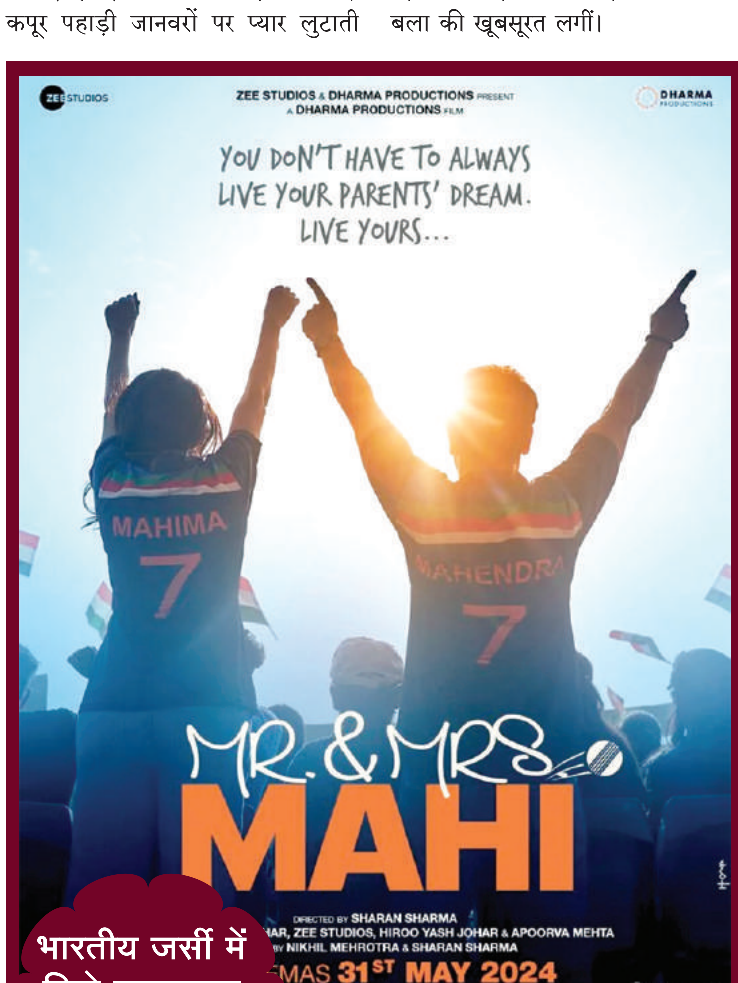

भारतीय जर्सी में दिखे राजकुमार राव और जान्हवी कपूर

राजकुमार राव और जान्हवी कपूर एक बार फिर स्क्रीन साझा करेंगे। दोनों कलाकार स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में एक साथ नजर आने वाले हैं। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म के रिलीज डेट की घोषणा की थी। फिल्म का पहला पोस्टर पेश किया गया है। फिल्म के पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर भारतीय जर्सी में नजर आ रहे हैं। दोनों ही भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाते हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मिली फिल्म की अभिनेत्री फिल्म में एक क्रिकेटर की भूमिका में नजर आएंगी। सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए धर्मा प्रोडक्शन ने लिखा, यह सपनों का पीछा करने का समय है! मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई 2024! को सिनेमाघरों में। बता दें कि फिल्म में राजकुमार राव महेंद्र और जान्हवी महिमा की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म सिनेमाघरों में 31 मई 2024 को रिलीज की जाएगी।जान्हवी कपूर के आगामी कार्यों की बात करें तो अभिनेत्री जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा में नजर आएंगी। एक साक्षात्कार के दौरान इस फिल्म का हिस्सा होने पर उन्होंने खुशी जाहिर की थी। जान्हवी की आगामी फिल्मों में दक्षिण भारतीय अभिनेता राम चरण की फिल्म आरसी'6 और उलझ शामिल है। राजकुमार राव श्रीकांत और गन्स एंड गुलाब्स सीजन 2 में दर्शकों के सामने प्रस्तुत होंगे।

डीपफेक वीडियो से तंग आकर रणवीर सिंह ने खोला मोर्चा, लिया कानूनी एक्शन

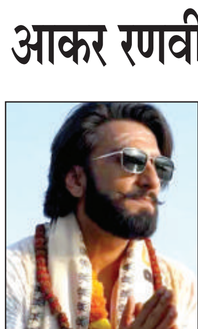

बॉलीवुड के स्टार एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों सुर्खियों में छाए हुए हैं। हाल ही में रणवीर सिंह का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो पीएम मोदी के खिलाफ बोलते नजर आ रहे थे। इस क्लिप की वजह से काफी विवाद हुआ था। हालांकि बाद में पता चला कि रणवीर सिंह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डीपफेक टेक्नोलॉजी का शिकार हो गए है। रणवीर सिंह का वो वीडियो फर्जी निकला। इस बीच अब रणवीर सिंह एक्शन में आ गए हैं। जानकारी के मुताबिक रणवीर ने डीपफेक वीडियो के संबंध में पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

डीपफेक टेक्नोलॉजी का शिकार होने के बाद रणवीर सिंह अब एक्शन में आ गए हैं। रणवीर सिंह के आधिकारिक प्रवक्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात पर मुहर लगा दी है। प्रवक्ता ने कहा, 'हां, हमने पुलिस में इसके खिलाफ शिकायत दर्ज की है।' रणवीर सिंह का ये वीडियो ऐसे समय पर वायरल हो रहा है जब देश में लोकसभा चुनाव की शुरुआत हो गई है। बता दें कि फर्जी वीडियो में रणवीर सिंह ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा है। अब देखना ये दिलचस्पा होगा कि पुलिस इस मामले में कब तक कार्रवाई करती है। इससे पहले भी बॉलीवुड के कई सितारों का डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इस लिस्ट में आमिर खान से लेकर रश्मिका मंदाना तक के नाम शामिल हैं। बीते दिनों आमिर खान का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो क्रांगेस के लिए वोट मांगते नजर आ रहे हैं। हालांकि ये वीडियो भी फर्जी था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाज के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें।

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा।धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है । जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अत: सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा।

आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको ख़ुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ बन पड़ेगा, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपसे आपकी बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं।

आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 23 अप्रैल 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा उत्तर रात्रि 05:20 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 10:20 तक
योग : वज्र उत्तर रात्रि 04:55 तक
करण : विष्टि सायं 04:27 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रात: 09:18 तक
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चैत्र पूर्णिमा व्रत पुण्य , श्री हनुमान जयंती , वैशाख स्नान आरंभ , भद्रा सायं 04:27 तक , मन्वादि तिथि , संत पीपा जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा सरकार समान भाव से विकास कराती है: भजनलाल

अजमेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि देश हो या प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार समान भाव से विकास कराती है। श्री शर्मा ने सोमवार को यहां मेडिकल कालेज स्थित डॉ अम्बेडकर सभागार में सामाजिक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भाजपा की जब–जब सरकार बनी और जो कहा कि वह पूरा करके दिखाया है। उन्होंने विपक्ष पर झूठी घोषणाओं का आरोप जड़ते हुये कहा कि राजस्थान की सरकार को साढ़े चार माह हुये है और लोकसभा चुनाव आचार संहिता लग गयी, लेकिन इसे पहले सत्ता में आते ही एक–एक विधायक को आठ–आठ करोड़ रुपये विकास कार्यों के लिये दे दिये गये। इतना ही नहीं एक–एक वायदे को पूरा करने का काम किया जा रहा है। प्रदेश की 73 लाख महिलाओं को 400 रुपये में गैस सिलेंडर, सुरक्षा

सम्मान निधि की बढ़ी राशि, पेट्रोल–डीजल टैक्स कटौती कर उसे सस्ता करने का काम पिछले 3–4 माह में किया गया जिसका लाभ समानता के साथ सभी जातियों और वर्गों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो 36 कौमों को साथ लेकर जहाँ उनके विकास की सोचती है, वहीं देश के विकास में कमी नहीं रखती।

श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को सराहते हुये केन्द्र सरकार की योजनाओं का जिक्र भी किया और कहा कि 80 लाख लोगों को प्रधानमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना में राशन देने का काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान निधि से देश का किसान लाभान्वित हो रहा है और सीधे उनके खातों में पैसा पहुंच रहा है।

चुनाव आयोग ने अधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए जरूरी दिशा निर्देश

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार साहू ने लोकसभा आम चुनाव–2024 के दूसरे चरण के सभी जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर चुनाव की तैयारियों की लोकसभा क्षेत्रवार समीक्षा की।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के उच्चाधिकारियों ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में लोकसभा चुनाव के लिए ईवीएम से जुडें समस्त प्रोटोकॉल का विशेष तौर पर रिप्लेसमेंट की स्थिति में एसओपी का ध्यान रखने पर बल दिया। राजनैतिक दलों को ईवीएम कमिशनिंग की सूचना देने एवं उनकी सभी जिज्ञासाओं का तर्कपूर्ण जवाब दिए जाने के निर्देश दिए। आवश्यकतानुसार समय–समय पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं प्रत्याशियों के साथ बैठक करने का भी सुझाव दिया।

श्री साहू ने विधानसभा चुनाव–2023 के समय राजस्थान द्वारा मतदान दिवस एवं इससे पूर्व के 72 घंटों के समय की गई संपूर्ण व्यवस्थाओं की सराहना की एवं साथ ही सुझाव दिया कि इस बार भी इस एसओपी का विशेष ध्यान रखा जाना है एवं मतदान दिवस को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए पहले से ही तंत्र विकसित किया जाना है। लोकसभा चुनावों के समय गर्मी के मौसम के मद्देनजर मतदान दल के सदस्यों के साथ मतदाताओं के लिए छाया, पेयजल एवं लू से बचाव के उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों से उनके जिले में लॉजिस्टिक अरेंजमेंट, बैलेट पेपर प्रिंटिंग, ईटीबीपीएस की स्थिति, होम वोटिंग, प्रशिक्षण, मतदान दल रवानगी व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, सी–विजिल, शिकायत, जब्ती की स्थिति एवं एमसीएमसी की कार्य प्रक्रिया की वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने आयोग के उच्चाधिकारियों को प्रदेश में उत्साहपूर्वक चल रही होम वोटिंग, केन्द्रीय पर्यवेक्षकों के साथ समन्वय के बारे में जानकारी प्रदान की साथ ही बताया कि इस बार मतदाता सूचना पर्ची को विशेष कैंप्स का आयोजन कर बीएलओ के माध्यम से वितरित कराया गया है।

पोस्टल बैलेट की आवश्यकता, कम्युनिकेशन प्लान, निर्वाचन संपन्न कराने वाले अधिकारियों–कर्मचारियों के प्रशिक्षण, कानून–व्यवस्था की स्थिति और स्वीप गतिविधियों की भी समीक्षा की।

हत्या के पांच आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। यमुनानगर पुलिस ने हनुमान कालोनी में रविवार देर रात अभिषेक उर्फ रिशु की चाकू से गोंदकर हत्या करने के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यमुनानगर थाना प्रभारी जगदीश चंद्र ने सोमवार को बताया कि अभिषेक (24) की हत्या के मामले में गधौली कालोनी निवासी सहोदर भाई चन्ना सिंह चीनु गुर्जर और सचिन उर्फ अनुपम गुर्जर तथा उनके साथियों गधौली कालोनी निवासी आर्यन शर्मा, राहुल उर्फ टिंकू और अभिषेक निवासी नजदीक खालसा कॉलेज को गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि पंजाब के मोहाली के थाना डेरा बस्सी के बालाजी नगर निवासी आकाश ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी मांसी का लड़का अभिषेक रिकवरी एजेन्ट का काम करता था। वह अपने परिवार सहित जीरकपुर मे किराये का कमरा लेकर रहता था। अभिषेक ने करीब एक वर्ष पहले नीशा के साथ प्रेम विवाह किया था। जिस कारण उसकी ससुराल पक्ष के लोग उससे बहुत खासे नाराज थे।

भाजपा सरकार ने चिकित्सा सेवाओं को किया छिन्न–भिन्न: डॉ शर्मा

अजमेर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर राज्य में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की राहत को छिन्न–भिन्न करने का आरोप लगाया है। डॉ शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार जनता के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के हितों पर कुठाराघात कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश की जनता को चिरंजीवी योजना में 25 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराई जा रही थी, लेकिन आज अस्पतालों में इन राहतों का पता नहीं है।

डॉ शर्मा अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में केकड़ी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता से वादा किया था कि अशोक गहलोत सरकार की किसी भी योजना को बंद नहीं किया जायेगा, बल्कि बेहतर किया जायेगा। उन्होंने कहा डबल इंजन की सरकार की कथनी और करनी में फर्क है।

उन्होंने चिरंजीवी योजना बंद कर आयुष्मान भारत योजना चालू की है, जिसमें पांच लाख तक की चिकित्सा उपलब्ध कराने का दावा किया जा रहा है, जबकि योजना में इतनी पेचीदगी है कि प्रदेश की जनता को उसका लाभ नहीं मिल रहा है।

राज्यपाल मेंहदीपुर बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव समारोह में हुए शामिल

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को मेहंदीपुर बालाजी में हनुमान जन्मोत्सव समारोह में भाग लिया। श्री मिश्र वहां विशेष फूल बंगला झांकी में सम्मिलित हुए। उन्होंने इस अवसर पर राम कथा का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने इस दौरान कहा कि हनुमान जीवंत देवता है। उन्हें अमरत्व का वरदान मिला हुआ है। अष्ट सिद्धियां और नव निधियां प्राप्त हनुमान शक्ति एवं साहस के प्रतीक हैं। उनकी आराधना से व्यक्ति अपने भीतर स्वयमेव ऊर्जा का अनुभव करता है। श्री मिश्र ने कहा कि हनुमानजी सारे जगत में अपने स्वामी प्रभु श्री राम का ही संदेश सुनाते है। सुंदरकांड में उन्होंने हर स्थान पर अपना परिचय अपने नाम के स्थान पर श्री राम दूत के रूप में ही दिया है। मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ. नरेशपुरी ने श्री मिश्र का अभिनंदन किया। उन्होंने ट्रस्ट की समाज सेवा से जुड़ी गतिविधियों के बारे में भी उन्हें जानकारी दी।

राजस्थान में 1325 से अधिक अवैध हथियार जब्त, 1.91 लाख से अधिक लोग पाबंद

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अब तक 1325 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं जबकि 1.91 लाख व्यक्तियों को विभिन्न अवांछित गतिविधियों के कारण पाबंद किया गया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भयमुक्त, निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित लोकसभा चुनाव कराने के लिए सभी जिलों में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इसके तहत लोकसभा आम चुनाव–2024 का कार्यक्रम घोषित होने के बाद 16 मार्च से प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के साथ ही राजस्थान पुलिस अवैध हथियारों तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियारों को जमा करने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पाबंद करने की कार्यवाही कर रही है।

श्री गुप्ता के अनुसार राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से भारत निर्वाचन आयोग को इस विषय में रविवार को प्रेषित नियमित रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में अब तक 1,325 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं तथा 1.55 लाख से अधिक लाइसेंसी हथियार थानों में जमा किए गए हैं। अवैध हथियारों के साथ ही 2,389 कारतूस, 4,160 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और सात आईईडी (बम) जब्त किए गए हैं। एक अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री पर छापे की कार्रवाई भी की गई है।

प्रदेश में क़ानून–व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रखने का परिणाम है कि राज्य में चुनाव से जुड़ी गतिविधियां शांतिपूर्वक चल रही हैं। पुलिस ने प्रदेश में 59 हजार 210 व्यक्तियों को अपराध प्रक्रिया संहिता की धाराओं 107, 108, 110 एवं 151 आदि के तहत पाबंद किया है। इसी प्रकार एक लाख 32 हजार 311 व्यक्तियों को संहिता की उक्त धाराओं के साथ ही 109 और 116(3) धाराओं के तहत पाबंद किया है. इस अवधि में 17 लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) सहित अन्य धाराओं में प्रतिबंधित किया है। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रदेश भर में आम सुरक्षा की दृष्टि से कुल एक 62 हजार777 लाइसेंसशुदा हथियारों में से एक लाख 55 हजार 634 हथियार विभिन्न पुलिस थानों में जमा करवाए गए हैं। कुल 1,735 हथियार लाइसेंस निरस्त किए गए हैं तथा 51 लाइसेंसी हथियारों को जब्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस ने विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में 1,400 बस्तियों को संवेदनशील आबादी और 4,322 व्यक्तियों को गड़बड़ी फैलाने वाले संदिग्ध लोगों के रूप में चिन्हित किया है. साथ ही, प्रदेश में 276 अन्त:राज्य और 204 अंतर्राज्यीय पुलिस नाके लगाए गए हैं. स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रलोभन तथा धन–बल रहित चुनाव के लिए राजस्थान में कुल 2,585 सतर्कता दल भी सक्रिय स्थिति में रखे गए हैं।

भाजपा का 400 पार नारा पूरी तरह फुस्स साबित होने वाला है: हुड्डा

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोमवार कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का लोकसभा चुनावों में 400 सीटों से अधिक जीतने वाला नारा पूरी तरह फुस्स साबित होने वाला है। श्री हुड्डा ने यहां पत्रकारों से कहा कि पूरे देश की तरह हरियाणा में भी कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रही है। जो चुनावी विश्लेषक कुछ दिन पहले भाजपा को आठ से नौ सीटें दे रहे थे, आज वहीं लोग उसे हराता हुआ दिखा रहे हैं। तमाम चुनावी सर्वे बता रहे हैं कि कांग्रेस का ग्राफ बढ़ रहा है और भाजपा का ग्राफ गिरता जा रहा है। मतदान की तारीख आते–आते स्पष्ट हो जायेगा कि हरियाणा में कांग्रेस एकतरफा जीत रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे से हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने की नींव भी पड़ जायेगी, क्योंकि भाजपा सरकार से हर वर्ग दुखी है। आज बेरोजगार युवा सड़कों पर बारात निकालकर प्रदर्शन कर रहे हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य(एमएसपी) नहीं मिलने से नाराज किसान मंडियों में परेशान बैठे हैं और घटती आमदनी से मजदूर, कामगार और मध्यम वर्ग हताश हो चुका है। 2014 तक देश के सबसे समृद्ध प्रदेश रहे हरियाणा की 63 प्रतिशत जनता को भाजपा ने गरीबी के दलदल में धकेल दिया है।

इनेलो ने लोकसभा चुनाव के लिये तीन उम्मीदवारों की घोषणा की

चंडीगढ़, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने सोमवार को चंडीगढ़ पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर हरियाणा से अपने लोकसभा के तीन उम्मीदवारों की घोषणा की। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने तीन उम्मीदवारों की घोषणा करते हुये बताया कि बल्लभगढ़ रियासत के राजा नाहर सिंह के प्रपौत्र सुनील तेवतिया को फरीदाबाद, सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक, राष्ट्रपति पुलिस मेडल से सम्मानित एवं द्रोणाचार्य अवार्डी अनूप सिंह दहिया को सोनीपत और सिरसा से संदीप लोट को उम्मीदवार बनाया गया है। संदीप लोट के पिता रामफल लोट ने 2009 में कांग्रेस की टिकट पर नरवाना से चुनाव लड़ चुके हैं। इनके दादा फकीर चंद दो बार विधायक रह चुके हैं।

इस दौरान महिला सर्व खाप की अध्यक्ष डॉ संतोष दहिया की अगुवाई में सर्व खाप की पदाधिकारियों ने इनेलो को अपना समर्थन दिया। लोकसभा चुनाव को लेकर पूर्व सैनिक एसोसिएशन ने भी अपना समर्थन इनेलो पार्टी को दिया। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पूर्व सैनिक एसोसिएशन के पदाधिकारी इनेलो मुख्यालय में आये और उनकी मांगों को इनेलो के घोषणापत्र में रखने की मांग की। हम उनकी मांगों को अपने घोषणापत्र में शामिल करेंगे। पूर्व सैनिकों के लिये एक बोर्ड बनायेंगे। वन रैंक वन पेंशन में कई खामियां हैं, जिसको पूरा करने में इनेलो इनका साथ देगी। ये लोग अग्निवीर योजना के खिलाफ हैं और हम इसे खत्म करवाने में इनका साथ देंगे। भाजपा सैनिक स्कूलों का जो निजीकरण कर रही है, इसे बंद करायेंगे। अभय सिंह चौटाला ने एक मई को कुरुक्षेत्र से नॉमिनेशन फाइल करने की भी घोषणा की। डॉ संतोष दहिया ने कहा कि इनेलो को समर्थन देने के कई कारण हैं। जैसे 13 महीने किसान आंदोलन चला जिसमें 700 से उपर किसानों की मौत हुयी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को जो वादे किये वे पूरे नहीं किये। किसान जब दोबारा बैठे, तब फिर उनका दमन किया गया। दूसरा कारण था सरकार ने हमारी खिलाड़ी बेटियों जिन्होंने पूरी दूनिया में भारत का नाम रोशन किया उनको सडक़ों पर घसीटा गया। उनकी किसी ने नहीं सुनी। तीसरा कारण हैं पूर्व मंत्री संदीप सिंह ने महिला खिलाड़ी के साथ जबरदस्ती की। बजाय उस मंत्री को बर्खास्त करने के मुख्यमंत्री कहते थे संदीप सिंह के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी।

कांग्रेस सरकार के तहत पूरे कर्नाटक में डर का माहौल: नलिन

हिंदुओं पर सिलसिलेवार हमले और हत्याएं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद नलिन कुमार कटील ने टिप्पणी की कि जब से राज्य में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार आई है, लोग पूरे राज्य में भय के माहौल में रह रहे हैं। यहां सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हम उनके चुनाव विजय जुलूस के दौरान और विधानसभा में भी पाकिस्तान समर्थक नारे सुन सकते थे।

जब भाजपा ने इन राष्ट्र-विरोधियों की गिरफ्तारी की मांग की, तो कांग्रेस ऐसा करने में विफल रही। जिसके परिणामस्वरूप हिंदुओं पर सिलसिलेवार हमले और हत्याएं हुईं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हुब्बल्ली में नेहा की हत्या के बारे में बहुत हल्के ढंग से बात की। उनमें से कोई भी संवेदना व्यक्त करने के लिए नेहा के आवास पर नहीं गया। हम

नेहा हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग करते हैं और परिवार के लिए मुआवजे का भी आग्रह करते हैं। जब मेंगलूरु कुकर बम विस्फोट मामले को आतंकवादी गतिविधि से जोड़ा गया, तो डीके शिवकुमार ने डीजीपी को फटकार लगाई। कांग्रेस ने रामेश्वरम कैफे बम विस्फोट मामले में हेरफेर करने का प्रयास किया। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, राज्य में ऐसी घटनाओं में वृद्धि हुई और कांग्रेस अपने कार्यकाल के दौरान हुए किसी भी मामले की जांच पूरी करने में विफल रही। उन्होंने कहा अब, चुनाव के दौरान, कांग्रेस एसडीपीआई के साथ सांठगांठ कर रही है और चुनाव की तैयारी कर रही है। जैसा कि उनके घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है, कांग्रेस समुदाय विशेष को खुश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा में पिछले कुछ दिनों से केरल का दौरा कर रहा हूं और हम दक्षिण कन्नड़ और केरल दोनों में मोदी लहर देख सकते हैं। मोदी का विकास समर्थक दृष्टिकोण और जन-केंद्रित योजनाएं लोगों तक पहुंची हैं। मोदी ने पिछले 10 वर्षों में विकास के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस ने केवल बम योजनाएं पेश की हैं और लोग इस बार कांग्रेस को चोंबू देकर जवाब देंगे। लोग भाजपा को आशीर्वाद देंगे और कांग्रेस को चोंबू देंगे। कांग्रेस सरकार के एक वर्ष के दौरान, उन्होंने भाजपा विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को धन जारी नहीं किया है, जिससे विकास रुक गया है। यहां तक कि किए गए वादे भी ठीक से लागू नहीं किए गए हैं और लोगों तक नहीं पहुंचे हैं। हमारा राज्य खतरे में है। भाजपा सरकार के तहत, महत्वपूर्ण विकास हुआ है। एनएच-चएआई परियोजनाओं और रेलवे स्टेशनों को उन्नत किया गया है, एनएचएआई सड़क कार्य वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, और हम स्मार्ट सिटी पहल में दूसरे स्थान पर हैं, प्रभावी ढंग से धन का उपयोग कर रहे हैं।

वलसाड एक्सप्रेस में आग बुझाने के दौरान अग्निशमन सिलेंडर फटा, आरपीएफ कांस्टेबल की मौत

पटना (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर वलसाड एक्सप्रेस की एक बोगी में ब्लास्ट होने से एक आरपीएफ जवान की मौत हो गई। बोगी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी। आरपीएफ की टीम आग पर काबू पाने में जुट गई। उसी वक्त कांस्टेबल विनोद कुमार छोटा फायर सिलेंडर (फायर एक्सटिंग्विशर) लेकर आग बुझाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान फायर सिलेंडर ब्लास्ट कर गया। हादसा इतना भीषण था कि विनोद कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। रेलवे की पूरी ने विनोद कुमार को अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि वलसाड एक्सप्रेस सोमवार की सुबह साढ़े छह बजे मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर आई थी। कुछ देर बाद ट्रेन की एस-आठ बोगी के शौचालय में आग लपटें निकलने लगीं। आग की सूचना रेलवे और आरपीएफ की टीम यहां पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। आरपीएफ जवान विनोद कुमार भी आग पर काबू पाने के लिए पहुंचे।

उन्होंने फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाने की कोशिश पाने लगे। एक फायर सिलेंडर खत्म हो गया लेकिन आग की लपटें कम नहीं हुईं। इसी बीच उन्होंने दूसरे फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। सिलेंडर का लॉक जैसे ही खोला वैसे ही सिलेंडर ब्लास्ट कर दिया। इसमें विनोद कुमार की मौत हो गई।

आरपीएफ ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। आरपीएफ के अनुसार, कांस्टेबल विनोद कुमार आरा नगर क्षेत्र के रहने वाले थे। दो साल से मुजफ्फरपुर आरपीएफ पोस्ट में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। टीम ने उनके परिवार को सूचना दे दी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लालू यादव के दामाद भी लोकसभा चुनाव में उतरे, बेटे-बेटियों के बाद अब यह नाम भी जुड़ा

पटना (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार के एक और सदस्य लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। लालू के दामाद और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भतीजे तेज प्रताप यादव सपा के टिकट पर चुनावी मैदान में फिर से उतरने जा रहे। दरअसल, पिछले कई दिनों से कन्नौज में अखिलेश यादव के लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही थी। लेकिन अब यह तय हो गया है कि उस सीट पर लालू यादव के दामाद तेज प्रताप यादव चुनाव लड़ेंगे। अगर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की किस्मत वापस पटरी पर लौटी तो दो बेटियां मीसा भारती,

रोहिणी आचार्य और एक दामाद तेज प्रताप यादव मिलाकर कुल तीन सांसद से उनका घर संपन्न होगा।

दरअसल, 2015 में लालू प्रसाद यादव की छोटी बेटी राजलक्ष्मी से उनका विवाह हुआ था। यह शादी खूब चर्चा में रही थी। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी भी वर-वधू को आशीष देने पहुंचे थे। तेज प्रताप यादव मुलायम की परंपरागत सीट मैनपुरी से सांसद रहे हैं। वो मुलायम यादव के बड़े भाई रतन के पोते हैं। 36 वर्षीय तेज प्रताप यादव मैनपुरी सीट से 2014 में सांसद रह चुके हैं, उन्होंने 3.12 लाख वोटों से जीत हासिल की थी। जबकि इससे पहले वो 2011 में निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख चुने जा चुके हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल नोएडा में हुई है, जबकि एमिटी विवि से बीकॉम किया है। इसके अलावा यूनाइटेड किंगडम के लीड्स विवि से एमएससी (प्रबंधन) की उपाधि ली है। जबकि स्थानीय राजनीति में वो सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जिससे कन्नौज सीट से लाने की तैयारी चल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की दो बेटियों मीसा भारती और रोहिणी आचार्य को राजद ने उम्मीदवार बनाया है। मीसा भारती अभी राजद की तरफ से राज्यसभा सांसद हैं। वहीं रोहिणी आचार्य पहली बार सक्रिय राजनीति में उतरी हैं। वह छपरा लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में हैं। इधर, लालू प्रसाद के दो बेटे तेज प्रताप और तेजस्वी यादव राजद के विधायक हैं।

वोट मांगने पहुंचे जदयू सांसद तो जनता ने ही मांग लिया पांच वर्षों का हिसाब

पूछा- आपको वोट क्यों दें

जहानाबाद (एजेंसियां)। पहले चरण का मतदान खत्म होते ही दूसरे चरण की वोटिंग के पहले की चुनावी हलचल तेज हो गई है। नेता जनता के घर घर जाकर वोट मांगने पहुँच रहे हैं, ऐसे में एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वोट मांगने पहुंचे नेता से जनता उनके पिछले पांच वर्षों का हिसाब मांगते दिख रहे हैं। मामला जहानाबाद के काको थाना क्षेत्र का है।

दरअसल यह वीडियो निवर्तमान सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी जो एनडीए प्रत्याशी हैं। वह हाजिसराय गांव में वोट मांगने के लिए गए थे। वहां पर

जैसे ही गांव के लोगों को पता चला कि सांसद वोट मांगने के लिए आये हैं, तो बड़ी संख्या में लोग जुट गए। लोग उनसे हिसाब करने लगी। लोगों ने कहा कि बिहार में अगर बाहरी लोग नौकरी करेंगे तो हम लोग गोल गप्पा बेचेंगे?इसके बाद नीतीश सरकार से नाराज युवा शिक्षक भर्ती को लेकर सवाल करने लगे। वीडियो में युवा कहते हुए नजर आ रहे है कि जब नौकरी यूपी, एमपी और झारखंड के युवाओं को दे दिए तो वोट भी उनसे ही जाकर मांगिए। 45 हजार बाहर के लोगों को नौकरी मिली है। उनको अगर नहीं देते को यहां के युवाओं को रोजगार मिलता। युवाओं ने कहा कि बिहार में नौकरी अगर उनको मिलेगा तो हम लोग गोल गप्पा बेचेंगे।

जनता उनसे पूछ रही थी कि 5 वर्षों तक आप नजर नहीं आए अब चुनाव के वक्त नजर आ रहे है। इसलिए इस बार आपको वोट नहीं देंगे। सांसद बनने के बाद क्षेत्र में आपने कोई काम नहीं किया।

इस दौरान कुछ लोग पेपर आउट होने की शिकायत भी कर रहे थे। सांसद चुपचाप उनकी बातें सुन रहे थे। हालांकि सोशल मीडिया पर यह उनका पहला वीडियो नहीं है जो वायरल हो रहा है। इससे पहले भी सांसद को विरोध का सामना करना पड़ा है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। इस क्षेत्र में सातवें चरण में 1 जून को चुनाव होना है ।

सीवान में शराब से भरी कार मिनी ट्रक से टकराई, दो लोगों की हालत नाजुक

सीवान (एजेंसियां)। बिहार के सीवान में शराब से लदी एक कार अनियंत्रित होकर सरसर बाजार के पास मुख्य मार्ग पर सामने से आ रहे एक मिनी ट्रक से टकरा गई। इस हादसे के बाद वहां अफरातफरी मच गई। वहीं, इस घटना में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह छह-सात बजे के करीब गोपालगंज की तरफ से एक लग्जरी कार (टाटा हैरियर) सीवान आ रही थी। कार सरसर बाजार के करीब पहुंची ही थी कि सामने से आ रहे एक साउंड बॉक्स लोडेड मिनी ट्रक उसकी भीषण टक्कर हो गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा काफी ध्वस्त हो गया। जबकि कार में सवार ड्राइवर और उसके साथी कुल दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं, स्थानीय लोग दौड़ कर आए तो देखा कि कार में शराब भरी हुई है। उसके बाद लोग शराब लूटने में जुट गए। इधर, हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा, जहां दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है।

छह लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने तय किए उम्मीदवार, प्रदेश अध्यक्ष के बेटे को भी टिकट

पटना (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बिहार की छह लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार की लिस्ट जारी कर दी है। रविवार को दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस ने बिहार में अपने हिस्से की बाकी बची सीटों पर काफी विचार-विमर्श कर उम्मीदवारों के नाम तय किए गए थे।

लेकिन, महाराजगंज सीट को लेकर पेंच फंसा था। काफी मंथन के बाद आलाकमान ने प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के बेटे आकाश सिंह को टिकट दे दिया।

महाराजगंज सीट से प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के बेटे आकाश चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों की

मानें तो बिहार प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं के विरोध के बीच अखिलेश प्रसाद सिंह कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की मदद से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपने बेटे की उम्मीदवारी पर राजी करने में सफल रहे।

हालांकि, महाराजगंज सीट पर एमएलसी सच्चिदानंद राय अपनी पत्नी को टिकट दिलाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन, पार्टी आलाकमान ने आकाश सिंह के नाम पर मुहर लगाई। आकाश पिछली बार पर उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे। लेकिन, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वहीं पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र से मीरा कुमार के बेटे अंशुल अविजीत को टिकट दिया गया है। सासाराम वहीं बेतिया से मदन मोहन तिवारी, समस्तीपुर से बिहार सरकार के मंत्री महेश्वर हजारी के बेटे सन्नी हजारी, सासाराम से विश्वनाथ राम और मुजफ्फरपुर से अजय निषाद का नाम पर मुहर लगी है। अजय निषाद टिकट के कारण ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए थे।

बता दे कि कांग्रेस बिहार में नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भागलपुर सीट से अजीत शर्मा, कटिहार से तारिक अनवर और किशनगंज से मो. जावेद के नाम की घोषणा कांग्रेस पहले ही कर चुकी है। तीनों नेता अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार में भी जुट गए हैं। बाकी बची छह सीटों पर लोगों की नजर थी।

विवाहिता की हत्या कर शव को फंदे से लटकाया, पुलिस जांच में जुटी

परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर बिहार के बेतिया में एक विवाहिता की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का मामला सामने आया है। घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के महुअवा गांव की है। बताया जा रहा है कि रविवार को एक विवाहिता की हत्या कर दी गई। विवाहिता का शव उसके घर में ही फंदे से लटका दिया गया। मृतका की पहचान महुअवा गांव निवासी सुजीत साह की पत्नी अंतिमा कुमारी (20) के रूप में की गई है।

इधर, घटना की सूचना पर पहुंची शिकारपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया है। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि मृतका की मां की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापामारी की जा रही है। सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हैं।

एफआईआर में लौरिया थाना के लिपनी गांव निवासी और मृतका की मां मिथलावती देवी ने बताया कि उसकी बेटी की शादी एक जून 2023 को महुअवा निवासी सुजीत साह से हुई। अपनी हैसियत के हिसाब से उसने दहेज में दहेज दिया। बीती 16 जनवरी को जब उसकी बेटी गौना के बाद अपने ससुराल गई तो पांच दिन बाद दहेज में वाशिंग मशीन और दो लाख रुपये की मांग की जाने लगी। उसके ससुराल वाले कहने लगे कि रुपये नहीं मंगाए तो वह उसे नहीं रखेंगे। इसी बीच उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज भी करने लगे।

एफआईआर में मृतका की मां ने बताया कि रविवार को महेंद्र साह ने उसके लड़के बृजेश के मोबाइल पर फोन कर कहा कि उसकी बेटी ने घर का दरवाजा बंद कर लिया है। जब वह और उसका लड़का बेटी के ससुराल गए तो उसका शव लटका हुआ मिला।

इधर, थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतका की मां की शिकायत पर मृतक के पति सुजीत साह, ससुर महेंद्र साह समेत सात लोगों को नामजद किया गया है। मामले में एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

मधेपुरा में अनियंत्रित कार ने पैदल चल रहे बुजुर्ग को रौंदा, घटनास्थल पर मौत

मधेपुरा (एजेंसियां)। बिहार के मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के भतखोरा बाजार से आगे एनएच-107 पर सोमवार की सुबह एक अनियंत्रित कार ने एक बुजुर्ग को रौंद दिया। इस हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पड़वा नवटोल वार्ड-8 निवासी उमेश दास (65) के रूप में हुई। घटना की सूचना पर पहुंची मुरलीगंज थाना पुलिस ने शव को

पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतक के बेटे बेचन दास ने बताया कि उनके पिता उमेश दास सोमवार की सुबह साइकिल से आंगनबाड़ी का समान खरीदने जीतापुर बाजार गए हुए थे। सामान खरीद कर वह पैदल ही साइकिल लेकर वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान भतखोरा बाजार से आगे कुछ दूरी पर एनएच-107 पर पीछे से आ रही एक अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में उनके पिता की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद कार सवार गाड़ी लेकर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी मुरलीगंज थाना और परिजनों को दी। जानकारी मिलने पर वह लोग घटनास्थल पर पहुंचे। इधर, मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। लगभग 12 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक की उपस्थिति में पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com